हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

जोशी संभालेंगे शिक्षा

अब शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारी कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद जोशी को सौंपी गई है। प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति ने निर्देश दिया है कि कैबिनेट मंत्री प्रल्हाद जोशी को उनके मौजूदा पोर्टफोलियो के अलावा शिक्षा मंत्रालय का प्रभार भी दिया जाए। जोशी खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, ऊर्जा और उपभोक्ता मामलों के मंत्री हैं।

नीट पेपर लीक विवाद : जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन खत्म

'कॉकरोच' खा गया कुर्सी शिक्षामंत्री प्रधान का इस्तीफा

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट के पेपर लीक विवाद एवं पिछले कई दिनों से चल रहे भारी विरोध प्रदर्शनों और चौतरफा दबाव के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके बाद कॉकरोच जनता पार्टी का राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर जारी छात्र आंदोलन खत्म हो गया। तीन मांगों पर सहमति बनी, जिसमें धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, सभी केस वापस लिए जाएं और नीट पीड़ितों को एक करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जाए शामिल हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों और आंदोलन की अगुवाई कर रही कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई बातचीत में संगठन की अन्य मांगों को सरकार द्वारा मान लिये जाने के बाद कॉजपा ने अपना आंदोलन समाप्त करने का ऐलान किया। प्रधान ने दोपहर में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि पिछले 10 दिन के घटनाक्रम से उनका मन बेहद दुखी है और यह उनके लिए ▶▶|शेष पेज 6 पर

सरकार के साथ तीसरे राउंड की बैठक सफल

इस्तीफे के साथ ही जश्न सड़कों पर झूमे प्रदर्शनकारी

तीन मांगे पूरी

1. शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा
2. प्रदर्शनकारियों पर दर्ज केस की वापसी
3. नीट पीड़ितों को मिलेगा मुआवजा

पूरे घटनाक्रम की बड़ी बातें

आंदोलन समाप्त
सीजेपी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर जारी धरना तुरंत प्रभाव से खत्म कर दिया।

बड़ा इस्तीफा
वार्ता से कुछ ही घंटे पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पद से त्यागपत्र दे दिया।

सफल वार्ता
केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह के साथ सीजेपी प्रतिनिधिमंडल की तीसरे दौर की बातचीत सफल रही।

घर वापसी की अपील
सीजेपी ने सभी प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्ण तरीके से अपने घर लौटने का आग्रह किया।

एक महीने का गतिरोध खत्म
पिछले एक महीने से अधिक समय से जारी राजनीतिक और सामाजिक गतिरोध आखिरकार समाप्त हो गया।

दीपके बोले- झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए

इस्तीफे के बाद जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके ने कहा- वे कहते थे कि इस सरकार में इस्तीफे नहीं होते, लेकिन झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए।

राष्ट्रहित सर्वोपरि रखने का निर्णय प्रेरणादायी : साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के त्यागपत्र पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि धर्मेंद्र प्रधान ने अपने सार्वजनिक जीवन के प्रत्येक दायित्व का निर्वहन सदैव निष्ठा, ईमानदारी और पूर्ण समर्पण के साथ किया है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में उनकी कार्यशैली, संगठनात्मक क्षमता और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों के दौरान केंद्रीय मंत्री के रूप में धर्मेंद्र प्रधान ने विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विशेष रूप से केंद्रीय शिक्षा मंत्री के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार, तकनीकी एवं उच्च शिक्षा के विस्तार तथा विद्यार्थियों के लिए नए अवसरों के सृजन में उनका योगदान अत्यंत उल्लेखनीय रहा है। अपने पद से त्यागपत्र देने का उनका निर्णय सार्वजनिक जीवन में नैतिक मूल्यों, मर्यादा और सिद्धांतों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता का परिचायक है।

बातचीत की टेबल पर क्या-क्या हुआ?

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह ने शनिवार को सीजेपी के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में सीजेपी के सौरव दास शामिल थे। दोनों पक्षों के बीच बातचीत का तीसरा दौर सकारात्मक रहा। वार्ता के तुरंत बाद सीजेपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर धरना समाप्त करने की घोषणा की। पार्टी ने देश भर से आए प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्वक अपने घर लौटने की अपील की है। सौरव दास ने सरकार से बातचीत की सारी जानकारी साझा की।

सभी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार : नड्डा

जेपी नड्डा ने कहा, 'सीजेपी ने मुझे जो पांच-सूत्रीय चार्टर दिया है, वह शिक्षा परीक्षाओं में सुधार से संबंधित है। इस संबंध में हमारा कहना है कि हम शिक्षा परीक्षाओं में सुधार के लिए आपके चार्टर पर गंभीरता से विचार करेंगे और सीजेपी प्रतिनिधिमंडल से बातचीत के बाद हम जो कुछ भी कर सकते हैं, वह करने का प्रयास करेंगे। मुझे लगता है कि सरकार ने उनकी सभी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया है और उन्हें स्वीकार भी किया है।'

वांगचुक ने बताया 'लोकतंत्र की जीत'

शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक ने भी प्रतिक्रिया दी है। वांगचुक ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- यह लोकतंत्र की जीत है, सीधा लोकतंत्र... जो सड़कों से निकला है। यह शांति, धैर्य और दृढ़ता की जीत है। सीजेपी और देश की 'जेन जी'को बधाई; और उन सभी नागरिकों का धन्यवाद जिन्होंने डर और डर के डर को त्यागकर देश के हर कोने से आवाज उठाई। जवाबदेही से अब सुधार की ओर।

धर्मेंद्र प्रधान बोले- युवा शक्ति ही असली ताकत

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में धर्मेंद्र प्रधान ने अपने इस्तीफे का पत्र जारी किया। जिसमें उन्होंने लिखा- मेरे युवा साथियों, मैं पिछले चार दशकों से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहा हूं। मेरा सदैव यह विश्वास रहा है कि एक सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होती है। उन्होंने कहा, मैं देश के युवाओं की आकांक्षाओं, भावनाओं और उनकी न्यायोचित अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता हूं। भारत की युवा पीढ़ी के सपनों को साकार करना हम सभी के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन का नैतिक संकल्प रहा है।

अब सरकार को हटाने का वक्त आ गया : राहुल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को छात्रों की जीत करार देते हुए कहा कि अब इस सरकार को हटाने का वक्त आ गया है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश के सभी छात्रों से माफी मांगनी चाहिए और छात्रों के खिलाफ कथित बर्बरता के लिए जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। प्रधान के इस्तीफे के बाद संवाददाताओं से बातचीत में गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने छात्रों के विरोध प्रदर्शन को पूरे समर्थन के साथ आगे बढ़ाया और पार्टी भारत के छात्रों की रक्षा तथा देश के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए उनके साथ खड़ी है।

तरकश

संजय के दीक्षित

छत्तीसगढ़ और पेपर लीक

पेपर लीक की बात करें, तो छत्तीसगढ़ के लोगों के भी अनुभव अच्छे नहीं रहे हैं। बात 2010 की है, जब पीएमटी होता था। तखतपुर के एक हॉल में 27 बच्चों को पेपर लीक कर उन्हें आंसर सॉल्व कराया जा रहा था। उनमें मुंगेली निवासी अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री की पोती भी शामिल थी। पुलिस ने छापा मारा मगर बिना किसी ठोक कार्रवाई के केस को रफा-दफा कर दिया गया। उससे पहले 2007 में पीएमटी का टॉपर भी फर्जी निकला था। उसकी जगह दूसरे छात्र ने परीक्षा दी। पुलिस ने मेडिकल स्टूडेंट को गिरफ्तार कर जेल भेजा। मगर केस इतना कमजोर बनाया गया कि कुछ दिन बाद उसकी जमानत मिल गई। और फर्जीवाड़ा करने वाला छात्र डॉक्टरी पास कर आराम से यहां से निकल गया। उधर, 12वीं बोर्ड की टॉपर पोरा बाई को भला कौन नहीं जानता। परीक्षा से पहले ही पोरा बाई को पेपर मिल गए थे। वे घर से किसी और से उत्तर पुस्तिका लिखवा कर लाई और मेरिट में प्रथम स्थान हासिल कर लिया। उसमें भी कुछ खास नहीं हुआ। जेल से छूटकर वह शिक्षिका बन गई। बाकी 2003 और 2021 के पीएसस में क्या हुआ, ये बताने की आवश्यकता नहीं।

दो गए, सात आए

पुलिस महकमे में अफसरों की संख्या इतनी अधिक हो गई है कि अब बैठने के लिए जगह का टोटा पड़ गया है। दरअसल, आईपीएस के ट्रांसफर में दो आईपीएस को फील्ड में शिफ्ट किया गया। बद्री मीणा बस्तर आईजी बनें तो सुनील शर्मा सारंगढ़ एसपी। इन दो अफसरों की जगह सरकार ने सात आईपीएस अधिकारियों को पीएचक्यू बुला लिया। दो आईजी और पांच डीआईजी, एसपी। इनमें बालाजी सोमावार, प्रशांत अग्रवाल, रामकृष्ण साहू, राजेश कुकरेजा, भावना गुप्ता, रवि कुर्रे जैसे आईपीएस शामिल हैं। उसमें भी बद्री मीणा के चेंबर खाली करते ही उसमें संविदा पोस्टिंग वाले सुशील शुक्ला ने कब्जा जमा लिया। अब डीजीपी अरुणदेव गौतम के लिए सिरदर्द हो जाएगा अफसरों को कहां बिठाएं। याने जो हालत मंत्रालय की है, वहीं स्थिति अब पीएचक्यू की होने वाली है।

15 अगस्त को ऐलान

इसी साल 23 जनवरी को देर शाम रायपुर में सूबे के फर्स्ट पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम को आधे-अधूरे ढंग से लागू किया गया था। जाहिर है, रायपुर एयरपोर्ट, कैपिटल सिटी याने नवा रायपुर समेत उरला, उरकुरा जैसे इंडस्ट्रियल इलाका इससे अछूता रह गया था। मगर अब लगता है, सिस्टम के भीतर इस चूक को दुरुस्त करने पर गंभीरता पूर्वक विचार किया जा रहा है। तभी डीजीपी अरुणदेव गौतम ने सरकार को इस संदर्भ में पत्र लिखा है। अब डीजीपी ने खुद से पत्र लिखा या लिखवाया गया, ये अलग विषय है। सवाल है कंप्लीट पुलिस कमिश्रेट बनाने का, तो लगता है 15 अगस्त को सरकार इसका ऐलान कर सकती है, और लगे हाथ बिलासपुर में भी पुलिस कमिश्नरेट बनाने की घोषणा हो सकती है। अंदरखाने की खबर है, विधानसभा चुनाव के पहले तक रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग, तीनों पुलिस कमिश्रेट बन जाएंगे। पोलिसिंग की दिशा में राज्य सरकार का यह बड़ा रिफार्म होगा।

कलेक्टरी, कप्तानी का क्रेज

रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग, छत्तीसगढ़ के टॉप के तीन जिलों में आते हैं। खासकर, कलेक्टरी या एसपी की पोस्टिंग की दृष्टि से इन तीनों जिलों का बड़ा क्रेज रहता है। मगर रायपुर के बाद बिलासपुर और दुर्ग भी पुलिस कमिश्रेट बन गया तो फिर एसपी का पद समाप्त हो जाएगा, कलेक्टरों का रुतबा भी घट जाएगा। विदित है, पुलिस कमिश्नरेट बन जाने के बाद कलेक्टरों के कई अधिकार पुलिस कमिश्नर को शिफ्ट हो जाते हैं। इसलिए, छत्तीसगढ़ ही नहीं, पूरे देश की ब्यूरोक्रेसी इस पक्ष में नहीं रहती कि पुलिस कमिश्नरेट बनाया जाए। मगर वक्त की जरूरत को देखते अधिकांश राज्यों में पुलिस कमिश्रेट सिस्टम का विस्तार प्रारंभ हो गया है।

एसएएस की लिस्ट

राज्य प्रशासनिक सेवा के 19 अधिकारियों का बीते दिनों सरकार ने ट्रांसफर किया। मगर चर्चा है, एक लिस्ट और तैयार हो रही है। दरअसल, राप्रसे अधिकारियों की लिस्ट लंबे समय से प्रतीक्षित थी। सरकार ने ज्यादा ही जरूरी वाले अफसरों का तबादला कर दिया। खासकर लंबे समय वाले जिला पंचायत के कई सीईओ के। चूकि वो लिस्ट कंप्लीट नहीं थी...राप्रसे अफसरों की संख्या 500 से क्रॉस कर गई है, इस दृष्टि से 19 की संख्या कुछ भी नहीं है। लिहाजा, एक बड़ी लिस्ट की अटकलें बड़ी तेज है।

समरथ को नहीं दोष गोसाई

छत्तीसगढ़ में अगर साम्यर्थ है तो कुछ भी असंभव नहीं है। एक राप्रसे अधिकारी ने जनपद सीईओ रहते शिक्षकों के एरियर्स के नाम पर 14 करोड़ रुपए का कांड कर दिया। स्कूल शिक्षा विभाग की जांच रिपोर्ट में स्पष्ट तौर से राप्रसे अधिकारी को दोषी बताया गया। शिक्षाकर्मियों को संविलियन के बाद सरकार ने एरियर्स का कोई प्रावधान नहीं किया था और न ही किसी को दिया गया। मगर सीईओ साब ने मिलीजुली कुश्ती कर कमाल कर दिया...खजाने से 14 करोड़ रुपए गोल कर डाला। खैर, 2022 में इसकी शिकायत हुई मगर कुछ भी नहीं हुआ। सितंबर 2025 में विकास शील चीफ सिकरेट्री बनें तो उनके सामने यह मसला पहुंचा। उन्होंने अर्जेंट जांच करने का आदेश दिया। मगर अफसर की पहुंच देखिए, स्कूल शिक्षा विभाग ने तब तक फाइल को दबाए रखा, जब तक राप्रसे अधिकारी को आईएएस अवार्ड नहीं हो गया। हालांकि, आईएएस बन जाने के बाद भी जांच की फाइल अभी भी कछुआ चाल में रेंग रही है। हो सकता है कि आईएएस के किसी जिले के कलेक्टर बनते तक फाइल रेंगती रह जाए। ये वहीं अफसर हैं, जो एसडीएम रहते एनटीपीसी के जमीन अधिग्रहण में 500 करोड़ का खेला कर दिए थे। सरकार ने न केवल उन्हें सस्पेंड किया था बल्कि कलेक्टर ने अपराध दर्ज कराया था। लंबे समय तक वे फरार रहे। पिछले जीएडी सिकेट्री ने उन्हें बिना जांच क्लीन चिट देने से मना किया तो उनका विकेट उड़ गया। नए सिकेट्री ने विवादित क्लीन चिट दिया और इसका नतीजा यह हुआ कि उन्हें आईएएस अवार्ड हो गया।। बहरहाल, चीफ सिकेट्री दिल्ली से आए या मनीला से, ऐसे साम्यर्थवान अफसरों के खिलाफ कौन कार्रवाई कर सकता है।

संयोग और हार्ड लक

आईएएस में दूसरे नंबर के सबसे सीनियर अफसर सुब्रत साहू और आईपीएस के सबसे वरिष्ठ अधिकारी पवन देव के साथ संयोग ये है कि दोनों न केवल 92 बैच वाले हैं, बल्कि दोनों एक का बर्न भी एक ही मंथ में है। दोनों जुलाई 1968 वाले हैं। जाहिर है, 60 साल के हिसाब से 31 जुलाई 2028 को एक साथ रिटायर होंगे। दोनों अगर चीफ सिकेट्री और डीजीपी बनते तो एक ही दिन सूबे की दोनों शीर्ष कुर्सी वैकेंट हो जाती। खैर, दोनों के साथ हार्ड लक ये रहा कि दोनों राज्य के सबसे बड़े चेयर पर बैठने से चूक गए। सुब्रत साहू मुख्य सचिव बनते-बनते रह गए। उधर, पवन देव के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। बैचवाइज देखें तो 92 बैच में पवनदेव नंबर वन पर हैं। उनके बाद अरुणदेव गौतम आते हैं। मगर हाथ की लकीरों का खेल है। सुब्रत इस समय राजस्व बोर्ड के चेयरमैन हैं तो पवनदेव पिछले साढ़े छह साल से पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन में बैठे हैं। हालांकि, पुलिस महकमे में ऐसा नहीं कि डीजी लेवल के और पद नहीं हैं। मगर फिर वही, बात मुकद्दर की...। हथेली की रेखाएं अगर बदलेगी तो सिस्टम का ध्यान अपने आप उनके तरफ चला जाएगा।

रेपिस्ट बाबा, शिष्य कुलपति

राजधानी रायपुर में पिछले दिनों एक बाबा खम्हारडीह पुलिस के हत्थे चढ़ गए। उन पर आरोप है कि उन्होंने तंत्र-मंत्र का झांसा देकर अनेक महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया। बाबा की गिरफ्तारी के बाद रायपुर के एक बड़ी यूनिवर्सिटी के कुलपति मुंह छिपाते फिर रहे हैं। असल में, विद्वान कुलपति को बाबा पर इतना विश्वास था कि दो खोखा देने के बाद भी उन्हें लगता था कि बाबा के चलते ही कुलपति बन पाए। सो, बाबा के साथ फेसबुक पर उनकी फोटुएं अटी पड़ी हुई थी। कभी पत्नी के साथ बाबा के पांव पखारते, तो कभी उनके चरणों को पकड़े हुए। मगर उनकी आस्था तब खतरे में पड़ गई, जब पुलिस ने बाबा के स्कैंडल का भंडाफोड़ कर दिया। लानत है, समाज में पढ़े-लिखे विद्वान माने जाने वाले कुलपति साहबान अंधभक्ति में बाबाओं को नहीं पहचान पाते, तो फिर विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को क्या समझेंगे?

आईएएस का डबल डिमोशन?

आईएएस संतोष देवांगन का ग्रह-नक्षत्र ऐसा बिगड़ा कि दो महीने में डबल डिमोशन हो गया। एक तो उन्हें दो महीने में ही कलेक्टरी से हटाकर मंत्रालय भेज दिया गया और दूसरा, यहां से जब कलेक्टर बन जीपीएम गए थे, तब वे हायर एजुकेशन में कमिश्नर थे और अब उन्हें स्कूल शिक्षा में स्पेशल सिकेट्री पोस्ट किया गया है। याने हायर एजुकेशन से स्कूल एजुकेशन। हालांकि, पोस्टिंग की दृष्टि से इसे डिमोशन नहीं माना जाता...हायर एजुकेशन से ज्यादा पूछपरख वाला विभाग स्कूल एजुकेशन माना जाता है। मगर इसे डिमोशन बता चुटकी लेने से लोगों का मुंह कैसे बंद किया जा सकता है।

जूनियर को सैल्यूट

पिछले दिनों आईपीएस के ट्रांसफर हुए। उसमें एक केस ऐसा आया, जिसमें सीनियर अफसर अब अपने से दो बैच जूनियर को रिपोर्ट करेगा। बात छत्तीसगढ़ आर्म्स फोर्स की कर रहे हैं। दरअसल, 2010 बैच के आईपीएस शंकर बघेल 16वीं बटालियन के कमांडेंट हैं। उनके उपर 2012 बैच की श्वेता राजमणि को आर्म्स फोर्स का डीआईजी बनाया गया है। ऐसे में, बघेल की स्थिति समझी जा सकती है...उन्हें अब श्वेता को सैल्यूट ठोकना पड़ेगा।

एमडी की नियुक्ति और मुश्किलें

फॉरेस्ट में दो अहम नियुक्तियां होनी है। वन विकास निगम के एमडी प्रेम कुमार और लघु वनोपज संघ से अनिल साहू 31 जुलाई को रिटायर हो जाएंगे। इसमें प्रश्न यह नहीं कि दो शीर्ष अफसर सेवानिवृत्त होने वाले हैं। मसला ये है कि सरकार के पास विकल्प का टोटा है। ये दोनों पद पीसीसीएफ लेवल का है और इस स्तर के अफसर हैं नहीं। अगर एडिशनल पीसीसीएफ लेवल की बात करें तो उसमें भी कमोवेश यही स्थिति है। देखना है, अब सरकार संजीता गुप्ता और अमरनाथ प्रसाद में से विकल्प ढूंढती है या इन दोनों संस्थाओं को और जूनियर अफसरों के हवाले करती है।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. किस जिले के कलेक्टर दोनों हाथ से पैसा कमाने और अपने प्रेयसी पर लुटाने के लिए कुख्यात होते जा रहे हैं?

2. सरगुजा और सुकमा में कप्तानी और राजभवन में एडीसी रहने के बाद भी आईपीएस सुनील शर्मा को सारंगढ़ जैसे नए और छोटे जिले का एसपी क्यों बनाया गया?

कोल, शराब घोटाला में राम गोपाल अग्रवाल, ओवरटाइम फर्जीवाड़ा में एपी त्रिपाठी जेल दाखिल

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

कोल तथा शराब घोटाला के आरोप में गिरफ्तार कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल तथा ओवर टाइम भुगतान घोटाला के आरोप में गिरफ्तार अरुण पति त्रिपाठी को ईओडब्लू ने ईओडब्लू, एसीबी की स्पेशल कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने अग्रवाल को 12 तथा त्रिपाठी को 14 दिनों की न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने का फैसला सुनाया है। जेल भेजे जाने से पूर्व रामगोपाल अग्रवाल से मिलने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित कांग्रेस के कई सीनियर नेता कोर्ट पहुंचे।

कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष 12 तथा त्रिपाठी 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर, ईओडब्लू ने दोनों आरोपियों को स्पेशल कोर्ट में पेश कर किया जेल दाखिल

पूर्व मुख्यमंत्री ने मीडिया से चर्चा करते हुए जांच एजेंसी तथा केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं को राजनीतिक रूप से बदनाम करने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। बघेल ने आरोप लगाया कि विपक्ष के नेताओं को चुन-चुनकर निशाना बनाया जा रहा है और यह पूरी कार्रवाई राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित है। इधर जांच एजेंसी ने कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष को कोर्ट में पेश करते हुए उन पर गंभीर आरोप लगाया है। आरोपों के मुताबिक शराब, कोल लेवी और कस्टम मिलिंग घोटाला से जुड़े लेन-देन की राशि को ठिकाने लगाने और वित्तीय लेन-देन में रामगोपाल की प्रमुख भूमिका रही है। एजेंसी का कहना है कि मामले में अभी कई अहम पहलुओं की जांच जारी है और आर्थिक लेन-देन की कड़ियों को खंगाला जा रहा है।

त्रिपाठी 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल

छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन (सीएसएमसीएल) के 172 करोड़ रुपए के ओवरटाइम घोटाला के आरोप में पिछले सप्ताह गिरफ्तार पूर्व प्रबंध संचालक (एमडी) अरुण पति त्रिपाठी की पुलिस रिमांड समाप्त होने पर उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। सुनवाई के दौरान जांच एजेंसी ने आरोपी की रिमांड नहीं मांगी। इसके बाद कोर्ट ने उन्हें सात अगस्त तक की न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने का आदेश दिया। मामले में ईओडब्ल्यू की जांच जारी है और घोटाले से जुड़े वित्तीय दस्तावेजों की पड़ताल की जा रही है।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

ग्रामीणों ने पुल-पुलिया के लिए सरकार का मुंह ताकते रहने के बजाय अपनी दिक्कत से छुटकारा पाने के लिए खुद उद्यम किया और आज उनका गांव या आसपास के कई अन्य गांवों के लोग बरसात में भी मजे से आना-जाना कर रहे हैं। वरना थोड़ी बारिश हुई कि पुल क्षतिग्रस्त होने की वजह से उनका गांव हफ्तों तक शहर से कट जाता था या 10-15 किलोमीटर अधिक रास्ता तय करना पड़ता था। ग्रामीणों ने खुद अपनी समस्या से छुटकारा पाने की राह निकाली यानी जहां चाह वहां राह।

जगदलपुर- राजेश दास/नारायणपुर- शेख महिमुद्दीन/ बलौदाबाजार-दलजीत सिंह चावला/ मोहला- एनिश पुरी गोस्वामी और कसडोल-गणेशशंकर साहू की विशेष रिपोर्ट

बच्चों का भविष्य संवारने श्रमदान कर टूटे पुल के नीचे से निकाला रास्ता

जहां चाह, वहां राह....मुंह ताकने के बजाय गांव वालों ने खुद निकाला 'रास्ता'

अबूझमाड़ में आईटीबीपी ने 250 फीट लंबा सस्पेंशन ब्रिज बनाकर राह की आसान

नारायणपुर। पूर्व में नक्सल प्रभावित एवं दुर्गम क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और स्थानीय नागरिकों के सुरक्षित आवागमन को सुनिश्चित करने की दिशा में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) की 38वीं वाहिनी ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। जाटलूर नाला पर निर्मित 250 ▶▶|शेष पेज 6 पर

गुहार लगाकर थक चुके तो ग्रामीणों ने लकड़ी से बनाया पुल

मोहला। मानपुर विकासखंड के खुरसेखुर्द और सहपाल के बीच नाले में पुल निर्माण को लेकर आवेदन निवेदन कर थक चुके ग्रामीणों ने बास बल्ली से निर्मित पुल ढांचा तैयार कर आवागमन कर रहे हैं। इसी तरह खडगांव तहसील के जक्के पदभर्री के बीच खडका नाला में पुल की जर्जर स्थिति के कारण ग्रामीण आज भी बांस के टाट के सहारे नदी पार करने को मजबूर हैं। सुरक्षित पुल की व्यवस्था नहीं होने से रोजाना स्कूली बच्चों, किसानों और आम लोगों को जान जोखिम में डालकर आवागमन करना पड़ता है। इसी दौरान हुए ▶▶|शेष पेज 6 पर

हरिभूमि खास

खुद के खर्च से बना दिया 65 फीट लंबा पुल

कसडोल। कसडोल से 30 कि.मी. दूर महानदी के तट पर बसे आदिवासी बाहुल्य ग्राम दौनाझर व घिरघोल के ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन को आईना दिखाते हुए अपने मेहनत तथा आपस में चंदा एकत्र कर गांव के नजदीक पुटपुरा (पिपरछेड़ी) नाला में 65 फीट लम्बा, 20 फीट चौड़ा और 2 फीट मोटा कुल 8 लाख रुपए खर्च कर पुलिया का निर्माण कर लिया है। ग्रामीणों के इस पहल ने लोगों को जहां चाह वहां राह का संदेश दिया है। ग्रामवासियों की एकता, आपसी सामंजस्य से बड़े से बड़ा काम किया जा सकता है। बीते दिनों ग्रामीणों ने नवनिर्मित ▶▶|शेष पेज 6 पर

छह साल से जर्जर पुलिया की ग्रामीणों ने खुद कराई मरम्मत

बलौदाबाजार। जहां चाह, वहां राह—इस कहावत को बलौदाबाजार जिले के वनांचल क्षेत्र के सैयाभाठा गांव के ग्रामीणों ने साकार कर दिखाया है। बालमदेई नदी पर बनी पुलिया पिछले लगभग छह वर्षों से जर्जर स्थिति में थी। पुलिया क्षतिग्रस्त होने से बरसात के दिनों में ग्रामीणों का आवागमन बेहद कठिन हो जाता था। कई बार वन विभाग, जनप्रतिनिधियों और प्रशासन से पुलिया के पुनर्निर्माण की मांग की गई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। आखिरकार ग्रामीणों ने स्वयं आगे आकर जनसहयोग और श्रमदान के माध्यम से ▶▶|शेष पेज 6 पर

जान जोखिम में डालकर बच्चे जाते थे स्कूल

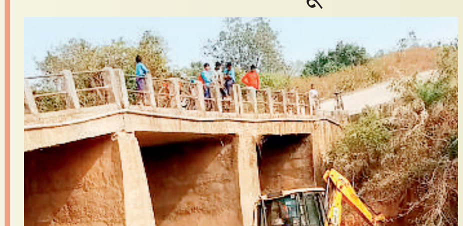

जगदलपुर। जिला मुख्यालय से लगभग 30 किमी दूर चितापुर व धुरवारास के बीच बने विशाल पुल के दो टुकड़े होने व ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों के लगातार पुल निर्माण की मांग के बावजूद पुल नहीं बनाने से नाराज ग्रामीणों ने बच्चों के भविष्य को देखते हुए श्रमदान कर टूटे पुल के नीचे से मार्ग निर्माण कर दिया। अब इसी मार्ग से बच्चे व ग्रामीण आवाजाही कर रहे हैं। ▶▶|शेष पेज 6 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

पीएम विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम में करेंगे संवाद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को 'विकसित वाइब्रेंट विलेज' (वीवीवी) कार्यक्रम-2026 के प्रतिभागियों से डिजिटल माध्यम से संवाद करेंगे।

इस कार्यक्रम में लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के 74 वाइब्रेंट गांवों को शामिल किया गया है। विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम को 'माय भारत' के माध्यम से लागू किया जा रहा है।

ड्रोन देखे जाने के बाद तलाशी अभियान शुरू

जम्मू। जम्मू कश्मीर के सांबा और कठुआ जिलों में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन देखे जाने के बाद सुरक्षा बलों ने शनिवार को व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। सेना के जवानों ने शुक्रवार देर रात सांबा के विजयपुर इलाके के अग्रिम गांव तरोर के हवाई क्षेत्र में एक वस्तु देखी, जिसके पाकिस्तानी ड्रोन होने का संदेह है। इसके बाद तत्काल ड्रोन-रोधी उपाय सक्रिय कर दिए गए।

मप्र ने 20 आईएएस के किए तबादले

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने मुख्य सचिव अशोक बर्नवाल के कार्यभार संभालने के बाद बड़े प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 20 भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों का तबादला किया है।

मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई को वैश्विक निवेश सम्मेलन (जीआईएस)-2027 के आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कार के बांध में गिरने से पांच लोगों की मौत

राजगढ़। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में एक तेज रफ्तार कार के बांध में गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई।

यह हादसा राजगढ़ जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर खुजनेर थानाक्षेत्र में भीलखेड़ी मोड़ के पास हुआ। कार पचोर से खुजनेर की ओर जा रही थी। जिन लोगों की जान गयी है, वे पड़ोसी शाजापुर जिले के अरन्या गांव के रहने वाले थे। पुलिस ने लोगों की मदद से राहत अभियान शुरू किया और बांध से डूबी हुई गाड़ी को बाहर निकाला।

गुजरात-असम में कहर, छत्तीसगढ़ समेत 18 राज्यों में होगी बारिश, चलेगी तेज हवा

असम से गुजरात तक बारिश-बाढ़ का कहर जारी है। महाराष्ट्र में थोड़ी राहत मिली है और राजस्थान में मेघ मेहरबान हुए हैं। असम में बाढ़ से 61 लोगों की मौत हो गई है, जबकि नौ जिलों में सात लाख से अधिक प्रभावित हैं। इस बीच, मौसम विभाग ने अगले 12 घंटे के भीतर छत्तीसगढ़ समेत 18 राज्यों में भारी बारिश, आंधी और वज्रपात का अलर्ट जारी किया है। कई इलाकों में 80 किमी/घंटा तक की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी है।

- असम में बाढ़ से 61 की मौत, 7 लाख से अधिक प्रभावित
- यूपी, बिहार, दिल्ली समेत कई राज्यों में आंधी-व्रजपात का अलर्ट
- पहाड़ी राज्यों में भूस्खलन और अचानक बाढ़ का खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

देशभर में मानसून पूरी तरह सक्रिय है और कई राज्यों में भारी बारिश लोगों के लिए मुसीबत बन गई है। असम में 24 घंटे में 14 लोगों की मौत हुई है। चराइदेव, धेमाजी, डिब्रूगढ़, गोलाघाट, होजाई, जोरहाट, कार्बी आंगलोंग, नागांव और शिवसागर जिले बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित हैं। सेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ), अग्निशामक एवं आपातकालीन सेवा, पुलिस और अन्य एजेंसियां लोगों को बचाने, भोजन के पैकेट और दवाइयां पहुंचाने में लगी हैं। अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने पड़ोसी राज्य ▶▶|शेष पेज 6 पर

दो की मौत, 40 हजार से ज्यादा सुरक्षित स्थान पर

गुजरात के अहमदाबाद के ढोलका तालुका में बाढ़ में फंसे 103 लोगों को एनडीआरएफ की टीम ने सुरक्षित निकाला। वहीं, एक अन्य ऑपरेशन में नवसारी जिले के गांवों से 120 लोगों को बचाया। यहां से दो शव बरामद हुए हैं। भारी बारिश के बाद 40 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। बाढ़ का पानी कम होने के साथ ही फसल, घरों और सार्वजनिक संपत्तियों को हुए नुकसान का सर्वे किया जा रहा है। कीटनाशकों का छिड़काव किया जा रहा है।

तटरक्षकबल ने बचाए 170 लोग

मानसून के सीजन में दमन, दादरा-नगर हवेली और दक्षिण गुजरात में आई भंयकर बाढ़ के बीच तटरक्षकबल द्वारा बड़े पैमाने पर चलाए गए राहत-बचाव अभियान के जरिए कुल 170 लोगों को सुरक्षित बचाया गया है। समूचे इलाके में बल ने कुल 11 अभियान चलाए। जिन्हें प्रतिकूल मौसम, हेलीकॉप्टरों, नौकाओं की मदद से अभियान चलाया।
के साथ पूरा किया गया। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि बचाव अभियान की वास्तविक रूप में शुरुआत 22-23 जुलाई की रात को हुई थी। जिसमें खानवेल और सिलवासा जैसे इलाकों में फंसे हुए 5 लोगों को सुरक्षित बचाया गया। फिर कदैय्या तटीय क्षेत्र में बाढ़ से प्रभावित नदी के किनारे मुश्किल हालात में फंसे हुए 3 मछुआरों को तटरक्षकबल ने सुरक्षित बाहर निकाला।

अमरनाथ यात्रा छह दिन बाद फिर शुरू

जम्मू/श्रीनगर। वार्षिक अमरनाथ यात्रा खराब मौसम के कारण छह दिन तक स्थगित रहने के बाद शनिवार को पहलगाम और बालटाल, दोनों मार्गों से फिर शुरू हो गई तथा 6,000 से अधिक तीर्थयात्री जम्मू से कश्मीर के लिए रवाना हुए। अनंतनाग जिले के 48 किलोमीटर लंबे पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले के 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग पर लगातार बारिश तथा खराब मौसम के कारण यात्रा 19 जुलाई को एहतियातन स्थगित कर दी गई थी। ये दोनों मार्ग 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित गुफा मंदिर तक जाते हैं। मौसम में सुधार और जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग फिर से खुलने के बाद यात्रा बहाल की गई। उधमपुर-रामबन मार्ग पर कई स्थानों पर भूस्खलन और पहाड़ों से पत्थर गिरने के कारण राजमार्ग तीन दिन तक बंद रहा था। शनिवार सुबह हल्की बारिश के बीच सैकड़ों तीर्थयात्री बालटाल और पहलगाम आधार शिविरों से गुफा मंदिर के लिए रवाना हुए।

जन्मदिन मनाने गए दो बच्चे शिवनाथ में बहे, एक का शव मिला, दूसरे की तलाश जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

- एसडीआरएफ कर रही है खोजबीन
- आठ दोस्त गए थे जन्म दिन की पार्टी मनाने

शिवनाथ नदी में जन्म दिन की पार्टी मनाने गए बच्चों में एक की डूबने से मौत होने का मामला सामने आया है। दूसरे बच्चे की तलाश की जा रही है। घटना छातागढ़ स्थित पीपरछेड़ी गनियारी शिवनाथ नदी के पास की है। 25 जुलाई को उरला निवासी आठ दोस्त पार्टी मनाने नदी किनारे गए हुए थे। शाम करीब 4 बजे 14 वर्षीय बालक रेहान खान और 12 वर्षीय आरव नदी में नहाने के लिए उतरे। दोनों गहरे पानी और तेज बहाव की चपेट में आकर बह गए। किनारे मौजूद एक दोस्त ने दोनों को बचाने का काफी प्रयास किया। लेकिन तेज बहाव के कारण बचा नहीं पाया। दोनों बालक नदी में बह गए। एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू शुरू नहीं कर सकी। शनिवार सुबह 6 बजे से सर्च ऑपरेशन चलाया गया। दो घंटे ▶▶|शेष पेज 6 पर

सीजीपीएससी गड़बड़ी का मामला

सीबीआई के बाद अब ईडी ने सोनवानी को किया गिरफ्तार

- मनी लांड्रिंग सामने आने पर ईडी ने किया गिरफ्तार
- पूछताछ करने मिली सात दिन की पुलिस रिमांड

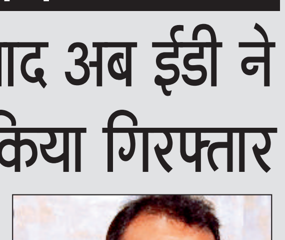

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सीजीपीएससी गड़बड़ी प्रकरण में सीबीआई के बाद अब ईडी की एंट्री हो गई है। जांच एजेंसी ने सीजीपीएससी के पूर्व चेयरमैन टामन सोनवानी को शनिवार को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार कर उन्हें पीएमएलए कोर्ट में पेश कर पूछताछ करने पुलिस रिमांड के लिए आवेदन पेश किया। कोर्ट ने पूछताछ करने सात दिनों 31 जुलाई तक की पुलिस रिमांड स्वीकृत की है।

सीजीपीएससी भर्ती घोटाला में मनी लांड्रिंग पाए जाने पर ईडी ने टामन सोनवानी को गिरफ्तार किया है। टामन सोनवानी फिलहाल जेल में बंद हैं। सूत्रों के मुताबिक ▶▶|शेष पेज 6 पर

हरिभूमि फॉलोअप

पूरा मामला यह है

वर्ष 2020 से 2022 के बीच हुई सीजीपीएससी भर्ती प्रक्रिया से जुड़ा मामला है। आरोप है कि आयोग की परीक्षाओं और इंटरव्यू में पारदर्शिता की अनदेखी कर राजनीतिक और प्रशासनिक रसूख वाले परिवारों के उम्मीदवारों को उच्च पदों पर चयनित किया गया। इस दौरान योग्य अभ्यर्थियों की अनदेखी कर डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी और अन्य राजपत्रित पदों पर अपने नजदीकी लोगों को पद दिलवाने का आरोप है। प्रदेश सरकार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच सीबीआई को सौंपी। जांच एजेंसी ने आपत्तिजनक साक्ष्य बरामद किए हैं। भर्ती घोटाले में सीबीआई द्वारा दायर चार्जशीट के अनुसार कुल 29 लोगों को आरोपी बनाया गया है।

अब तक की जांच में यह तथ्य सामने आए

सीबीआई जांच में जो तथ्य सामने आए हैं, उनके मुताबिक टामन ने परीक्षा के पर्चे अपने घर पर अपने रिश्तेदार साहिल, नीतेश, निशा कोसले और दीपा आदिल को दिए। इसके बाद उप परीक्षा नियंत्रक ललित गणवीर ने लीक हुआ पेपर बजरंग पावर एंड इस्पात कंपनी के डायरेक्टर श्रवण गोयल को सौंपा। श्रवण के बेटे शशांक और बहू भूमिका ने इसी लीक पेपर से परीक्षा की तैयारी की। परिणामस्वरूप दोनों ▶▶|शेष पेज 6 पर

कॉमनवेल्थ गेम्स : झंडू ने दिलाया पहला मेडल, जीता ब्रॉन्ज

ग्लासगो। भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में अपना खाता खोला है। पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने ग्लासगो में पुरुषों की हेवीवेट कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीता। नाइजीरिया के रिलुवान इदरीस के अपने आखिरी प्रयास में 212 किलो का वजन उठाने में नाकाम रहने के बाद झंडू कुमार का मेडल पक्का हो गया, जो भारत का पहला मेडल है। पोलिया और पैसों की तंगी से जूझने वाले 28 साल के इस खिलाड़ी ने 181 किलोग्राम और 190 किलोग्राम के सफल लिफ्ट के बाद 130 .9 अंक जुटाए। वह आखिरी प्रयास में 196 किलोग्राम का वजन नहीं उठा पाए। भारतीय बॉक्सर जदुमणि सिंह ने पुरुषों की 55 किलोग्राम स्पर्धा में जीत के साथ शुरुआत की। उन्होंने राउंड ऑफ 32 में स्कॉटलैंड के एरॉन कलन को एकमत से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जहां उनका सामना पाकिस्तान की सुमामा रहमान से होगा।

संघ प्रमुख की सलाह

बच्चों को प्यार दें, उनके सवालों का जवाब दें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि जब युवा असफल होते हैं, तो उन्हें आलोचना के बजाय भावनात्मक सहारे की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि संस्कार भाषणों से नहीं सिखाए जा सकते, बल्कि माता-पिता और बड़ों के आचरण को देखकर ही उन्हें अपनाया जाता है। भागवत ने कहा, आजकल 'आईक्यू' और 'ईक्यू' की बात होती है। ▶▶|शेष पेज 6 पर

अगर बच्चा फेल हो जाए

भागवत ने कहा, अगर कोई बच्चा परीक्षा में फेल हो जाता है, तो उसे पहले से ही पता होता है कि वह फेल हो गया है। इसे बार-बार दोहराने की जरूरत नहीं है। इसके बजाय, बच्चे को यह महसूस कराया जाना चाहिए कि कोई उसके साथ खड़ा है। माता-पिता को कहना चाहिए, 'चिंता मत करो। हम तुम्हारे साथ हैं।

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में सारनाथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भगवान बुद्ध की प्रथम धर्मदेशना स्थली सारनाथ को आखिरकार यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कर लिया गया। दक्षिण कोरिया के बुसान में आयोजित यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र में शनिवार को यह ऐतिहासिक घोषणा की गई। करीब 28 वर्षों के इंतजार के बाद मिली इस मान्यता के साथ सारनाथ भारत का 45वां और उत्तर प्रदेश का चौथा यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल बन गया है। इससे उत्तर प्रदेश की बौद्ध विरासत को वैश्विक पहचान मिलने के साथ पूर्वांचल के धार्मिक पर्यटन को भी नई गति मिलने की उम्मीद है।

बौद्ध धर्म सारनाथ क्यों महत्वपूर्ण?

सारनाथ, वह पावन धरती है जहां भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद मानवता को अपना प्रथम उपदेश देकर 'धर्मचक्र प्रवर्तन' का शुभारंभ किया था। आज यह विश्व धरोहर के रूप में विशिष्ट पहचान प्राप्त कर चुका है। बौद्ध धर्म के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों में शामिल सारनाथ को प्राचीन बौद्ध ग्रंथों में 'ऋषिपत्तन' के नाम से वर्णित किया गया है। यही वह ऐतिहासिक स्थल है जहां भगवान बुद्ध ने अपने पहले पांच शिष्यों को धर्म का उपदेश देकर करुणा, शांति और मध्यम मार्ग का संदेश समस्त मानवता तक पहुंचाया।

48वें सत्र की बैठक में निर्णय

यह निर्णय दक्षिण कोरिया के बुसान में जारी संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र की बैठक के दौरान लिया गया। यूनेस्को ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में नया नामांकनः प्राचीन बौद्ध स्थल सारनाथ, भारत।

हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण: मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हर भारतीय के लिए यह गर्व का क्षण है। उत्तर प्रदेश के सारनाथ को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किए जाने पर मैं काफी प्रसन्न हूं। उन्होंने कहा कि सारनाथ का भगवान बुद्ध से गहरा संबंध है, जिनका ज्ञान, करुणा और सद्भाव का शाश्वत संदेश आज भी पूरी दुनिया को प्रेरित करता है। प्रधानमंत्री ने कहा, यह सम्मान भारत की समृद्ध सभ्यतागत और आध्यात्मिक विरासत का उत्सव है।

पड़ोसी देश पाकिस्तान के विरुद्ध 3 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध शुरू हुआ था। भारत ने 26 जुलाई 1999 को इस पर निर्णायक सैन्य विजय हासिल की। इसी परिप्रेक्ष्य में आज हम कारगिल विजय को याद कर रहे हैं। कारगिल विजय दिवस केवल अतीत के शौर्य का स्मरण करने का अवसर नहीं, यह भविष्य की चुनौतियों को समय रहते पहचानने और उनसे निपटने की प्रेरणा भी देता है। कारगिल में दुश्मन ने पहाड़ों की ऊंचाइयों का सहारा लिया था, जबकि आज वही चुनौती समुद्र की गहराइयों में दिखाई दे रही है। हालांकि इन बदलती परिस्थितियों से भारत पूरी तरह सजग है। भारतीय नौसेना लगातार अपनी समुद्री क्षमता का आधुनिकीकरण कर रही है। स्वदेश निर्मित कलवरी श्रेणी की आधुनिक पनडुब्बियां नौसेना की ताकत बढ़ा रही हैं। 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी विनिर्माण को बहुत बढ़ावा मिला है। यही वजह है कि वित्त वर्ष 2024-25 में कुल रक्षा उत्पादन 1.5 लाख करोड़ से अधिक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। जहां तक भारत के उत्पाद की बात है तो अब स्वदेशी रूप से ब्रह्मोस मिसाइल, आर्टिलरी गन और रडार जैसे 65 प्रतिशत से ज्यादा महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों का घरेलू स्तर पर निर्माण हो रहा है। ***इन्हीं तैयारियों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

अब पाक सरहद पर पुख्ता सुरक्षा तैयारियां

विश्लेषण
प्रभात कुमार राय
वरिष्ठ स्तंभकार

पाकिस्तान के विरुद्ध 3 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध का आगाज हुआ था। इसका समापन भारत की निर्णायक सैन्य विजय के साथ 26 जुलाई 1999 को संपन्न हुआ। भारत को आखिरकार कारगिल युद्ध क्यों लड़ना पड़ा? कारगिल युद्ध में भारत सेना के 527 सैनिक और अधिकारी शहीद हुए और तकरीबन 1500 से अधिक सैनिक बुरी तरह से जख्मी हुए थे। कारगिल युद्ध के बुनियादी कारणों की जांच पड़ताल अंजाम दी गई तो नतीजा सामने आया कि भारत-पाक सरहद पर सैन्य सर्विलांस की काफी कुछ कमी कायम बनी रही थी। सौभाग्य से तोशी नामग्याल नाम के एक शैफर्ड द्वारा भारतीय सरहदी क्षेत्र में पाक घुसपैठ की सूचना भारतीय सेना को तत्काल प्रदान की गई। शैफर्ड ताशी नामग्याल का एक याक गुम हो गया था, उसी को ढूंढते हुए उसने सरहद के कुछ सैन्य बंकरों में सैन्य हलचल देखी। ज्ञात हुआ कि बटालीक पहाड़ियों के भारतीय सैनिक बंकरों पर पाक सैनिकों ने आधिपत्य स्थापित कर लिया गया।

कारगिल युद्ध के तत्पश्चात भारतीय सरहद पर सर्विलांस के लिए बहुत ही शानदार और प्रखर इंतजामात भारतीय सेना द्वारा अंजाम दिए गए हैं। भारतीय सरहद की निरंतर निगरानी रखने के लिए भारतीय वायु सेना के ड्रोन लगातार उड़ानें भरते रहते हैं। सरहद पर मिलिट्री इंटेलिजेंस सेटअप को अत्यंत शक्तिशाली बनाया गया। भारत का डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन- डीआरडीओ 1958 में स्थापित किया गया था। उस वक्त डीआरडीओ के पास केवल 10 प्रयोगशालाएं थी। आज के दौर में डीआरडीओ के पास तकरीबन 50 से अधिक प्रयोगशालाएं हैं।

आजकल डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं में तकरीबन 5000 वैज्ञानिक और 25000 तकनीशियन कार्यरत हैं। सर्वविदित है कि प्रारम्भिक काल में भारत को अपनी सैन्य रक्षा उपकरणों और सामग्री के लिए काफी हद तक तत्कालीन सोवियत रूस पर निर्भर रहना पड़ा था। भारत द्वारा बड़े पैमाने पर फ्रांस, इजराइल और अमेरिका से भी सैन्य अस्त्र-शस्त्र आयात किए जाते रहे हैं।

कारगिल युद्ध में भारत सेना के 527 सैनिक और अधिकारी शहीद हुए और तकरीबन 1500 से अधिक सैनिक बुरी तरह से जख्मी हुए थे। कारगिल युद्ध के बुनियादी कारणों की जांच पड़ताल अंजाम दी गई तो नतीजा सामने आया कि भारत-पाक सरहद पर सैन्य सर्विलांस की काफी कुछ कमी कायम बनी रही थी। युद्ध के तत्पश्चात भारतीय सरहद पर सर्विलांस के लिए बहुत ही शानदार और प्रखर इंतजामात भारतीय सेना द्वारा अंजाम दिए गए हैं। भारतीय सरहद की निरंतर निगरानी रखने के लिए भारतीय वायु सेना के ड्रोन लगातार उड़ानें भरते रहते हैं। सरहद पर मिलिट्री इंटेलिजेंस सेटअप को अत्यंत शक्तिशाली बनाया गया है। डीआरडीओ के पास 10 की अपेक्षा आज तकरीबन 50 से अधिक प्रयोगशालाएं हैं।

देश ने आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ाए कदम

कारगिल युद्ध के तत्पश्चात विगत दो दशकों से भारत द्वारा अत्यंत शक्तिशाली ढंग से सैन्य अस्त्र-शस्त्रों के निर्माण में आत्मनिर्भरता की तरफ कदम बढ़ाए गए। डीआरडीओ द्वारा कॉम्बैट ड्रोन का निर्माण करने की दिशा में बड़ा वैज्ञानिक कारनामा अंजाम दिया गया। तेजस एयर जेट लड़ाकू विमानों का भारत में बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू किया गया। डीआरडीओ द्वारा हाइपरसोनिक मिसाइल्स का निर्माण संभव हुआ। भारत में बैलिस्टिक मिसाइल्स का भी निर्माण प्रारंभ किया गया। रूस द्वारा प्रदत्त सैन्य तकनीक से भारत में ही ब्रह्मोस मिसाइलों का निर्माण किया गया। अग्नि मिसाइलों का निर्माण किया गया। आकाश मिसाइलों का निर्माण किया गया। नाग मिसाइलों का निर्माण किया गया। डीआरडीओ का मूल मंत्र है- बलस्य मूलम् विज्ञानम् अर्थात शक्ति की बुनियाद में विज्ञान निहित है। इस वर्ष के बजट में डीआरडीओ को तकरीबन 25000 करोड़ का बजट प्रदान किया गया है। डीआरडीओ द्वारा खोजी गई वैज्ञानिक तकनीकों को इस्तेमाल करके आत्मनिर्भर भारत द्वारा आधुनिकतम अस्त्र शस्त्रों का निर्माण करके युद्ध मैदान के लिए निर्मित किया जाता है। सैन्य अस्त्र शस्त्रों का निर्माण मुख्यतः हिंदुस्तान एरॉनोटिक लिमिटेड, बीइएल, एडीए, एल एन्ड टी, टाटा एडवांस और भारत फोर्ज द्वारा किया जाता रहा है।

जापान संग सैन्य सुरक्षा सहयोग

भारत द्वारा अमेरिका के कूटनीतिक दबाव का प्रबल मुकाबला करते हुए मिसाइल डिफेंस प्रणाली एस 400 का निर्माण रूस के तकनीकी सहयोग से भारत में ही किया गया है। समुद्र के भीतर 6000 मीटर नीचे चलने वाली पनडुब्बी अरिहंत को हाल ही में न्यूक्लियर अस्त्रों से लैस किया गया है। एएसटीआरए मिसाइल का निर्माण भी भारत में ही किया जा रहा है। हाल ही में जब जापान की प्रधानमंत्री भारत पधारी, भारत और जापान के मध्य एक रक्षा समझौता अंजाम दिया गया। चीन के विस्तारवाद का मुकाबला करने के लिए जापान द्वारा अब पुनः एक सैन्य शक्ति बन जाने का निर्णय किया गया है। अमेरिका के सुरक्षा अंब्रेला से जापान का विश्वास पूरी तरह उठ चुका है। विश्व युद्ध के बाद जापान ने सैन्य शक्ति के रूप में अपना अस्तित्व समाप्त कर दिया था। किंतु एशिया में उत्पन्न हुए हालात को देखते हुए जापान ने अब फिर से सैनिक शक्ति बन जाने की तरफ अपने कदम बढ़ा दिए हैं। भारत के साथ जापान का सैन्य सुरक्षा सहयोग यकीनन एशिया में एक नया सुरक्षी आयाम स्थापित करेगा। विश्व पटल पर अरब देशों के पश्चात, भारत सबसे अधिक सैन्य अस्त्र शस्त्रों को आयात करने वाला राष्ट्र रहा है।

अस्त्र-शस्त्रों का निर्यात

अब तस्वीर शनैः शनैः बदल रही है, क्योंकि भारत अस्त्र-शस्त्रों के निर्यात वाला देश के तौर पर उभर रहा है। फिलिपींस और दक्षिण कोरिया के साथ ही दक्षिण एशिया के अनेक देश भारतीय अस्त्र-शस्त्रों को आयात करने के लिए तत्पर हैं। अस्त्र शस्त्रों के निर्यात में अब भारत वस्तुतः एशिया के देशों में चीन के विकल्प के तौर पर उभर रहा है। भारतीय सेना विश्व की चौथी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति है। भारतीय सेना के पास आजकल विश्व श्रेष्ठतम अस्त्र शस्त्र विद्यमान है। भारतीय सेवा के पास तकरीबन 130 न्यूक्लियर वारहेड्स विद्यमान है। भारत द्वारा यूएई को आर्टिलरी अस्त्र निर्यात किए गए हैं। मॉरीशस और म्यांमार को मिसाइल और एयरक्राफ्ट्स निर्यात किए गए हैं। आने वाले वक्त में भारत में निर्मित सैन्य अस्त्र शस्त्रों का निर्यात बहुत तेजी के साथ वृद्धि करने वाला है। भारत को वस्तुतः दो युद्ध मोर्चे पर तैयार रहना है, पहला युद्ध मोर्चा पाकिस्तान का है और दूसरा है चीन का। भारत द्वारा विश्व के 20 प्रमुख देशों के साथ अस्त्र शस्त्रों की टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर समझौते अंजाम दिए हैं। विगत एक दशक से भारत आधुनिकतम अस्त्र शस्त्रों के निर्माण का एक बड़ा देश बन रहा है।

प्राइवेट सेक्टर को भी अनुमति

अपनी सैन्य शक्ति को अत्यधिक शक्तिशाली बनाने की राह में भारत ने मॉरीशस के अगालेगा द्वीप पर एक मिलिट्री बेस तैयार करना प्रारंभ किया है। हिंद -प्रशांत महासागर में भारत को चीन की सैन्य चुनौतियों का सामना करना है। भारत और मालदीव ने एक सैन्य समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत मालदीव के सिवारू द्वीप पर भारत और मालदीव एक साथ रक्षात्मक तैयारी अंजाम देंगे। भारत में विगत कुछ वर्षों के दौरान अपनी सुरक्षा व्यवस्था को अत्यंत शक्तिशाली बनाने की कोशिश की है। आधुनिकतम सैन्य अस्त्र शास्त्रों के निर्माण क्षेत्र में भारत ने प्राइवेट सेक्टर को भी प्रवेश करने की अनुमति प्रदान की है। पाकिस्तान द्वारा सैन्य शक्ति से कश्मीर को हड़पने के लिए संचालित प्रॉक्सीवार का विगत 38 वर्षों से भारत ने कामयाबी के साथ प्रबल मुकाबला किया है। विश्व के सात देशों में शामिल है भारत, जोकि अपने ही देश में आधुनिकतम फाइटर जेटों का, आधुनिकतम टैंकों का, पनडुब्बियों का, मिसाइलों का निर्माण करने में सक्षम हैं। विगत 4 वर्षों के दौरान ही प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने तकरीबन ढाई लाख करोड़ रुपये भारतीय सेना का आधुनिकरण करने के लिए खर्च किए हैं।

चीन निर्मित पाक पनडुब्बियां बनी नई सामरिक चुनौती

संघर्ष
रमेश चंद्र
रि. नायब सूबेदार

प्रत्येक वर्ष 26 जुलाई को पूरा देश कारगिल विजय दिवस मनाकर उन वीर सैनिकों को श्रद्धापूर्वक नमन करता है, जिन्होंने 1999 के कारगिल युद्ध में अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान का परिचय देते हुए भारत की सीमाओं की रक्षा की। कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सेना की आर्टलरी व आर्म्ड कॉर्प्स का जम्मू रेजिया में बहुत बड़ा योगदान था। आर्टलरी की बोफोर्स तोपों की मदद से हमारी विजय की गाथा लिखी गई। कारगिल युद्ध केवल एक सैन्य विजय नहीं था, बल्कि उसने देश को यह सीख भी दी कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही घातक साबित हो सकती है। शत्रु की रणनीति समय के साथ बदलती रहती है, इसलिए सुरक्षा व्यवस्था को भी लगातार नए खतरों के अनुरूप मजबूत बनाना आवश्यक है।

आज जब हम कारगिल विजय को याद कर रहे हैं, तब यह समझना भी जरूरी है कि भविष्य की चुनौतियां अब केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं हैं। समुद्र की गहराइयों में भी ऐसे खतरे आकार ले रहे हैं, जिन पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। कारगिल युद्ध और उसके बाद कई प्रत्यक्ष तथा परोक्ष संघर्षों में अपेक्षित सफलता न मिलने के बाद पाकिस्तान ने अपनी सैन्य रणनीति में बदलाव किया है। थल सीमा पर भारत की बढ़ती सैन्य शक्ति को देखते हुए उसने समुद्री क्षमता बढ़ाने पर जोर देना शुरू किया है। इस दिशा में उसे सबसे बड़ा सहयोग चीन से मिल रहा है। चीन और पाकिस्तान का बढ़ता रक्षा सहयोग अब हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के लिए नई सामरिक चुनौती बनकर सामने आ रहा है। वर्ष 2015 में चीन और पाकिस्तान के बीच हुए रक्षा समझौते के तहत चीन पाकिस्तान को आठ आधुनिक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियां उपलब्ध करा रहा है। ये चीन की युआन श्रेणी की उन्नत पनडुब्बियों का निर्यात संस्करण हैं, जिन्हें पाकिस्तान ने 'हांगोर श्रेणी' नाम दिया है। अगले कुछ वर्षों में इन सभी के पाकिस्तान नौसेना में शामिल होने की संभावना है, जिससे उसकी समुद्री क्षमता पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत हो जाएगी। इन पनडुब्बियों की सबसे बड़ी विशेषता एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) प्रणाली है। सामान्य डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों को कुछ दिनों बाद बैटरियां चार्ज करने के लिए समुद्र की सतह पर आना पड़ता है। ऐसा करते समय उनके रडार या समुद्री गश्ती विमानों की नजर में आने की संभावना बढ़ जाती है। इसके विपरीत, एआईपी तकनीक से लैस पनडुब्बियां लगभग पंद्रह से बीस दिनों तक बिना सतह पर आए समुद्र की गहराई में रह सकती हैं। इससे उनका पता लगाना और उन्हें निशाना बनाना कहीं अधिक कठिन हो जाता है। अरब सागर जैसे विशाल समुद्री क्षेत्र में ऐसी पनडुब्बियां किसी भी नौसेना के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। यह खतरा केवल सैन्य दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि भारत की आर्थिक सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। भारत का अधिकांश विदेशी व्यापार और ऊर्जा आयात समुद्री मार्गों के माध्यम से होता है। यदि किसी संघर्ष की स्थिति में पाकिस्तान इन पनडुब्बियों की मदद से व्यापारिक जहाजों, तेल आपूर्ति या महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को बाधित करने का प्रयास करता है, तो इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। भविष्य में यदि इनसे लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलों का संचालन होता है, तो भारत के तटीय शहरों, नौसैनिक अड्डों और सामरिक प्रतिष्ठानों के सामने नई चुनौती खड़ी हो सकती है। इसके साथ ही हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती मौजूदगी और पाकिस्तान के साथ उसका गहरा होता सैन्य सहयोग भारत के लिए दोहरे दबाव की स्थिति पैदा करता है। चीन लंबे समय से हिंद महासागर में अपने प्रभाव का विस्तार करने की रणनीति पर काम कर रहा है और पाकिस्तान इसमें उसका महत्वपूर्ण साझेदार बनता जा रहा है। हालांकि इन बदलती परिस्थितियों से भारत पूरी तरह सजग है। भारतीय नौसेना लगातार अपनी समुद्री क्षमता का आधुनिकीकरण कर रही है। स्वदेश निर्मित कलवरी श्रेणी की आधुनिक पनडुब्बियां नौसेना की ताकत बढ़ा रही हैं। इनमें स्वदेशी एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन प्रणाली जोड़ने की दिशा में भी कार्य चल रहा है। इसके अलावा पी-8आई पोसाइडन समुद्री टोही विमान, एमएच-60आर रोमियो हेलीकॉप्टर और आधुनिक पनडुब्बी रोधी प्रणालियां हिंद महासागर क्षेत्र में हर संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने में सक्षम हैं। प्रोजेक्ट-75(आई) के तहत नई पीढ़ी की अत्याधुनिक पनडुब्बियों के निर्माण की प्रक्रिया भी तेजी से आगे बढ़ रही है। इसके साथ ही स्वदेशी रक्षा तकनीक और समुद्री निगरानी तंत्र को मजबूत बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कारगिल विजय दिवस केवल अतीत के शौर्य का स्मरण करने का अवसर नहीं है। यह भविष्य की चुनौतियों को समय रहते पहचानने और उनसे निपटने की प्रेरणा भी देता है। कारगिल में दुश्मन ने पहाड़ों की ऊंचाइयों का सहारा लिया था, जबकि आज वही चुनौती समुद्र की गहराइयों में दिखाई दे रही है। यदि भारत सतर्कता, आधुनिक तकनीक और मजबूत रक्षा तैयारियों के साथ आगे बढ़ता रहा, तो समुद्र से उठने वाली हर चुनौती का भी प्रभावी ढंग से सामना कर सकेगा। यही कारगिल विजय दिवस का सबसे बड़ा संदेश है और यही उन अमर शहीदों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि भी होगी।

चीन और पाकिस्तान का बढ़ता रक्षा सहयोग अब हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के लिए नई सामरिक चुनौती बनकर सामने आ रहा है। वर्ष 2015 में चीन और पाक के बीच हुए रक्षा समझौते के तहत चीन पाकिस्तान को आठ आधुनिक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियां उपलब्ध करा रहा है।

रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बन रहे हम

मेक इन इंडिया
उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में रक्षा उत्पादन का भारतीयकरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महत्वाकांक्षी और नीतिगत सुधार 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत तेजी से बढ़ रहा है। इसकी सफलता का अंदाजा इस साल के कुल रक्षा उत्पादन के आंकड़ों से लगाया जा सकता है। इसके अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में कुल रक्षा उत्पादन 1.54 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में करीब तेईस हजार करोड़ ज्यादा है। वित्त वर्ष यानी 2023-24 में यह आंकड़ा एक लाख 27 हजार 434 करोड़ था। अगर शुरुआती वर्ष यानी 2014-15 के आंकड़ों से इसकी तुलना करें तो यह वृद्धि करीब 174 प्रतिशत ज्यादा है। तब भारत ने 46429 करोड़ का उत्पादन किया था।

रक्षा उत्पादन की इस उपलब्धि में सार्वजनिक क्षेत्र ही नहीं, निजी कॉरपोरेट की भी हिस्सेदारी है। इसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी करीब 23 प्रतिशत है, जो लगातार इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। हालांकि अभी भी इस क्षेत्र में वर्चस्व सार्वजनिक क्षेत्र की ही कंपनियों का है। 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत, रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी विनिर्माण को बहुत बढ़ावा मिला है। यही वजह है कि वित्त वर्ष 2024-25 में कुल रक्षा उत्पादन 1.5 लाख करोड़ से अधिक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। रक्षा उत्पादन की निगरानी और नीतिगत सहयोग के लिए मोदी सरकार ने अलग से रक्षा उत्पादन विभाग बनाया है, जिसके अधीन हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड यानी एचएल सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख रक्षा उत्पादक कंपनी के रूप में उभरी है। इस क्षेत्र में देश की अग्रणी निजी कंपनियां और कारोबारी समूहों मसलन, टाटा, एलएंडटी और कल्याणी आदि अब मिसाइल, तोप और बख्तरबंद वाहन निर्माण में बड़ी भूमिका निभा रही हैं। नीतिगत बदलावों के चलते जहां बड़े कारपोरेट हाउसों के साथ ही छोटे कारपोरेट हाउसों और स्टार्टअप्स को भी मौका मिला है। रक्षा उत्पादन विभाग और वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, सोलह हजार लघु और मध्यम वर्ग की कंपनियां भी स्वदेशी रक्षा उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसके साथ ही स्वदेशी रक्षा उत्पादन के लिए 462 कंपनियों को 788 रक्षा औद्योगिक लाइसेंस जारी किए गए हैं। रक्षा उत्पादन में नीतिगत सुधार और निजी-सार्वजनिक क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी का ही असर है कि आज देश, अमेरिका, फ्रांस और आर्मेनिया समेत दुनिया के सौ से ज्यादा देशों को रक्षा उपकरणों का निर्यात कर रहा है। जहां तक रक्षा उत्पादन में निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की बात है, देश के कुल रक्षा उत्पादन में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का कुल योगदान 77 प्रतिशत है, जबकि बाकी निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी है। इसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी साल-दर-साल लगातार बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कुल रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की भागीदारी जहां 21 प्रतिशत थी, जिसमें दो फीसद का इजाफा हो चुका है। यह भारत के रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में निजी क्षेत्र की तेजी से बढती भूमिका को स्पष्ट करता है। निर्यात के क्षेत्र में भी भारत की प्रगति उल्लेखनीय हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 के निर्यात की तुलना में बीते वित्त वर्ष में 2,539 करोड़ रुपये यानी करीब 12.04 फीसद की बढ़त दर्ज की गई है। सरकार ने वर्ष 2029 तक 3 लाख करोड़ रुपये के रक्षा निर्माण और 50,000 करोड़ के रक्षा निर्यात का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। इन गतिविधियों से भारत न केवल अपने आर्थिक विकास को गति दे रहा है, बल्कि वैश्विक रक्षा उत्पादन और विनिर्माण केंद्र के रूप में अपनी स्थिति को सुदृढ़ भी कर रहा है। भारत के रिकॉर्ड रक्षा उत्पादन और निर्यात के पीछे सरकारी नीतियों में आया बदलाव है। इससे भारतीय रक्षा उत्पादन क्षेत्र लगातार देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इन नीतियों ने रक्षा क्षेत्र को आयात-निर्भरता से मुक्त करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाया है। सरकार ने रक्षा उत्पादन को निजी क्षेत्र के लिए खोलने की दिशा में विदेशी निवेश को 74 प्रतिशत तक कर दिया है। मोदी सरकार का लक्ष्य 2030 तक रक्षा उत्पादन को 3 लाख करोड़ तक पहुंचाने का है। जहां तक भारत के उत्पाद की बात है तो अब देश स्वदेशी रूप से ब्रह्मोस मिसाइल, आर्टिलरी गन और रडार जैसे 65 प्रतिशत से ज्यादा महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों का घरेलू स्तर पर निर्माण हो रहा है। जिस तरह निजी उद्योग को मौका दिया है, उससे आने वाले दिनों में निजी क्षेत्रों की भागीदारी और ज्यादा बढ़ेगी, रक्षा उपकरण और भी ज्यादा संख्या में स्वदेशी होंगे।

रक्षा उत्पादन की इस उपलब्धि में सार्वजनिक क्षेत्र ही नहीं, निजी कॉरपोरेट की भी हिस्सेदारी है। इसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी करीब 23 प्रतिशत है, जो लगातार इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। हालांकि अभी भी इस क्षेत्र में वर्चस्व सार्वजनिक क्षेत्र की ही कंपनियों का है।

दर्द, गर्व और राष्ट्र के सम्मान का दिन

कारगिल विजय दिवस
डा. विवेक बाल्यान
स्वतंत्र पत्रकार

देआज का दिन भारतीय इतिहास में केवल एक तारीख नहीं, बल्कि शौर्य, बलिदान और राष्ट्र-गौरव प्रतीक है। वर्ष 1999 में भारत ने 26 जुलाई को ही कारगिल युद्ध में विजय हासिल की थी और दुनिया को यह संदेश दिया था कि भारत अपनी सीमाओं, अपने सम्मान और अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए पूरी तरह से सक्षम है। कारगिल की बर्फीली चोटियों पर लड़ी गई यह लड़ाई साधारण नहीं थी। यह युद्ध ऊंचाई पर कठोर मौसम में लड़ा गया, जहां हर कदम पर मौत का खतरा था। इसके बाद भी भारतीय सेना ने अदम्य साहस, अनुशासन और देशभक्ति के बल पर विजय पताका फहराई। शोर्य बलिदान की इस गाथा में हरियाणा की भूमि पर जन्में 75 वीर सपूतों ने भी अपने प्राण न्यौछावर किए। ये केवल एक संख्या नहीं हैं, बल्कि वे नाम हैं जिनके पीछे इन सपूतों के परिवारों का दर्द, गांवों का गर्व और राष्ट्र का सम्मान छिपा हुआ है।

हरि की धरा हरियाणा की मिट्टी को हमेशा से वीरता, परिश्रम और देशसेवा की भूमि माना गया है। यहां के किसान जिस तरह खेतों में पसीना बहाते हैं, उसी तरह उनके बच्चे सीमा पर खड़े होकर देश की रक्षा करते हैं। हरियाणा का सामाजिक और सांस्कृतिक चरित्र ही ऐसा रहा है कि यहां सैनिक बनना केवल नौकरी नहीं, बल्कि सम्मान और परंपरा का विषय रहा है। जब कारगिल युद्ध छिड़ा, तब हरियाणा के अनेक जवान अग्रिम पंक्ति में दुश्मन के सामने खड़े थे। उन्होंने न केवल युद्ध लड़ा, बल्कि उसमें सर्वोच्च बलिदान भी दिया। कारगिल के युद्ध में शहीद हुए हरियाणा के 75 जवान इस राज्य की सैन्य परंपरा को अमर कर गए। उनके बलिदान ने यह साबित कर दिया कि हरियाणा की वीरता केवल कथाओं में नहीं, बल्कि वास्तविक युद्धभूमि में भी उतनी ही प्रखर है। कारगिल युद्ध की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि यह युद्ध अत्यंत कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में लड़ा गया। हिमालय की ऊंची-ऊंची चोटियां, भीषण ठंड, दुर्गम चढ़ाई, सीमित ऑक्सीजन और दुश्मन की पहले से बनाई गई मजबूत स्थिति- इन सबके बीच भारतीय सैनिकों ने असंभव लगने वाली इस लड़ाई को जीता। विजय के इस अभियान में हरियाणा के शहीदों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रही। वे अपने साहस और कर्तव्यनिष्ठा से इस राष्ट्रीय विजय का हिस्सा बने। कारगिल विजय दिवस मनाने का अर्थ केवल एक युद्ध में भारत की जीत की याद ताज़ा करना नहीं है। यह दिन हमें यह भी स्मरण कराता है कि हमारे सैनिक ने किस कीमत पर हमें सुरक्षित जीवन प्रदान किया। जब देश के नागरिक अपने घरों में चैन से रहते हैं, तब सीमा पर जवान हिमपात, गोलियों और दुश्मन की घेराबंदी से जूझ रहे होते हैं। इस वास्तविकता को हम अक्सर तभी महसूस करते हैं जब कोई युद्ध या शहादत की बड़ी घटना सामने आती है। कारगिल युद्ध ने पूरे देश को यह समझाया कि सैनिकों का बलिदान सिर्फ समाचार नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा का हिस्सा है। हरियाणा के शहीदों ने इस भावना को और भी गहराई दी। उनकी शहादत केवल सैन्य इतिहास में दर्ज नहीं, बल्कि हरियाणा की लोक-स्मृति और जन-चेतना में हमेशा जीवित रहेगी। कारगिल विजय दिवस पर जब हम तिरंगा फहराते हैं, तो हमें याद रखना चाहिए कि उस झंडे की ऊंचाई के पीछे कितने परिवारों की वेदना छिपी है। हरियाणा के शहीदों ने इस तिरंगे की ऊंचाई के लिए अपना जीवन दिया। उनका रक्त इस ध्वज की लाली में शामिल है। उनका साहस इस राष्ट्र की आत्मा में मौजूद है। उनका नाम लेकर जब हम श्रद्धांजलि देते हैं, तब हम केवल अतीत को नहीं देखते, बल्कि एक ऐसे भारत की कल्पना करते हैं जो अधिक कृतज्ञ, अधिक मजबूत और अधिक एकजुट हो।आज की पीढ़ी के लिए कारगिल विजय दिवस का संदेश बहुत स्पष्ट है। यह दिन बताता है कि स्वतंत्रता की रक्षा केवल नारे से नहीं होती, उसके लिए बलिदान चाहिए। कारगिल विजय दिवस हरियाणा के लिए विशेष गर्व का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हरियाणा की धरती ने देश को ऐसे सपूत दिए हैं, जिन्होंने कर्तव्य को जीवन से बड़ा माना। इन 75 शहीदों की शहादत केवल एक राज्य की नहीं, पूरे भारत की धरोहर है। उनका बलिदान हमें सिखाता है कि देश के लिए दिया गया जीवन कभी व्यर्थ नहीं जाता। वे आज भले हमारे बीच न हों, लेकिन उनकी बहादुरी, उनकी निष्ठा और उनका त्याग हमेशा जीवित रहेगा। कारगिल विजय दिवस पर हरियाणा के इन वीर शहीदों को कोटि-कोटि नमन।

यह दिन हमें याद दिलाता है कि हरियाणा की धरती ने देश को ऐसे सपूत दिए हैं, जिन्होंने कर्तव्य को जीवन से बड़ा माना। इन 75 शहीदों की शहादत केवल एक राज्य की नहीं, बल्कि पूरे भारत की धरोहर है। उनका बलिदान हमें सिखाता है कि देश के लिए दिया गया जीवन कभी व्यर्थ नहीं जाता।

पिछले कुछ वर्षों में भारत में व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) के प्रति लोगों का आकर्षण तेजी से बढ़ा है। छोटे शहरों और कस्बों के निवेशक भी अब म्यूचुअल फंड को बचत और निवेश का महत्वपूर्ण माध्यम मानने लगे हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म, आसान निवेश प्रक्रिया, वित्तीय जागरूकता और लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न की संभावनाओं ने म्यूचुअल फंड उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। मिड और स्मॉल कैप फंडों में बढ़ती भागीदारी इसी बदलाव का परिणाम मानी जा रही है।

मिड और स्मॉल कैप फंडों पर निवेशकों का भरोसा कायम

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

- बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद बन रहे पहली पसंद
- दो वर्षों में करोड़ों नए निवेशक जुड़े, दीर्घकालिक रिटर्न से बढ़ा विश्वास
- विशेषज्ञों ने ऊंचे वैल्यूएशन के बीच सतर्क निवेश की दी सलाह

शेयर बाजार में पिछले दो वर्षों के दौरान कई बार तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनाव, ब्याज दरों में बदलाव और घरेलू बाजार में समय-समय पर आई गिरावट के बावजूद भारतीय खुदरा निवेशकों का भरोसा मिड कैप और स्मॉल कैप म्यूचुअल फंडों पर लगातार मजबूत बना हुआ है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों का किया गया एक अहम विश्लेषण है। रिपोर्ट बताती है कि बाजार की अस्थिरता निवेशकों के उत्साह को कम नहीं कर सकी। इसके विपरीत, बड़ी संख्या में नए निवेशकों ने इन श्रेणियों में निवेश शुरू किया और पहले से निवेश कर रहे लोगों ने भी अपना निवेश जारी रखा। पोर्ट के अनुसार, जून 2024 से जून 2026 के बीच मिड कैप और स्मॉल कैप फंडों में खुदरा निवेशकों की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। जून 2024 में जहां मिड कैप फंडों के फोलियो की संख्या लगभग 1.53 करोड़ थी, वहीं जून 2026 तक यह बढ़कर 2.55 करोड़ हो गई। इसी अवधि में स्मॉल कैप फंडों के फोलियो 2.03 करोड़ से बढ़कर 2.87 करोड़ तक पहुंच गए। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि निवेशकों का रुझान केवल बड़े बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों तक सीमित नहीं है, बल्कि वे बेहतर संभावनाओं वाली मध्यम और छोटी कंपनियों में भी निवेश के अवसर तलाश रहे हैं।

सभी ओपन-एंडेड इक्विटी फंड फोलियो का 32 प्रतिशत हिस्सा

आज मिड कैप और स्मॉल कैप फंड मिलकर देश के सभी ओपन-एंडेड इक्विटी म्यूचुअल फंड फोलियो का 32 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बन चुके हैं। यह हिस्सा लगातार बढ़ रहा है, जो बताता है कि भारतीय निवेशकों की सोच अब लंबी अवधि के निवेश और संपत्ति निर्माण की ओर तेजी से बदल रही है। इस बढ़ते भरोसे के पीछे सबसे बड़ा कारण इन श्रेणियों का मजबूत दीर्घकालिक प्रदर्शन है। 30 जून 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार, मिड कैप फंडों ने पिछले तीन वर्षों में 18.76 प्रतिशत का चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) और पांच वर्षों में 16.33 प्रतिशत का सीएजीआर दिया है। वहीं स्मॉल कैप फंडों ने तीन वर्षों में 17.68 प्रतिशत तथा पांच वर्षों में 17.06 प्रतिशत का सीएजीआर रिटर्न निवेशकों को उपलब्ध कराया।

उतार-चढ़ाव की संभावना ज्यादा

यह समझना जरूरी है कि अधिक रिटर्न के साथ जोखिम भी अधिक होता है। मिड और स्मॉल कैप कंपनियों के शेयरों में बड़े उतार-चढ़ाव की संभावना रहती है। यही कारण है कि बाजार में गिरावट आने पर इन श्रेणियों में नुकसान भी अपेक्षाकृत अधिक हो सकता है। इसके बावजूद निवेशकों का विश्वास इसलिए बना हुआ है क्योंकि वे अब अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बजाय दीर्घकालिक निवेश रणनीति को प्राथमिकता दे रहे हैं। निवेशकों का यह भरोसा केवल फोलियो की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों में भी साफ दिखाई देता है। जून 2025 में मिड कैप फंडों का एयूएम 4.32 लाख करोड़ रुपये था, जो जून 2026 तक बढ़कर 5.06 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह स्मॉल कैप फंडों का एयूएम 3.55 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 4.30 लाख करोड़ तक पहुंच गया।

निवेशक सतर्क रहें

आईसीआरए एनालाइस्टिक ने निवेशकों को सतर्क रहने की भी सलाह दी है। संस्था का कहना है कि वर्तमान समय में मिड और स्मॉल कैप शेयरों के वैल्यूएशन अपेक्षाकृत ऊंचे स्तर पर हैं। यदि आने वाले समय में कंपनियों की आय (कॉरपोरेट अर्निंग्स) बाजार की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं बढ़ती है, तो इन श्रेणियों में करेक्शन देखने को मिल सकता है। ऐसे में निवेशकों को यह मानकर नहीं चलना चाहिए कि पिछले वर्षों जैसा रिटर्न भविष्य में भी निश्चित रूप से मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में इन फंडों का प्रदर्शन केवल वैल्यूएशन बढ़ने पर नहीं, बल्कि कंपनियों के वास्तविक कारोबार और मुनाफे में वृद्धि पर निर्भर करेगा।

क्या कहते हैं आंकड़े

वित्तीय सलाहकारों का सुझाव है कि मिड और स्मॉल कैप फंडों में निवेश हमेशा लंबी अवधि के लक्ष्य को ध्यान में रखकर करना चाहिए। एकमुश्त बड़ी राशि लगाने के बजाय नियमित एसआईपी के माध्यम से निवेश करना अपेक्षाकृत सुरक्षित रणनीति मानी जाती है। साथ ही निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप फंडों के बीच संतुलन बनाए रखना चाहिए, ताकि जोखिम और रिटर्न दोनों का बेहतर प्रबंधन किया जा सके।

कुल मिलाकर, एएमएफआई और आईसीआरए एनालाइस्टिक के ताजा आंकड़े यह संकेत देते हैं कि भारतीय खुदरा निवेशकों का भरोसा मिड और स्मॉल कैप फंडों पर पहले से अधिक मजबूत हुआ है। बेहतर दीर्घकालिक प्रदर्शन और नियमित निवेश ने इन श्रेणियों को लोकप्रिय बनाया है। हालांकि, ऊंचे वैल्यूएशन और संभावित बाजार उतार-चढ़ाव को देखते हुए निवेशकों को संयम, विविधीकरण और लंबी अवधि की रणनीति अपनाकर ही निवेश करना चाहिए। यही तरीका भविष्य में बेहतर और टिकाऊ संपत्ति निर्माण का आधार बन सकता है।

मृत्यु के बाद क्लेम होगा आसान

नॉमिनेशन व वसीयत अब भी जरूरी

सेबी ने एएमएफआई के मानकों में बदलाव कर दी बड़ी राहत | अब परिवारों को आर्थिक और मानसिक परेशानियां नहीं झेलनी होंगी | रिकॉर्ड में नाम की स्पेलिंग में मामूली अंतर होने से नहीं होगी दिक्कत

जानकारी

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक महत्वपूर्ण और निवेशक हितैषी कदम उठाया है। निवेशक की मृत्यु के बाद उसके परिवार या कानूनी उत्तराधिकारियों को म्यूचुअल फंड यूनिट्स का ट्रांसमिशन (हस्तांतरण) कराने में अक्सर कई तरह की तकनीकी और दस्तावेजी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। पते में अंतर, नाम की स्पेलिंग अलग होना, हस्ताक्षर मेल न खाना या पुराने रिकॉर्ड जैसी छोटी-छोटी वजहों से क्लेम महीनों तक लंबित रहता था। कई मामलों में परिवारों को आर्थिक और मानसिक दोनों तरह की परेशानियां झेलनी पड़ती थीं। इन्हीं समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सेबी ने एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के मानकों में बदलाव कर ट्रांसमिशन प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया है। नए दिशा-निर्देशों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी निवेशक के निधन के बाद उसके परिवार को तकनीकी कारणों से अनावश्यक परेशान न होना पड़े।

पते में अंतर अब नहीं बनेगा बड़ी बाधा

पहले यदि म्यूचुअल फंड फोलियो में दर्ज पता और क्लेम के समय दिए गए दस्तावेजों का पता अलग होता था, तो एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) क्लेम रोक देती थी। अब वैध और अद्यतन दस्तावेजों के आधार पर नया पता स्वीकार किया जा सकेगा। इससे पुराने रिकॉर्ड के कारण होने वाली देरी काफी हद तक समाप्त होगी।

छोटी गलतियां भी होंगी स्वीकार

अक्सर पैन कार्ड, आधार, बैंक खाते और म्यूचुअल फंड रिकॉर्ड में नाम की स्पेलिंग में मामूली अंतर होने से ट्रांसमिशन अटक जाता था। अब आधार, पासपोर्ट जैसे सेल्फ-सर्टिफाइड दस्तावेजों के आधार पर ऐसे मामलों का समाधान किया जा सकेगा। हस्ताक्षर मेल न खाने की स्थिति में भी रजिस्ट्रार एंड ट्रांसफर एजेंट (आरटीए) निर्धारित प्रक्रिया के तहत समाधान करेंगे।

सभी एएमसी में एक जैसी प्रक्रिया

सेबी ने एएमएफआई को निर्देश दिया है कि सभी एसेट मैनेजमेंट कंपनियों और संबंधित कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाए, ताकि पूरे देश में ट्रांसमिशन प्रक्रिया एक समान तरीके से लागू हो। इससे निवेशकों को अलग-अलग फंड हाउस में अलग नियमों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

कौन क्लेम कर सकता है?

- क्लेम की प्रक्रिया इस बात पर निर्भर करती है कि निवेश किस प्रकार किया गया था।
- यदि निवेश संयुक्त नाम से है और एक निवेशक का निधन हो जाता है, तो जीवित धारक यूनिट्स अपने नाम कराने के लिए आवेदन कर सकता है।
- यदि निवेश एकल नाम से है और नॉमिनी दर्ज है, तो नॉमिनी ट्रांसमिशन के लिए आवेदन कर सकता है।
- यदि नॉमिनी नहीं है, तो कानूनी उत्तराधिकारी को उत्तराधिकार प्रमाणपत्र, लीगल हेयरशिप सर्टिफिकेट, वसीयत या अन्य आवश्यक दस्तावेजों के आधार पर दावा करना होगा। ऐसे मामलों में प्रक्रिया अपेक्षाकृत लंबी हो सकती है।

किन दस्तावेजों की होगी जरूरत?

■ ट्रांसमिशन रिक्वेस्ट फॉर्म ■ निवेशक का मृत्यु प्रमाणपत्र ■ पैन कार्ड ■ केवाईसी दस्तावेज ■ बैंक खाते का प्रमाण ■ यदि नॉमिनी नहीं है तो सक्सेशन सर्टिफिकेट, लीगल हेयरशिप सर्टिफिकेट, वसीयत या अन्य कानूनी दस्तावेज भी प्रस्तुत करने पड़ सकते हैं।

किन कारणों से अटकेगा क्लेम?

- नॉमिनी का नाम दर्ज न होना।
- केवाईसी अधूरा या पुराना होना।
- बैंक, पैन और म्यूचुअल फंड रिकॉर्ड में अलग-अलग जानकारी होना।
- कानूनी उत्तराधिकारियों के बीच विवाद।
- अलग-अलग एएमसी में कई फोलियो होने से दस्तावेजी प्रक्रिया जटिल होना।

आज ही करें ये चार काम

- पहला, हर म्यूचुअल फंड फोलियो में नॉमिनी अवश्य दर्ज करें और समय-समय पर उसकी समीक्षा करें।
- दूसरा, पैन, आधार, खाते और म्यूचुअल फंड रिकॉर्ड में नाम, जन्मतिथि, पता और अन्य विवरण समान रखें।
- तीसरा, यदि आपका निवेश बड़ा है तो केवल नॉमिनेशन पर निर्भर न रहें। एक विधिवत वसीयत तैयार करें। यह संपत्ति के अंतिम उत्तराधिकार को लेकर भविष्य के विवादों से बचाती है।
- चौथा, अपने परिवार को यह जानकारी अवश्य दें कि आपने किन-किन म्यूचुअल फंडों में निवेश किया है। कई बार परिवार को निवेश की जानकारी ही नहीं होती, जिससे वर्षों तक रकम बिना क्लेम के पड़ी रहती है।

नॉमिनी व उत्तराधिकारी में अंतर समझें

कई निवेशक यह मान लेते हैं कि नॉमिनी निवेश का अंतिम मालिक होता है, जबकि ऐसा हमेशा नहीं होता। नॉमिनी निवेश की राशि प्राप्त करने का अधिकृत व्यक्ति होता है। अंतिम स्वामित्व उत्तराधिकार कानून या वैध वसीयत के अनुसार तय होता है। बड़े निवेश वाले परिवारों के लिए एस्टेट प्लानिंग-वसीयत तैयार करना महत्वपूर्ण है।

निवेशक हित में बड़ा सुधार

सेबी का यह कदम ऐसे समय आया है, जब देश में म्यूचुअल फंड निवेशकों की संख्या लगातार बढ़ रही। करोड़ों निवेशक एसआईपी व अन्य योजनाओं के माध्यम से लंबी अवधि के लिए निवेश कर रहे हैं। ऐसे में निवेशक की मृत्यु के बाद परिवार को सरल- समयबद्ध तरीके से राशि मिलना वित्तीय व्यवस्था में विश्वास बढ़ाने के लिए आवश्यक है। सेबी के नए दिशा-निर्देश न केवल ट्रांसमिशन प्रक्रिया को तेज-पारदर्शी बनाएंगे, बल्कि निवेशकों में भरोसा मजबूत करेंगे कि उनकी मेहनत की कमाई जरूरत पड़ने पर बिना कानूनी बाधाओं के परिवार तक पहुंच सकेगी।

जानें जोखिम पोर्टफोलियो और टैक्स से जुड़े जरूरी नियम

सिर्फ रिटर्न नहीं, इन पैमानों पर चुनें सही म्यूचुअल फंड

अलर्ट

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड आज करोड़ों भारतीयों की निवेश यात्रा का अहम हिस्सा बन चुके हैं। सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए हर महीने छोटी-छोटी रकम निवेश कर लंबी अवधि में बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है। लेकिन बाजार में हजारों म्यूचुअल फंड योजनाएं उपलब्ध होने के कारण सबसे बड़ी चुनौती सही फंड का चुनाव करना है। अक्सर निवेशक पिछले एक साल का रिटर्न या पांच स्टार रेटिंग देखकर फैसला ले लेते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यही सबसे बड़ी भूल साबित हो सकती है। दरअसल, किसी भी म्यूचुअल फंड का मूल्यांकन केवल रिटर्न के आधार पर नहीं किया जा सकता। फंड का जोखिम, खर्च, पोर्टफोलियो, फंड मैनेजर और निवेश का उद्देश्य जैसे कई पहलू भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। यदि दो फंडों में से किसी एक को चुनना है, तो कुछ बुनियादी मानकों को समझना बेहद जरूरी है।

सबसे पहले एक जैसी श्रेणी के फंड की तुलना करें

किसी भी तुलना की शुरुआत सही आधार से होनी चाहिए। यदि एक फंड लार्ज कैप है और दूसरा मिड कैप, तो दोनों की तुलना करना उचित नहीं होगा। दोनों का निवेश उद्देश्य, जोखिम और संभावित रिटर्न अलग-अलग होते हैं। यदि आपका लक्ष्य स्थिरता और अपेक्षाकृत कम जोखिम है, तो लार्ज कैप फंडों की तुलना करें। यदि अधिक जोखिम लेकर लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न चाहते हैं, तो मिड कैप- स्मॉल कैप श्रेणी के भीतर विकल्प चुनें।

डायरेक्ट-रेगुलर प्लान में अंतर

हर म्यूचुअल फंड में निवेश के दो विकल्प होते हैं—डायरेक्ट और रेगुलर। डायरेक्ट प्लान में निवेशक सीधे एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) के माध्यम से निवेश करता है। इसमें किसी एजेंट का कमीशन नहीं होता, इसलिए एक्सपेंस रेशियो कम रहता है और लंबे समय में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना रहती है। रेगुलर प्लान उन निवेशकों के लिए उपयुक्त हो सकता है जिन्हें वित्तीय सलाहकार की सहायता की जरूरत होती है।

केवल रिटर्न नहीं, एक्सपेंस रेशियो भी देखें

दो फंड यदि लगभग समान रिटर्न दे रहे हैं, तो कम एक्सपेंस रेशियो वाला फंड बेहतर माना जाता है। एक्सपेंस रेशियो वह वार्षिक शुल्क है जो एएमसी आपके निवेश के प्रबंधन के बदले लेती है। देखने में यह अंतर छोटा लग सकता है, लेकिन 15-20 वर्षों की लंबी अवधि में यही अंतर लाखों रुपये के अतिरिक्त रिटर्न में बदल सकता है।

दोनों फंड किन कंपनियों में निवेश कर रहे हैं

कई निवेशक अलग-अलग फंड खरीद लेते हैं, लेकिन बाद में पता चलता है कि दोनों की शीर्ष 10 होल्डिंग लगभग एक जैसी हैं। निवेश से पहले दोनों फंडों की प्रमुख होल्डिंग और सेक्टर एलोकेशन अवश्य देखें। जोखिम के मुकाबले रिटर्न का मूल्यांकन करें। हर अधिक रिटर्न देने वाला फंड बेहतर नहीं होता।

रिश्ते में प्यार के साथ पैसों की समझ भी जरूरी

पति-पत्नी की कमाई में बड़ा-अंतर हो तो कैसे बनाएं फाइनेंशियल प्लान

बिजनेस डेस्क। शादी केवल दो लोगों का भावनात्मक रिश्ता नहीं, बल्कि दो आर्थिक जिम्मेदारियों का भी मिलन है। आज के दौर में बड़ी संख्या में पति-पत्नी दोनों कामकाजी हैं, लेकिन अक्सर उनकी आय समान नहीं होती। किसी की सैलरी अधिक होती है तो कोई अपेक्षाकृत कम कमाता है। ऐसे में बड़ा सवाल यह होता है कि घर का खर्च कैसे बांटा जाए, ताकि न किसी एक पर आर्थिक बोझ बढ़े और न रिश्ते में असंतुलन पैदा हो। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि सफल वैवाहिक जीवन की नींव केवल भरोसे और प्यार पर नहीं, बल्कि पारदर्शी वित्तीय योजना पर भी टिकी होती है। पैसों को लेकर स्पष्ट समझ और नियमित संवाद भविष्य के विवादों से बचाता है। दोनों को आर्थिक रूप से सुरक्षित महसूस कराता है।

हर परिवार के लिए एक जैसा फॉर्मूला नहीं

फाइनेंशियल प्लानिंग का कोई सार्वभौमिक नियम नहीं होता। हर परिवार की आय, जिम्मेदारियां, जीवनशैली और भविष्य के लक्ष्य अलग-अलग होते हैं। किसी दूसरे का मॉडल अपनाने के बजाय अपनी परिस्थितियों के अनुसार वित्तीय व्यवस्था बनाना समझदारी है। महत्वपूर्ण बात यह है कि कोई भी निर्णय दोनों की सहमति और सुविधा से लिया जाए। आर्थिक मामलों में पारदर्शिता रिश्ते को मजबूत बनाती है।

क्या आधा-आधा खर्च बांटना सही है?

कई दंपती यह मान लेते हैं कि सभी खर्च 50-50 प्रतिशत बांट देना बराबरी का सबसे अच्छा तरीका है। लेकिन यह हर स्थिति में उचित नहीं होता। मान लीजिए पति की मासिक आय 1.50 लाख और पत्नी 50,000 रुपये कमाती हैं। यदि दोनों 40-40 हजार घर के खर्च में दें, तो पत्नी की आय का बड़ा हिस्सा खर्च हो जाएगा, जबकि पति के पास बचत और निवेश के लिए पर्याप्त राशि बची रहेगी। ऐसी व्यवस्था आर्थिक रूप से संतुलित नहीं मानी जाती क्योंकि इससे कम आय वाले साथी पर अपेक्षाकृत अधिक दबाव पड़ता है।

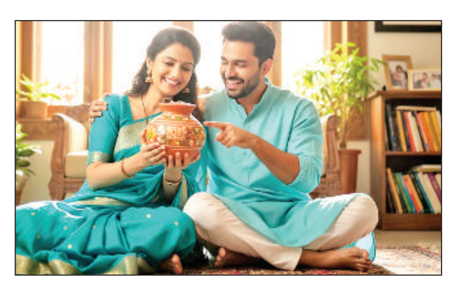

आय के अनुपात में खर्च बांटना बेहतर विकल्प

वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार यदि पति-पत्नी की आय में बड़ा अंतर है तो खर्च भी आय के अनुपात में बांटना अधिक व्यावहारिक होता है। उदाहरण के लिए यदि एक साथी कुल आय का 70 प्रतिशत कमाता है और दूसरा 30 प्रतिशत, तो साझा खर्चों में योगदान भी लगभग उसी अनुपात में रखा जा सकता है। इस व्यवस्था से दोनों के पास बचत, निवेश और व्यक्तिगत जरूरतों के लिए पर्याप्त धन बचता है।

जॉइंट अकाउंट हो सकता है अच्छा समाधान

- आज कई कामकाजी दंपती साझा खर्चों के लिए जॉइंट बैंक अकाउंट का विकल्प अपना रहे हैं।
- इस व्यवस्था में दोनों अपनी आय का एक तय हिस्सा संयुक्त खाते में जमा करते हैं। इसी खाते से घर का किराया, ईएमआई, राशन, बिजली-पानी, बच्चों की फीस और अन्य साझा खर्च पूरे किए जाते हैं। वहीं शेष राशि दोनों अपने व्यक्तिगत खातों में रखते हैं, जिससे उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता भी मिलती है। इससे न तो हर छोटे खर्च का हिसाब देना पड़ता है और न ही वित्तीय तनाव बढ़ता है।

बचत और निवेश की भी संयुक्त रणनीति बनाएं

घर का बजट केवल खर्च तक सीमित नहीं होना चाहिए। पति-पत्नी को मिलकर भविष्य के वित्तीय लक्ष्य तय करने चाहिए। इनमें आपातकालीन फंड, बच्चों की शिक्षा, घर खरीदने, रिटायरमेंट फंड, स्वास्थ्य बीमा, जीवन बीमा, म्यूचुअल फंड एसआईपी और अन्य निवेश शामिल हो सकते हैं। दोनों नियमित निवेश करते हैं, तो आर्थिक सुरक्षा मजबूत होती है।

पैसों पर खुलकर बात करना जरूरी

भारतीय परिवारों में अक्सर पैसों को लेकर खुलकर चर्चा नहीं होती। यही भविष्य में गलतफहमियों और विवादों का कारण बन सकता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि पति-पत्नी को अपनी आय, खर्च, कर्ज, निवेश और भविष्य की योजनाओं पर नियमित रूप से बातचीत करनी चाहिए।

इन गलतियों से बचें

- एक-दूसरे से आय या कर्ज की जानकारी छिपाना।
- बिना चर्चा के बड़े वित्तीय फैसले लेना।
- केवल एक व्यक्ति पर पूरे परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी डाल देना।
- आपातकालीन फंड न बनाना।
- बीमा और निवेश को नजरअंदाज करना।
- हर खर्च का अत्यधिक हिसाब से तनाव पैदा करना।

एसआईपी और एसडब्ल्यूपी की स्मार्ट रणनीति से रिटायरमेंट के बाद मिल सकती है नियमित आय

1,000 रुपये की एसआईपी से बन सकता 1 करोड़ का रिटायरमेंट फंड

हर वर्ष 10% बढ़ाएं एसआईपी कंपाउंडिंग की ताकत से तैयार होगा बड़ा कॉर्पस

बिजनेस डेस्क

रिटायरमेंट के लिए बड़ा फंड बनाने के लिए हमेशा मोटी सैलरी होना जरूरी नहीं है। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि यदि निवेशक कम उम्र में नियमित निवेश शुरू करे, हर साल निवेश बढ़ाता रहे और लंबी अवधि तक अनुशासन बनाए रखे, तो छोटी-सी एसआईपी भी करोड़ों रुपये का रिटायरमेंट फंड तैयार कर सकती है। इसके बाद उसी फंड से सिस्टेमैटिक विदड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) के जरिए हर महीने नियमित आय भी प्राप्त की जा सकती है। दरअसल, एसआईपी और एसडब्ल्यूपी एक-दूसरे के पूरक हैं। जहां एसआईपी नौकरी के दौरान धीरे-धीरे संपत्ति बनाने का माध्यम है, वहीं एसडब्ल्यूपी रिटायरमेंट के बाद उसी संपत्ति को नियमित मासिक आय में बदलने का तरीका है। यदि दोनों का सही तरीके से उपयोग किया जाए तो व्यक्ति बिना आर्थिक तनाव के रिटायरमेंट का जीवन बिता सकता है।

कैसे काम करती है एसआईपी+ एसडब्ल्यूपी रणनीति

मान लीजिए कोई व्यक्ति 28 वर्ष की उम्र में नौकरी शुरू करता है और हर महीने केवल 1,000 की एसआईपी शुरू करता है। वह अपनी आय बढ़ने के साथ हर साल एसआईपी की राशि में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी करता है और 60 वर्ष की उम्र तक लगातार निवेश करता रहता है।

इस उदाहरण से समझें

- निवेश शुरू करने की आयु : 28 वर्ष
- शुरुआती एसआईपी : 1,000 प्रति माह
- हर साल एसआईपी में बढ़ोतरी : 10%
- अनुमानित वार्षिक रिटर्न : 12%
- निवेश अवधि : 32 वर्ष

यह भी जानें

- कुल निवेश : 24.13 लाख रुपये
- अनुमानित फंड : 1.05 करोड़ रुपये
- कुल लाभ : लगभग 80.98 लाख रुपये
- यानी निवेशक ने करीब 24 लाख रुपये जमा किए, लेकिन कंपाउंडिंग और नियमित निवेश बढ़ाने की वजह से रिटायरमेंट तक उसका फंड एक करोड़ रुपये से अधिक हो गया।

असली ताकत है स्टेप अप एसआईपी

इस उदाहरण की सबसे महत्वपूर्ण बात 1,000 रुपये की शुरुआती एसआईपी नहीं, बल्कि हर साल उसमें 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। अधिकांश लोगों की आय समय के साथ बढ़ती है। यदि वे हर साल अपनी एसआईपी भी बढ़ाते रहें तो बिना अतिरिक्त आर्थिक दबाव के बड़ी पूंजी तैयार की जा सकती है। यदि एसआईपी की राशि पूरे 32 वर्षों तक 1,000 रुपये ही रखी जाए तो एक करोड़ रुपये का लक्ष्य हासिल करना बेहद मुश्किल होगा। इसलिए हर वेतन वृद्धि के साथ एसआईपी बढ़ाने की आदत लंबी अवधि में लाखों रुपये का अतिरिक्त लाभ दिला सकती है।

क्या 12% रिटर्न की उम्मीद वाजिब है?

- इस उदाहरण में 12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न केवल गणना के लिए लिया गया है। यह कोई गारंटीड रिटर्न नहीं है।
- हालांकि पिछले कई वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि फ्लेक्सी कैप, मल्टी कैप, लार्ज एंड मिडकैप और कई इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने लंबी अवधि में लगभग इसी स्तर या इससे अधिक का औसत रिटर्न दिया है। हालांकि बाजार जोखिम हमेशा बना रहता है और किसी भी वर्ष रिटर्न कम या ज्यादा हो सकता है।

रिटायरमेंट बाद कैसे मिलेगी हर माह आय

रिटायरमेंट के बाद सबसे बड़ी चुनौती होती है नियमित आय का स्रोत बनाए रखना। यही काम एसडब्ल्यूपी करता है। मान लीजिए रिटायरमेंट के समय निवेशक के पास 1.50 करोड़ रुपये का फंड है और वह इसे किसी मीडियम ड्यूरेशन डेट फंड या कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड में निवेश करता है।

यदि निम्नलिखित मान्यताएं ली जाएं

- निवेश राशि : 1.50 करोड़ रुपये
- अनुमानित वार्षिक रिटर्न : 6%
- मासिक निकासी : 1 लाख
- निकासी अवधि : 12 वर्ष
- इस अवधि में कुल निकासी : 1.44 करोड़ रुपये
- निकासी के दौरान अर्जित लाभ: लगभग 43.13 लाख रुपये
- 12 वर्ष बाद बची राशि : लगभग 4.13 लाख रुपये
- इस तरह निवेशक पूरे 12 वर्षों तक हर महीने 1 लाख प्राप्त कर सकता है, जबकि शेष राशि निवेशित रहकर रिटर्न भी अर्जित करती रहती है।

एसडब्ल्यूपी क्यों है बेहतर विकल्प

यदि रिटायरमेंट के समय पूरी राशि एक साथ निकाल ली जाए तो उसके जल्दी खत्म होने का खतरा रहता है। इसके विपरीत एसडब्ल्यूपी में केवल जरूरत के अनुसार हर महीने निश्चित राशि निकाली जाती है और बाकी पैसा निवेशित रहता है। इससे फंड अधिक समय तक चलता है और नियमित आय भी मिलती रहती है।

विशेषज्ञों के अनुसार एसडब्ल्यूपी पारंपरिक पेंशन की तरह नियमित नकदी प्रवाह उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

किन बातों का रखें ध्यान

- इक्विटी में 12% और डेट फंड में 6% रिटर्न की कोई गारंटी नहीं होती।
- रिटायरमेंट के नजदीक आते समय पोर्टफोलियो में जोखिम धीरे-धीरे कम करना चाहिए।
- महंगाई को ध्यान में रखते हुए रिटायरमेंट फंड का लक्ष्य तय करें।
- एसडब्ल्यूपी की मासिक राशि अपने खर्च और उपलब्ध कॉर्पस के अनुसार निर्धारित करें।
- समय-समय पर निवेश की समीक्षा करते रहें।

ऐसे समझें पूरा गणित

एसआईपी चरण

●शुरुआत : 28 वर्ष की आयु ●मासिक एसआईपी : 1,000 रुपये ●हर साल बढ़ोतरी : 10% ●अवधि : 32 वर्ष ●अनुमानित रिटर्न : 12% ●कुल निवेश : 24.13 लाख रुपये ●अनुमानित फंड : 1.05 करोड़ रुपये

एसडब्ल्यूपी चरण

● शुरुआती फंड : 1.50 करोड़ रुपये ● अनुमानित रिटर्न : 6% ●मासिक निकासी : 1 लाख रुपये ●अवधि : 12 वर्ष ●कुल निकासी : 1.44 करोड़ रुपये

आषाढ़ बीतने वाला है, सावन का महीना शुरू होने वाला है। रिमझिम फुहारों से भीगी हरी-भरी प्रकृति और मन को प्रफुल्लित करने का यह मौसम हमें आमंत्रित करता है कि आइए, एक बार फिर अपने बचपन में लौट जाएं। बारिश की फुहारों में तन मन को भिगो लें, अपनों के संग यादगार पल बिता लें, उनके साथ झूम लें। यकीन मानिए, ये पल आप कभी नहीं भूल पाएंगे।

आइए फिर बन जाएं बच्चे
रिमझिम बारिश का लें जी भर मजा

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

आधुनिक भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी में अगर बारिश के मौसम का असली आनंद लेना है, तो हमें अपने भीतर के बचपन को फिर से जगाना होगा। यानी आने वाले सावन-भादो के दिनों का मजा लेने के लिए बन जाएं बच्चे, थोड़े से अक्ल के कच्चे। तर्क, समझदारी और दुनियादारी के बोझ को किनारे रखकर, एक बच्चे जैसी मासूमियत और बेफिक्री से इस मौसम को जीना सीख लें तो पूरे साल जीवन ऊर्जा से लबरेज रह सकते हैं।

समेट लें हर बूंद: बारिश के ये भीगे-भीगे दिन साल में एक बार आते हैं और हमें यह संदेश देते हैं कि जिंदगी सिर्फ काम करने, पैसे कमाने और जिम्मेदारियां निभाने का नाम ही नहीं है। इस मौसम के बहाने प्रकृति हमें खुलकर हंसने, भीगने और गाने का न्यौता देती है। इसलिए इन दिनों में अपनी सारी 'अक्लमंदी' को कुछ दिनों के लिए आराम करने भेज दीजिए। दिल से पूरी तरह 'बच्चे' बनिए और सावन-भादो की हर एक बूंद को अपने भीतर समेट लीजिए। क्योंकि समझदारी में भले ही सुरक्षा हो, पर असली आनंद तो बेफिक्री की मासूमियत में ही मिलती है।

तर्क छोड़ लें आनंद: बड़े होने पर हम हर चीज में नफा-नुकसान, सही-गलत और लॉजिक ढूंढ़ने लगते हैं। बारिश का यह मौसम तर्क का नहीं, बल्कि अहसास का उत्सव है। जब आसमान से बूंदें गिरती हैं, तो एक समझदार व्यक्ति कपड़े भीगने या बीमार पड़ने के डर से छतरी तान लेता है। इसके विपरीत, मासूम बच्चे बिना किसी बचाव के बारिश की बूंदों का मजा लेने लगते हैं। बारिश का असली मजा लेने के लिए पहली शर्त यही है कि हम कुछ समय के लिए अपनी प्रौढ़ उम्र की समझदारी को भूलकर प्रकृति के इस उपहार को स्वीकार करें।

भीगने का बेबाक उल्लास: छत पर जाकर या सड़कों पर बाहें फैलाकर आसमान से गिरती बूंदों को अपने चेहरे पर महसूस करना एक थेरेपी की तरह है। जब आप 'बच्चे' बन जाते हैं, तो आपको इस बात की परवाह नहीं होती कि लोग क्या कहेंगे या आपके जूते खराब हो जाएंगे। बारिश का पानी हमारे तन के साथ-साथ मन के तनाव को भी धो देता है। यह बेफिक्री ही बारिश को खास बनाती है।

कागज की कश्ती से दोस्ती: 'वो कागज की कश्ती, वो बारिश का पानी।' मशहूर शायर सुदर्शन फाकिर द्वारा लिखी यह बेहद खूबसूरत नज्म वर्षा ऋतु से जुड़ी यादों को सामने ले आती है। बचपन में घंटों बैठकर रंग-बिरंगे कागजों से नाव बनाना और उन्हें बहते पानी में छोड़ना एक अलग ही रोमांच देता था। जब नाव किसी बाधा को पार कर आगे निकल जाती, तो मन खुशी से झूम उठता था। क्यों न एक बार फिर बच्चा बनकर कागज की कश्ती को बहते पानी में बहाएं। महसूस करें कि छोटी-छोटी चीजों में कितनी बड़ी खुशियां छिपी होती हैं!

नहीं भूलेगी सोंधी महक: तपती गर्मी के बाद जब बारिश की पहली फुहार सूखी धरती पर पड़ती है, तो उससे उठने वाली सोंधी महक आत्मा को तृप्त कर देती है। बारिश में भीगते, मिट्टी में खेलने के दौरान बच्चे इस सोंधी महक से भी जुड़ जाते हैं। आज कंक्रीट के जंगलों और 'स्क्रीन टाइम' के दौर में, बारिश हमें वापस मिट्टी की ओर खींचता है। बिना चप्पल पहने हरी घास और गीली मिट्टी पर चलकर देखिए, यह अनुभूति आप भूल नहीं पाएंगे।

झूले पर पींग बढ़ाने का रोमांच: सावन-भादो के मौसम में पुराने समय में बाग-बगीचों में पेड़ों की डालियों पर रस्सियों के झूले डाले जाते थे। किशोरियां और महिलाएं मिलकर लोकगीत गाती थीं और आसमान छूने की होड़ में पींग बढ़ाती थीं। हवा के झोंकों के साथ ऊपर जाना और फिर तेजी से नीचे आना, दिल की धड़कनों को बढ़ा देता था। आज भले ही वो बाग कम हो गए हों, लेकिन किसी पार्क में या घर की बालकनी में एक छोटा-सा झूला डालकर भीगी हवाओं का आनंद लिया ही जा सकता है। इससे हमारे भीतर का बाल-मन जीवंत हो उठेगा।

फायदेमंद है अक्ल का कच्चापन: 'अक्ल का कच्चा' होने का मतलब मूर्ख होना नहीं, बल्कि 'ओवरथिंकिंग' से मुक्त होना है। बारिश की बूंदें हमसे कहती हैं कि इस पल में जियो। जैसे बच्चे को कल की चिंता नहीं होती, वैसे ही कुछ घंटों के लिए अपनी अक्ल और चिंताओं को ताले में बंद कर देना ही आनंद मार्ग का दरवाजा खोलता है।

लजीज पकवानों का लें मजा: रसोई से घेवर, मालपुए, मूंगदाल के चीले, गरमा-गरम पकौड़े और अदरक वाली चाय की खुशबू, बारिश के मौसम का लुत्फ और बढ़ा देती है। अगर आप समझदार बने रहेंगे तो हमेशा कैलोरी, डाइट और फैट के हिसाब-किताब में उलझे रहेंगे। लेकिन बारिश का मजा तो तब आएगा, जब आप बच्चे की तरह बिना किसी गिल्ट के लजीज व्यंजनों का स्वाद लेंगे।

हरियाली को निहारने का सुख: एक बच्चा प्रकृति के इस बदलाव को बड़े कौतूहल से देखता है। पत्तियों पर अटकी बूंदें, रेंगते हुए छोटे कीट और इंद्रधनुष उसे मोहित कर देते हैं। जब हम एक बच्चे की विस्मय भरी नजरों से इस हरियाली को देखते हैं, तो हमें भी हर शय आकर्षक लगने लगती है। *

गीत-संगीत के संग थिरकन

बारिश सिर्फ देखने या छूने का नहीं, बल्कि सुनने का भी मौसम है। बादलों की गड़गड़ाहट, मेंढकों की टर्र-टर्र, झींगुरों की आवाज और पत्तियों पर गिरती बूंदों का अपना एक संगीत होता है। इसके साथ ही, लोकगीतों और कजरी की परंपरा इस मौसम को संगीतमय बनाती है। कुछ पल के लिए जब आप बच्चे बनते हैं, तो झिझक छोड़कर संगीत की धुन पर अपने परिजन या दोस्तों के संग झूम उठते हैं। बारिश के गानों पर जी भर झूमना या नाचना, मन के भीतर दबे हुए सारे गुबार को बाहर निकाल देता है।

संगीत-कला-मनोरंजन के साथ
सुधरे स्वास्थ्य-बढ़े आयु

अगर आप लंबे समय तक स्वस्थ रहना चाहते हैं, अपनी मेमोरी, सुकून और आयु बढ़ाना चाहते हैं तो अपनी व्यस्त दिनचर्या में से कुछ समय अपने मनोरंजन के लिए निकालिए। कला और संगीत का जीवन पर कैसा सकारात्मक असर पड़ता है, इसका खुलासा हाल में एक स्टडी में हुआ है।

लाइफस्टाइल
अंजू जैन

अगली बार जब आप अपने साप्ताहिक बजट या वीकेंड की योजना बनाएं, तो उसमें केवल मॉल जाने या रेस्टोरेंट में खाना खाने का कार्यक्रम न रखें, बल्कि किसी स्थानीय कला प्रदर्शनी का टिकट लें, किसी नाटक के दर्शक बनें या लाइव संगीत की महफिल का हिस्सा बनें। इससे आपके स्वास्थ्य और जीवन पर सकारात्मक असर पड़ेगा।

क्या कहती है स्टडी: वैज्ञानिकों द्वारा किया गया अध्ययन इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि कला कोई विलासिता नहीं, बल्कि दीर्घायु और स्वस्थ जीवन के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता है। जाहिर है, कला पर खर्च किया गया आपका समय और पैसा केवल मनोरंजन पर नहीं, बल्कि आपके जीवन के कीमती और स्वस्थ वर्षों को बढ़ाने पर निवेश है। सीधी-सी बात है कि कला से जुड़िए और लंबी उम्र पाइए।

स्टडी का तरीका: जापान के नेशनल सेंटर फॉर जेरियाट्रिक्स एंड जेरोंटोलॉजी और यूके के शोधकर्ताओं ने लगभग 10 से अधिक वर्षों तक हजारों वयस्कों के जीवन चक्र और उनकी सांस्कृतिक आदतों का विश्लेषण किया। वैज्ञानिकों ने डीएनए प्रणालियों और कोशिकाओं के बूढ़े होने की गति को मापा। इस शोध से जो बातें सामने आईं, उनसे यह साबित हुआ है कि सिनेमा, संगीत कार्यक्रम और कला प्रदर्शनियों में भाग लेने से इंसान की जैविक उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। नियमित रूप से सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रहने वाले लोगों की उम्र न केवल लंबी होती है, बल्कि उनका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी काफी बेहतर रहता है। इस शोध में शामिल वैज्ञानिकों ने पाया कि जो लोग सप्ताह में कम से कम एक बार किसी सांस्कृतिक गतिविधि (जैसे फिल्म, नाटक या संगीत) का हिस्सा बनते हैं, उनकी जैविक उम्र न जाने वालों की तुलना में लगभग एक वर्ष कम पाई गई। कलात्मक गतिविधियों में सक्रियता से शरीर के बूढ़े होने की वार्षिक दर में करीब 4 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई है। जापान दुनिया में सबसे अधिक औसत आयु वाले देशों में शीर्ष पर है, जिसका एक बड़ा कारण वहां की जीवनशैली है। जब बुजुर्ग या वयस्क किसी पेंटिंग, प्रदर्शनी या लाइव कॉन्सर्ट में जाते हैं, तो उन्हें न केवल मानसिक संतोष मिलता है, बल्कि वे समाज के अन्य लोगों से भी जुड़ते हैं।

व्यायाम जैसा प्रभाव: वैज्ञानिकों का मानना है कि नियमित रूप से कला दीर्घाओं या संगीत समारोहों में जाना शरीर पर उतना ही सकारात्मक जैविक प्रभाव डालता है, जितना कि नियमित व्यायाम करना या धूम्रपान/शराब जैसी लत को छोड़ना।

शारीरिक-मानसिक तंत्र पर प्रभाव: यह शोध केवल सतही आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरा न्यूरोलॉजिकल और बायोलॉजिकल विज्ञान काम करता है। जब हम किसी मूवी, म्यूजिक कंसर्ट या आर्ट एग्जीबिशन का हिस्सा बनते हैं, तो हमारे शरीर में कई बदलाव होते हैं। जैसे- कलात्मक माहौल में समय बिताने से मस्तिष्क में तनाव पैदा करने वाले हार्मोन 'कोर्टिसोल' का स्तर तुरंत गिर जाता है। इससे हृदय स्वास्थ्य बेहतर होता है और असमय आने वाले हार्ट अटैक का खतरा कम होता है। म्यूजिक कंसर्ट की धुनें या किसी फिल्म की सम्मोहक कहानी हमारे मस्तिष्क में डोपामाइन, ऑक्सीटोसिन और एंडोर्फिन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर को रिलीज करती हैं। ये हार्मोन दर्द कम करते हैं, मूड बेहतर बनाते हैं और शरीर में हीलिंग की प्रक्रिया को तेज करते हैं। उम्र बढ़ने और अंगों के खराब होने का बड़ा कारण शरीर के अंदरूनी हिस्सों में होने वाली सूजन है। जो लोग कलात्मक अभिव्यक्तियों से जुड़े, उनके शरीर में 'साइटोकिंस' (सूजन बढ़ाने वाले प्रोटीन) का स्तर कम पाया गया, जिससे इम्यून सिस्टम मजबूत बना रहता है।

अकेलापन वृद्ध अवस्था में एक साइलेंट किलर की तरह काम करता है। थिएटर और कंसर्ट हॉल जैसे सार्वजनिक स्थान लोगों को एक साझा मंच प्रदान करते हैं, जिससे सामाजिक अलगाव खत्म होता है और जीवन जीने की इच्छा मजबूत होती है। *

गीत
प्रो. शरद नारायण खरे

बरखा की बहार

ताल-तलैयां रीत गए थे नदियां भी थीं सूखी।
बुझा-बुझा मन रहता था और काया भी थी रूखी।।
बरखा की बूंदों से पर अब, मिला खुशी का खत है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।
कंठ शुष्क थे, जी घुटता था, बेचैनी मुस्काती।
सारा आलम व्यथित हुआ था, सांसें भी थम जाती
हरियाली धरती पर बिखरी, लगता सुखद सतत है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।
स्वेद बहा करता था निशिदिन पर अब जल साथी है।
आसमान से अमिय बरसता, हर शय अब गाती है।।
मौसम तो मनभावन लगता, हर पल उल्लासित है
बहुत दिनों के बाद सभी की, खिली-खिली तबियत है।।
बूंदें लाईं नवल संदेशे, अमन-चैन के मेले।
बच्चे नाव चलाते जल में, लिए हर्ष के रेले।।
जीवन को नवरूप मिला, कृषक हुआ आनंदित है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।

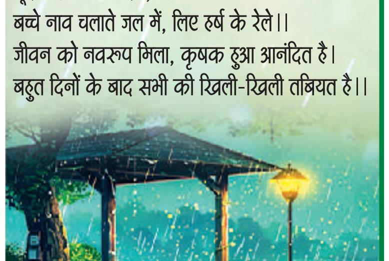

लघुकथा / संजय मृदुल

गुरु दक्षिणा

रमा ने दरवाजा खोला तो सामने एक नौजवान खड़ा था। असमंजस से डूबे हुए स्वर में रमा ने पूछा, 'जी कहिए, किससे मिलना है आपको?'

'अरे रमा आंटी! पहचाना नहीं मैं हूं रिंटू! कई साल पहले यहीं आपके पड़ोस में रहते थे ना हम।' कहकर रिंटू चुप हो गया।

'अरे हां, रिंटू! इतने सालों बाद तुम्हें यूं देखकर थोड़ी हैरान हो गई थी मैं।' रमा को याद आया तो मुस्कुराते हुए उसका हाथ पकड़ भीतर ले आई। रमा अतीत को याद करने लगी। रिंटू के पिता सरकारी कर्मचारी थे। कई साल पहले ट्रांसफर से यहां पड़ोस में रहने आए थे। दो तीन साल रहकर फिर और किसी शहर में चले गए थे।

'तुम अचानक यहां कैसे बेटा? और तुम्हे हम, ये घर याद था अब तक?' रमा ने रिंटू से प्रश्न किया। 'जी आंटी! मेरी बैंक में नौकरी लगी है और पहली पोस्टिंग इसी शहर में मिली है। कुछ दिन पहले ही आया हूं यहां। मां ने याद दिलाया कि आपसे जरूर मिलना। वैसे भी आंटी, भूलने का तो सवाल ही नहीं उठता आपको। आपकी वजह से तो आज मैं यहां तक पहुंचा हूं। आप की दी हुई सीख भूल चुका होता तो पापा की तरह शराबी, जुआरी हो गया होता।'

रमा को बिसरा हुआ सब याद आने लगा। रिंटू के पिता आदतन शराबी थे। करेला और नीम चढ़ा यह कि जुए का भी जबरदस्त नशा था। आए दिन घर पर महाभारत होता। रिंटू की मां भी परिस्थितियों के कारण गुस्सैल हो गई थी। रोज-रोज की मारपीट, झगड़े ने रिंटू का बचपन छीन लिया था। जैसे ही शाम होती वो भागकर रमा के घर आ जाता। जब तक उसके पिता की आवाज आनी बंद नहीं होती, तब तक उन्हीं के पास दुबका रहता। रमा को भी उस नन्हे बच्चे पर तरस आता। उसे खाने को देती, पढ़ाती, नई बातें सिखाती।

'क्या सोचने लगी आंटी? मैं आपसे ही मिलने आया हूं। आज गुरु पूर्णिमा भी है तो और कभी इससे शुभ मुहूर्त नहीं मिलता आपसे मिलने आपका आशीर्वाद लेने का।' रिंटू की बात सुनकर रमा वर्तमान में लौट आई। रिंटू को इस तरह खुश और विश्वास से भरा हुआ देखकर उसे अच्छा लग रहा था।

'घर में सब कैसे हैं रिंटू?' रमा ने रिंटू से पूछा। 'सब कौन आंटी? मैं और मां ही हैं। पापा तो कुछ साल पहले चल बसे। उनकी जगह मां को नौकरी मिल गई।' कुछ ठहरकर रिंटू फिर बोला, 'याद है आंटी, जब मैं रोज आपके यहां आकर छुपता था, आप कितना समझाती थीं मुझे। जब हम शहर छोड़कर जाने वाले थे आपने एक बात कही थी उसी बात ने मुझे आज यह मुकाम दिया है।'

'ऐसा क्या कहा था मैंने? मुझे तो याद नहीं।' रमा ने सवाल किया।

'हमारे घर की हालत तो आपको याद होगी। जब हम शहर छोड़कर जाने वाले थे, तब आपने मुझसे कहा था- रिंटू! कमल केवल कीचड़ में ही खिलता है। तुम्हारे घर के हालात कितने भी खराब हों तुम कभी अपने पापा की तरह बनने की सोचना भी मत। हमेशा सोचना कि कैसे इनके तरह ना बनूं? खूब पढ़ना, मेहनत करना, अपनी मां को सारी खुशियां देना। देखना एक दिन तुम्हारे पापा भी समझ जाएंगे सुधर जाएंगे। बस सब्र रखना। ...और आंटी जी, मैंने आपकी बात को गांठ बांध लिया। जितनी भी मुश्किल आई, हार नहीं माना। घर में जितना भी माहौल खराब रहा, मां को समझाता रहा कि एक दिन सब अच्छा हो जाएगा। और देखिए आज मैं एक अच्छी नौकरी पर हूं। बस दुःख यही है कि पापा नहीं है। उन्हें भी खुशी तो होती आज।' रिंटू भावुक हो गया। 'बिल्कुल होती बेटा। कौन सा बाप बेटे की सफलता पर खुश नहीं होता। भले ही उन्होंने कितने गलत काम किए...' रमा बोली। 'जी आंटी। आपने जो भी सिखाया था उसी का यह परिणाम है।' कहते हुए रिंटू ने अपने बैग में से कुछ सामान निकाला, 'ये मेरी तरफ से कुछ भेंट है, मेरी तरफ से गुरु दक्षिणा मान कर स्वीकार कर लीजिए।' रमा की आंखों में आंसू झिलमिला उठे। स्नेह से रिंटू के सिर पर हाथ फेरा। वाकई कीचड़ में कमल खिलते देख लिया था उसने। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

समय-समाज की कहानियां

गत वर्ष दिवंगत हुए प्रखर कथाकार अवधेश प्रीत की नई कहानियों के संग्रह 'मिनी और अन्य कहानियां' में बारह कहानियां संकलित हैं। इन कहानियों में जहां एक ओर लेखक की वह गहन दृष्टि नजर आती है, जिससे वे अपने समय में होने वाले विचलन को लक्षित करते हैं, साथ ही राजनीतिक और सामाजिक सरोकारों को लेकर उनकी प्रतिबद्धता भी प्रकट होती है। शीर्षक कहानी 'मिनी' का फलक अत्यंत विस्तृत है, जिसमें मीडिया की भूमिका, लोगों के चारित्रिक क्षरण और स्त्री चेतना को स्वर दिया गया है। 'ये शरीफ लोग' कहानी हमारे समय की राजनीति और समाज के उस स्याह यथार्थ को सामने लाती है, जिसमें एक स्त्री भरपूर संकल्प के साथ संघर्ष के लिए कदम तो बढ़ाती है लेकिन लोगों के संबल के अभाव में हार मान लेती है। 'बारिश' कहानी आम इंसान के रोजमर्रा के खटराग और उसके अंतर्द्वंद्व को सामने लाती है। 'कॉफी' एक वृद्ध दंपती की भावनाओं और उनके अतीत की स्मृतियों को व्यक्त करती है तो 'उस मोड़ का अफसाना' अपने-अपने दांपत्य जीवन से आबद्ध दो सहेलियों के अतीत और वर्तमान प्रेम संबंध की कोमल-खुरदरी अनुभूतियों को पूरी भावुकता से स्वर देती है। पठनीयता से भरपूर और भाषा में स्थानीयता की सोंधी गंध लिए ये कहानियां, आत्मविवेचन के लिए भी प्रेरित करती हैं। *

किताब: मिनी और अन्य कहानियां(कहानी-संग्रह), **लेखक:** अवधेश प्रीत,
मूल्य: 299 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

खबर संक्षेप

सोनिया वोटर लिस्ट विवाद 13 को आएगा फैसला

नई दिल्ली। मतदाता सूची मामले में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग वाली याचिका पर राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश कोर्ट ने फैसला टाल दिया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि मामले में आदेश 13 अगस्त को सुनाया जाएगा। अदालत ने सोनिया गांधी और शिकायतकर्ता विकास त्रिपाठी को एक अगस्त तक अपनी लिखित दलीलें दाखिल करने का समय भी दिया है। शिकायतकर्ता विकास त्रिपाठी ने अदालत से सोनिया गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने का निर्देश देने की मांग की है। उनका आरोप है कि सोनिया गांधी का नाम वर्ष 1980 में नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में दर्ज कर लिया गया था, जबकि उन्हें भारतीय नागरिकता अप्रैल 1983 में मिली थी। शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि उनका नाम वर्ष 1980 में मतदाता सूची में जोड़ा गया, वर्ष 1982 में हटाया गया और फिर वर्ष 1983 में दोबारा शामिल किया गया।

'वारिस पंजाब दे' का वांटेड गिरफ्तार

चंडीगढ़। इंडो-नेपाल सीमा पर एसएसबी और पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। खालिस्तानी अलगाववादी संगठन 'वारिस पंजाब दे' से जुड़े वांटेड बिक्रमजीत सिंह और बिना वीजा भारत में घुस रहे एक सिख अमेरिकी नागरिक को गिरफ्तार किया है। इस पूरे मामले में मदद करने वाले 3 स्थानीय लोगों समेत कुल 5 गिरफ्तार हुए हैं। भारत-नेपाल सीमा पर स्थित रूपईडीहा से सशस्त्र सीमा बल की 42वीं बटालियन और पुलिस ने 22 जुलाई को गुप्त सूचना के आधार पर ये कार्रवाई की। एसएसबी ने अवैध रास्ते से नेपाल से भारत में घुसने की कोशिश कर रहे वांटेड अभियुक्त बिक्रमजीत सिंह और अमेरिकी नागरिक मनबीर सिंह ढिल्लों को पकड़ा। साथ ही उनकी मदद करने वाले तीन स्थानीय सहयोगियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

जो शिक्षा और शिक्षा नीति संस्कारों का विस्तार न कर सके, वह व्यर्थः डॉ. हिमांशु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| वाराणसी

अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र द्वारा शब्दन फाउंडेशन के सहयोग से भारतीय ज्ञान परम्परा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति विषय पर शनिवार को व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में हरिभूमि एवं आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी शामिल हुए। अपने व्याख्यान में डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने कहा कि शिक्षा में किए जा रहे नए नीतिगत बदलावों का मुख्य उद्देश्य मनुष्य को संवेदनशील बनाना है।

उन्होंने कहा कि जो शिक्षा और शिक्षा नीति संस्कारों का विस्तार न कर सके, वह व्यर्थ है। डॉ. द्विवेदी ने पौराणिक एवं धार्मिक कथाओं के समृद्ध स्वरूप के माध्यम से अपने तर्कों को प्रस्तुत करते हुए व्याख्यान को सार्थक बनाया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शिवेंद्र राणा ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन अश्विनी सिंह ने किया।

अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र वाराणसी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति विषय पर व्याख्यान

संस्कारों के बिना शिक्षा अधूरी है

इस दौरान मुख्य वक्ता के रूप में बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह एवं प्रो. गुरुप्रसाद सिंह, पशुपालन विभाग, बीएचयू उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. प्रेम नारायण सिंह, निदेशक, अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र, वाराणसी ने की। स्वागत वक्तव्य एवं विषय प्रवेश पर बोलते हुए प्रो. गुरुप्रसाद सिंह ने शिक्षा के सहकार का अर्थ बताते हुए कहा कि जिस शिक्षा की अवधारणा को हम आत्मसात करना चाहते हैं, वह संस्कारों के बिना अधूरी है।

सभी को समान शिक्षा मिले

मुख्य वक्ता बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह ने शिक्षा की प्रशासनिक एवं आर्थिक स्वायत्तता की बात कही। साथ ही उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि परिसर में सभी को समान शिक्षा मिले। उन्होंने आजादी के बाद से वर्तमान तक की शिक्षा नीतियों की समीक्षा प्रस्तुत करते हुए उनकी विवेचना की।

अकबर के बाद मोदी सरकार के 12 साल के कार्यकाल में है यह दूसरा इस्तीफा

प्रधान का इस्तीफा, सरकार के लिए झटका यह उस पीढ़ी की जीत, जिसे कहा गया कॉकरोच

जेन-जी के आंदोलन और विपक्ष के दबाव से आना पड़ा बैकफुट पर

नीट पेपर लीक पर मचे बवाल और देशभर में चल रहे आंदोलन के बाद आखिरकार केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया। प्रधान का इस्तीफा उस पीढ़ी की जीत है, जिसे काकरोच यानी 'तिलचट्टा' कहा गया। मोदी सरकार किसान आंदोलन से नहीं झुकी, सीएए-एनआरसी के विरोध से नहीं डिगी, कोविड मैनेजमेंट की आलोचना से नहीं हिली, उसी सरकार को जेन-जी ने बैकफुट पर आने को मजबूर कर दिया।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रधान का इस्तीफा मोदी सरकार के 12 साल के कार्यकाल में दूसरा इस्तीफा है। पहला 2018 में एमजे अकबर का था, जिन्होंने #मीटू आंदोलन के बीच इस्तीफा दिया था।

प्रधान का जाना सिर्फ एक मंत्री का जाना नहीं है। यह बीजेपी के लिए 2014 के बाद का अब तक का सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है। यह उस पार्टी के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ है जिसने एक दशक तक विपक्ष, किसानों और संस्थाओं को झुकते देखा था।

जमीनी मूड को नहीं पढ़ पाई

बीजेपी की सबसे बड़ी ताकत जमीनी मूड को पढ़ने और उसी के हिसाब से नैरेटिव को कंट्रोल करने की क्षमता थी। लेकिन इस बार पार्टी ने अपना यह सबसे बड़ा एज खो दिया। नीट पेपर लीक के विरोध को शुरू में एक 'ऑनलाइन मजाक' समझा गया, लेकिन यह 'मजाक' सीजेपी में बदल गया, जिसे दुनिया भर ने 'जेन-जी आंदोलन' करार दिया। जब सोनम वांगचुक का अनशन चल रहा था, तब तक कोई सुर्खी नहीं बन पाई थी। लेकिन जैसे ही सरकार ने उन्हें सफेद चादर में लपेटकर अस्पताल पहुंचाया, वो वीडियो इंस्टाग्राम से एक्स तक वायरल हो गया। एक ऐसी पीढ़ी ने उन्हें चुनौती दी, जिसे 'सिख अलगाववादी', 'मुस्लिम आतंकवादी' या 'पाकिस्तानी घुसपैठिया' नहीं कहा जा सकता था। वो उनकी अपनी हिंदू, मिडिल-क्लास और पढ़ी-लिखी संतानें थीं।

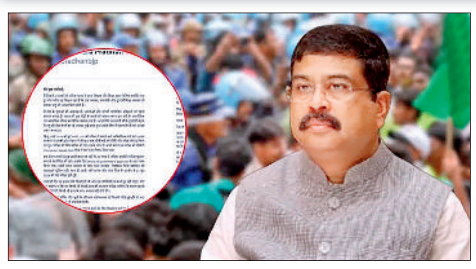

पार्टी के भीतर का 'भूचाल'

यह इस्तीफा सिर्फ बाहरी दबाव नहीं था, बल्कि बीजेपी के भीतर के सियासी भूचाल को भी दिखाता है। प्रधान सिर्फ एक मंत्री नहीं, बल्कि ओडिशा में बीजेपी के 20 सांसदों के 'नेता' थे। जब उन पर इस्तीफे का दबाव बढ़ा, तो उन्होंने 22 जुलाई को इन 20 सांसदों के साथ एक फोटो पोस्ट करके स्पष्ट संकेत दिया। 'मुझे हटाने की कोशिश करो और देखो क्या होता है।' यह इस्तीफा दिखाता है कि बीजेपी के अंदरूनी गलियारों में भी दरार आ गई है।

विपक्ष को मिली बड़ी जीत'

बीजेपी 12 सालों से विपक्ष को 'नाकाम' करने में माहिर रही है। किसान आंदोलन से लेकर सीएए तक, कांग्रेस कभी भी बीजेपी को पीछे हटाने में कामयाब नहीं हुई। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। राहुल गांधी ने 21 जुलाई को पीएम आवास के बाहर धरना दिया। पुलिस का उन्हें उठाकर ले जाने वाले कारनामे ने सियासी मैसेज दे दिया। सीजेपी की मांगों के साथ विपक्ष का यह तालमेल बीजेपी के लिए मुश्किल बना। अगर प्रधान को हटाया जाता, तो इसका पूरा श्रेय राहुल गांधी और सीजेपी को जाता। इस वजह बीजेपी ने पूरी कोशिश की कि प्रधान न हटे, लेकिन आखिरकार ऐसा ही हुआ. यह मोदी सरकार के खिलाफ राहुल गांधी की पहली बड़ी राजनीतिक जीत है।

12 साल की छवि का पूरा ढांचा ढह गया

बीजेपी ने 12 सालों में एक सख्त छवि बनाई थी कि कोई भी सड़क पर उतरकर मंत्री का इस्तीफा नहीं निकाल सकता। 2020 का किसान आंदोलन हो, सीएए का विरोध हो, या 2021 का कोविड प्रबंधन, सरकार कभी नहीं झुकी। बीजेपी का स्टैंड था कि 'हमारे मंत्रियों को इस्तीफा नहीं देना पड़ता।' लेकिन 26 जुलाई को वो स्टैंड ढह गया। यानी जिस सरकार ने 'मजबूत' और 'अडिग' होने का नारा दिया, उसे जेन-जी के सामने झुकना पड़ा।

नीट पेपर लीक : शनिवार को भी देशभर में प्रदर्शन

सीवान में पथराव से एसपी घायल यूपी-एमपी, राजस्थान में भी हंगामा

एजेंसी ▶▶| पटना

नीट पेपर लीक मामले और लाठीचार्ज के खिलाफ छात्रों का प्रदर्शन देशभर में शनिवार को भी प्रदर्शन किया। बिहार में बंद के दौरान पटना और सीवान सहित 8 जिलों में छात्रों ने पुलिस पर पथराव किया। सीवान में भीड़ को हटाने के लिए पुलिस ने पहले आंसू गैस के गोले दागे गए। 10 राउंड से ज्यादा सीधी फायरिंग हुई है।

प्रदर्शनकारी की पत्थर से सीवान एसपी पूरन झा के हाथ में चोट लगी है। करीब 6 जिलों में पत्थर चले हैं। इधर, छपरा में छात्रों ने उग्र प्रदर्शन करते हुए सरकारी बिल्डिंग में चढ़कर पोस्टर फाड़े। पुलिस बैरिकेडिंग लेकर भागते नजर आए। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज, लखनऊ और सहारनपुर समेत कई शहरों में प्रदर्शन हुए। प्रयागराज में 10 हजार लोगों ने भारी बारिश का बावजूद सड़कों पर प्रदर्शन किया।

इस्तीफे के बाद जश्न भी

शनिवार को मध्यप्रदेश के 20 शहरों में प्रदर्शन हुए। इंदौर में प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद खुशी मनाते हुए मिठाई बांटी और धरना खत्म करने का ऐलान कर दिया। प्रयागराज में भी छात्र जश्न मना रहे हैं। जयपुर, राजस्थान में शहीद स्मारक पर बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स जुटे हैं। इस्तीफे की जानकारी के बाद बड़ी संख्या में छात्र नाच-गाकर खुशियां मनाईं। पंजाब के जालंधर में बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स डीसी ऑफिस घेरने पहुंचे। उनका कहना है प्रधान का इस्तीफा स्वीकार होना चाहिए।

रेड्डी कतर में भारत के नए राजदूत नियुक्त

नई दिल्ली। वरिष्ठ राजनयिक के. श्रीकर रेड्डी को कतर में भारत का नया राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को उनकी नियुक्ति की घोषणा की। भारतीय विदेश सेवा के 2001 बैच के अधिकारी रेड्डी फिलहाल अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्यदूत के रूप में कार्यरत हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह जल्द ही दोहा में अपनी नई जिम्मेदारी संभालेंगे। रेड्डी कतर में मौजूदा भारतीय राजदूत विपुल का स्थान लेंगे। नियुक्ति ऐसे समय हुई है, जब भारत और कतर के बीच ऊर्जा, व्यापार, निवेश तथा प्रवासी भारतीयों से जुड़े संबंध महत्वपूर्ण बने हुए हैं।

दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी अरामको पर हुआ बड़ा हमला

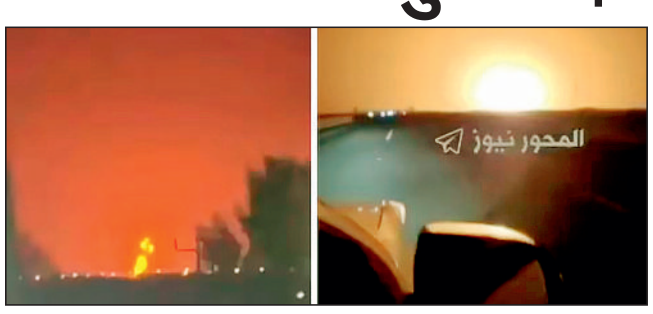

एजेंसी ▶▶| दुबई

सऊदी अरब में एक बार फिर टेंशन बढ़ गई है। यमन से दागे गए मिसाइल और ड्रोन हमलों ने जिजान के एक अहम औद्योगिक शहर और अरामको से जुड़ी तेल सुविधा को निशाना बनाया। हमले के बाद कई इलाकों की बिजली गुल हो गई और यनबू प्रांत के लिए इमरजेंसी अलर्ट जारी करना पड़ा। सऊदी और यमन के बीच दुश्मनी एक बार फिर अपने चरम पर पहुंचती दिख रही है।

अरब मीडिया सूत्रों के मुताबिक यमन की तरफ से किए गए जवाबी हमलों में सऊदी अरब के 3 बड़े इलाके प्रभावित हुए जिजान, यनबू और दमाम. सबसे बड़ी चिंता की बात ये रही कि अरामको से जुड़ी एक तेल सुविधा को भी टारगेट किया गया।

अरामको दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी है और इसका किसी भी हमले की चपेट में आना ग्लोबल तेल मार्केट के लिए बड़ा झटका माना जाता है। हमले के तुरंत बाद कई इलाकों में ब्लैकआउट हो गया। सऊदी सिविल डिफेंस ने यनबू प्रांत के लिए नेशनल अर्ली वार्निंग प्लेटफॉर्म पर इमरजेंसी अलर्ट जारी कर दिया है।

टाइमिंग क्यों अहम है?

ये हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे क्षेत्रीय युद्ध की वजह से पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव है। शुक्रवार देर रात सऊदी अरब ने खुद यमन के हूती नियंत्रित शहर होदेइदा पर हमले किए थे। इसके जवाब में हूती विदेश मंत्रालय ने चेतावनी दी थी कि ये हमला सऊदी अरब को महंगा पड़ेगा। हूती से जुड़े अल-मसीरा टीवी के अनुसार होदेइदा में दूरसंचार प्राधिकरण की सुविधाओं को निशाना बनाया गया और कमरान द्वीप पर भी हमले हुए, जिसमें एक महिला घायल हुई।

बाल सुधार गृह के 43 बाल बंदी संक्रमित, स्वास्थ्य विभाग में मचा हड़कंप

बोकारो। झारखंड के बोकारो जिले के चास स्थित बाल सुधार गृह में फ्लू संक्रमण के कई मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। बाल सुधार गृह में रह रहे कुल 43 बाल बंदियों में से 20 फ्लू से संक्रमित पाए गए हैं। संक्रमण की पुष्टि होते ही सभी बच्चों को स्वास्थ्य जांच के लिए बोकारो सदर अस्पताल लाया गया। अस्पताल में चिकित्सकीय परीक्षण के दौरान एक बाल बंदी की हालत गंभीर पाई गई। डॉक्टरों ने उसे तुरंत सदर अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया। चिकित्सकों की टीम उसकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। जबकि बाकी बच्चों की भी विस्तृत स्वास्थ्य जांच की गई। संक्रमण की खबर सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। अस्पताल में जांच के दौरान सभी बच्चों की मेडिकल स्क्रीनिंग की गई ताकि संक्रमण की गंभीरता का सही आकलन किया जा सके।

होर्मुज में 'दिशा' पर मिसाइल हमला, 28 भारतीय सुरक्षित

नई दिल्ली। पश्चिम-एशिया क्षेत्र में एक बार फिर से शुरू हुए युद्ध के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य मां तनाव काफी बढ़ गया है। इस बीच मोजाम्बिक के ध्वज वाले एक एलपीजी टैंकर 'दिशा' पर मिसाइल हमले की जानकारी सामने आई है। जिसमें यह पता चला है कि टैंकर में सवार चालक दल के सभी 28 भारतीय नागरिकों को किसी तरह का कोई नुकसान नहीं पहुंचा है और वह पूरी तरह से सुरक्षित हैं। यह घटना बीते शुक्रवार को जलडमरूमध्य के पास ईरान के जलक्षेत्र में हुई थी। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि वह घटना के तुरंत बाद से स्थानीय ईरानी अधिकारियों के संपर्क में बने हुए हैं। यहां बता दें कि अमेरिका-इजरायल द्वारा इस साल 28 फरवरी को ईरान पर किए गए हमले के बाद इस युद्ध की शुरुआत हुई थी। जिसके बाद जून में दोनों पक्षों में दो महीने का सीजफायर हुआ था। जो बीच में ही टूट गया और फिर एक बार से यह युद्ध भड़क गया है।

संवाद-कूटनीति से निकले समाधान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस संघर्ष के बीच कई मौकों पर पश्चिम-एशिया के अलावा खाड़ी क्षेत्र के कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ हुई बातचीत में साफ शब्दों में भारत का इस मामले पर बना हुआ पक्ष साझा करते हुए कहा है कि पश्चिम-एशिया सहित दुनिया के कई भागों में जारी संघर्षों का समाधान बातचीत और कूटनीति के माध्यम से ही निकाला जाना चाहिए। जिसमें सभी भागीदार पक्षों की भूमिका होनी चाहिए। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर पीएम मोदी का यह कहना रहा है कि विवादों का समाधान युद्धक्षेत्र में नहीं निकाला जा सकता है। वार्ता और कूटनीति ही इनका एकमात्र हल हो सकता है। महिलाओं और बच्चों को निशाना बनाया जाना किसी भी सूरत में उचित नहीं है।

राशिफल

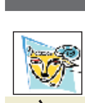
मेष — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

वृष — कारोबार से आय में वृद्धि होगी। मानसिक तनाव ये परेशान हो सकते हैं। खर्चों की अधिकता एवं आय में कमी से चिन्तित रहेंगे।

मिथुन — कारोबार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों में सफलता मिलेगी। क्रोध की अधिकता रहेगी।

कर्क — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। कारोबार में सुधार होगा। भाग-दौड़ की अधिकता रहेगी। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी।

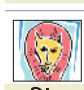
सिंह — सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाणी में सौम्यता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता में कमी भी आ सकती है। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे।

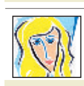
कन्या — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। खर्च की अधिकता से परेशान हो सकते हैं।

तुला — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में कमी एवं खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मन में प्रसन्नता के भाव रहेंगे।

वृश्चिक — कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। खर्च भी बढ़ेंगे। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। वाणी में कठोरता का प्रभाव रहेगा। बातचीत में सन्तुलित रहें।

धनु — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन कष्टमय रहेगा।

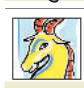
मकर — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु परिवार में सामन्जस्य बनाये रखने के प्रयास करें। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में वृद्धि होगी।

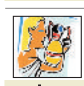
कुंभ — परिवार का साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाइयां आ सकती हैं। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक कार्यों में कठिनाइयां आ सकती हैं।

मीन — परिश्रम अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मन में नकारात्मकता का प्रभाव रहेगा। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

शब्द पहेली - 6298

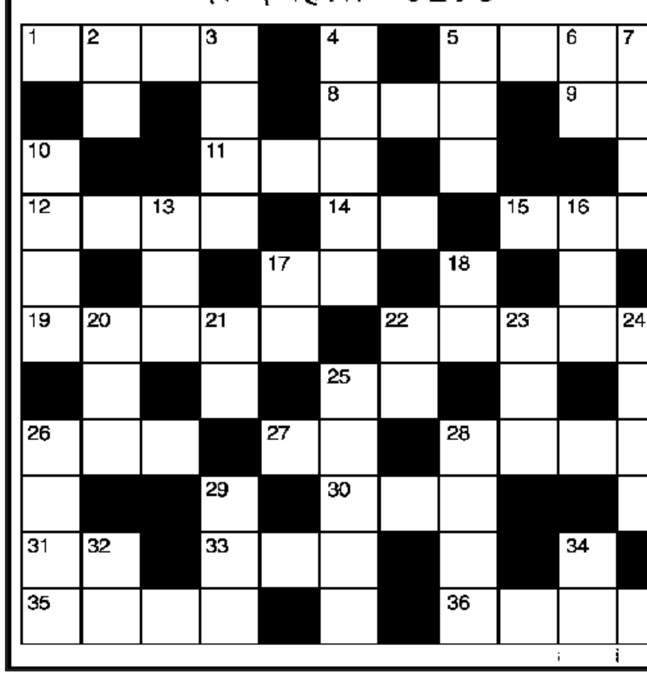

बाएँ से दाए
1. धरोहर, थाती-4
5. अकबर के नवरत्नों में से एक-4
8. गुणगान-3
9. प्रेम (अंग्रेजी-2)
11. भरोसा, विश्वास-3
12. दुःख, परेशानी, कष्ट-4
14. हिंदू कैलेंडर में एक माह-2
15. गागर, घड़ा-3
17. जांघ-2
19. असावधान-5
22. करतूत, होशियारी-5
25. डूबा हुआ, समाप्त-2
26. तीक्ष्ण, तेज-3
27. अधर्म, अपकृत्य-2
28. मनमौजी, चंचल-4
30. हत्या, वध-3
31. पंख-2
33. मायका-3
35. व्यापार, व्यवसाय (उर्दू-4)
36. कृपा, रहम (उर्दू-4)

ऊपर से नीचे
2. फूलों का हार-2
3. वेश्या, कोठे पर नाचनेवाली-4
4. शांति, सुख-चैन-3,2
5. अस्वस्थ, मरीज-3
6. दम, ताकत-2
7. भगवान राम के पुत्र-2,2
10. उन्मत, मदमस्त-4
13. दिलीप कुमार व वैजयंती माला की फिल्म (3)
16. बोलने का तरीका-3
17. रास्ता-2
18. पराया-2
20. परीक्षा-3
21. वचन-2
22. खेती-2
23. अभिमान-3
24. फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान खान की मां-2,2
25. बलपूर्वक उठा ले जाना-5
26. ईश्वर, राजा-4
28. मन को अच्छा लगने वाला-4
29. शाप से पीड़ित-3
32. अवकाश, मंजूरी-2
34. संध्या-2

शब्द पहेली- 6297 का हल

■	रा	ज	कु	मा	र	■	म	नो	ह	र
वी	र	■	ली	■	ख	न	न	■	र	वा
ल	■	जा	न	व	र	■	न	ल	■	य
त	न	य	■	■	खा	र	■	की	म	त
खा	■	दा	■	ना	व	■	ब	■	दा	■
ना	र	द	मु	नी	■	प	र	ब	री	श
■	स्ता	■	ख	■	स	द	■	र्ष	■	क
भ	र	ना	■	स	भा	■	■	मा	हि	र
या	■	का	का	■	भ	हा	प	न	■	कं
न	न	■	त	ना	व	■	ह	■	दा	द
क	म	जो	र	■	न	ग	र	वा	सी	■

सूडोकु नवताल - 6308

★★★★☆ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6307 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

प्रथम पृष्ठ का शेष

'कॉकरोच' खा गया कुर्सी शिक्षामंत्री ...

व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय नहीं है। इस बीच, छात्रों के आंदोलन की अगुवाई कर रही कॉजपा ने घोषणा की कि वह केंद्र सरकार से नीट प्रश्नपत्र लीक विवाद के बाद कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिजन को एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने और 20 जुलाई को संगठन के 'संसद चलो' मार्च में शामिल प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी वापस लेने का आश्वासन मिलने के बाद अपना विरोध-प्रदर्शन तत्काल प्रभाव से समाप्त कर रही है। कॉजपा प्रवक्ता सौरव दास ने यहां कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक के बाद कहा, हम सभी प्रदर्शनकारियों से अपने-अपने घर लौटने का आग्रह करते हैं, क्योंकि सरकार ने हमारी मांगें मान ली हैं।/"वहीं, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने संवाददाताओं से कहा कि सरकार प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकियों को वापस लेने के लिए कदम उठाएगी। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में प्रधान सार्वजनिक विवाद के बाद इस्तीफा देने वाले दूसरे केंद्रीय मंत्री हैं। उनसे पहले एमजे अकबर ने 2018 में विदेश राज्य मंत्री के पद से उस समय इस्तीफा दे दिया था, जब मीटू आंदोलन के दौरान उन पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगे थे। प्रधान का इस्तीफा परीक्षा में गड़बड़ियों को लेकर जताई जा रही चिंताओं को दूर करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से विभिन्न उपाय घोषित किए जाने के एक दिन बाद आया। इन उपायों में प्रश्नपत्र लीक में शामिल लोगों के लिए कड़ी सजा का प्रावधान करने वाला कानून लाना और तेजी से सुनवाई के लिए त्वरित अदालत बनाना शामिल है। परीक्षा प्रणाली में सुधार, नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में जवाबदेही तय करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉजपा के नेतृत्व में जंतर-मंतर पर 20 जून को छात्रों का विरोध-प्रदर्शन शुरू हुआ था। कॉजपा एक व्यंग्यात्मक ऑनलाइन मंच है, जिसकी स्थापना आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व पदाधिकारी अभिजीत दीपके ने की है। धीरे-धीरे यह हाल के समय के युवाओं के नेतृत्व वाले सबसे अहम आंदोलनों में से एक बन गया। प्रधान के इस्तीफे के कुछ समय बाद सरकार और कॉजपा के बीच शनिवार को एक और बैठक हुई। यह कॉजपा और सरकार के बीच चौथी आधिकारिक बैठक थी। इस बैठक में केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व केंद्रीय मंत्री नड्डा और जितेंद्र सिंह ने किया, जबकि कॉजपा प्रतिनिधिमंडल में संगठन के प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका शामिल थे। नड्डा ने 20 जुलाई को अपने आवास पर दास और रांका के साथ एक के बाद एक दो बैठकें की थीं। उसी दिन हजारों प्रदर्शनकारियों ने संगठन के 'संसद चलो' आह्वान पर संसद की ओर मार्च शुरू किया था, लेकिन पुलिस ने लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल करके उन्हें पीछे धकेल दिया था। इस दौरान कई लोग घायल हुए थे।

अबूझमाड़ में आईटीबीपी ने ...

फीट लंबे लकड़ी के फुट सस्पेंशन ब्रिज का लोकार्पण हाल ही में केंद्रीय सीमांत मुख्यालय के महानिरीक्षक अजय पाल सिंह ने किया। यह पुल क्षेत्र के ग्रामीणों, विद्यार्थियों एवं सुरक्षा बलों के लिए वर्षभर सुरक्षित और सुगम आवागमन का माध्यम बनेगा। लगभग 250 फीट लंबे, 5 फीट चौड़े और 15 फीट ऊँचे इस सस्पेंशन ब्रिज का निर्माण आईटीबीपी के जवानों तथा स्थानीय ग्रामीणों के संयुक्त श्रमदान एवं स्थानीय संसाधनों के उपयोग से किया गया है। बरसात के दौरान जाटलूर नाला उफान पर होने से आवागमन बाधित हो जाता था, जिससे ग्रामीणों और स्कूली विद्यार्थियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। पुल के निर्माण से अब इस समस्या का स्थायी समाधान हो गया है और आवागमन अधिक सुरक्षित एवं निर्बाध हो सकेगा। कार्यक्रम के दौरान पुल निर्माण में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अधिकारियों एवं जवानों को महानिरीक्षक अजय पाल सिंह ने प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने घोषणा की कि इस नव-निर्मित सस्पेंशन ब्रिज का नाम नक्सल विरोधी अभियान में सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद अमोल माधव राव महस्के की स्मृति में रखा जाएगा।

गुहार लगाकर थक चुके तो ग्रामीणों ने...

एक दर्दनाक हादसे में होनहार युवक बृजलाल बोगा की नदी में गिरने से मौत हो गई। पल्लेमाड़ी माइंस से निकलने वाला लाल पानी इसी रस्ते से गुजरता है, जिससे आवागमन जानलेवा हो जाता है। वर्तमान में ग्रामीण एवं स्कूली बच्चे वन विभाग द्वारा बनाई गई पुराने पुलिया के अवशेषों पर बांस का टट्टे (अस्थाई ढांचा) रखकर जान जोखिम में डालकर पार कर रहे हैं।

खुद के खर्च से बना दिया 65 फीट...

पुलिया का विधि-विधान से पूजा अर्चना कर स्वनिर्मित पुल का उद्घाटन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि वर्षों से इस नाले में पुलिया बनाने के लिये हर तरह से प्रयास किये गये पर आश्वासन के सिवाय कुछ हासिल नहीं हुआ। जिसके पश्चात ग्रामवासियों ने गांव में बैठक कर पुलिया निर्माण के लिए संकल्प लिया और सभी ने मिलजुलकर पुलिया बनाने का काम प्रारम्भ किया। इस कार्य में लगभग एक माह का समय लगा। गांव के प्रमुख सियान खुलाश राम वर्मा, राम्हू पैकरा, पीताम्बर पैकरा ने बताया कि पुल निर्माण के साथ गांव वालों के आम निस्तार के अलावा नदी के पार स्थित पलारी, रोहांसी तरफ से आने वाले लोगों के आवागमन की सुविधा होगी, जिससे अमेठी घाट से कसडोल, तुरतुरिया जाने आने वालों को 8 कि.मी. की बचत के साथ समय और धन की भी बचत होगी। ग्राम दौनाझर व घिरघोल के ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास से बने पुलिया का अंचल के ग्रामीण सराहना कर रहे हैं। है। इस कार्य में खुलास राम वर्मा, रामहू पैकरा, केदार ध्रुव, पिताम्बर पैकरा, अंजोर दास, रुखमणी बाई, कुंती बाई, मती बाई, मनकी बाई, हीरा बाई, डिगेश पैकरा, दर्शन दास, करण निषाद, मनहरण यादव, पीताम्बर पैकरा, ईश्वरी प्रसाद वर्मा, मनीराम, महेंद्र, योगेश आदि की सक्रिय भूमिका रही।

छह साल से जर्जर पुलिया की ग्रामीणों ने....

पुलिया को आवागमन योग्य बना दिया। ग्रामीणों के अनुसार जर्जर पुलिया के कारण सैयाभाठा सहित आसपास के ग्रामीणों को बारिश के मौसम में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। सरकारी तंत्र की उदासीनता से निराश ग्रामीणों ने आपसी सहयोग से चंदा एकत्र किया और श्रमदान करते हुए ईंट, सीमेंट तथा मुरम से पुलिया की मरम्मत कर उसे दोपहिया और पैदल आवागमन के लिए सुरक्षित बना दिया। ग्रामीणों की यह पहल सामाजिक एकजुटता, जनभागीदारी और आत्मनिर्भरता का प्रेरक उदाहरण बनकर सामने आई है। गांव के लोगों ने साबित कर दिया कि सामूहिक प्रयास से बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान संभव है।

जान जोखिम में डालकर...

सरपंच दुर्गा नाग ने बताया कि चितापुर व धुरवारास के बीच बना विशाल पुल 11 माह पूर्व 26 अगस्त 2025 को आई बाढ़ के चलते दो भागों में विभाजित हो गया था। आज भी पुल की स्थिति जस की तस बनी हुई है। बीते कुछ दिनों से हो रही बारिश के चलते बच्चों को स्कूल जाने व ग्रामीणों को रोजमर्रा के काम के लिए कई किमी घुमकर आना जाना करना पड़ रहा था। वहीं शार्टकट के चक्कर में कुछ ग्रामीण व स्कूली बच्चे इसी टूटे पुल के नीचे से जान जोखिम में डालकर आवाजाही कर रहे थे। बच्चों की जान को आफत में देखकर ग्रामीणों ने जहां चाह वहां राह के मुहावरे को चरितार्थ करते हुए उसी टूटे पुल के नीचे से मिट्टी व लकड़ी से राह बना लिया और अब ग्रामीण व बच्चे इसी मार्ग से आवाजाही कर रहे है। चितापुर के पंचायत सचिव धरमुराम पुजारी ने बताया कि अधिक बारिश होने से यह मार्ग भी बंद हो जाएगा क्योंकि टूटे पुल के नीचे पानी का बहाव काफी तेज हो जाता है जिससे बनाया गया अस्थाई मार्ग के बहने का खतरा बना हुआ है।

एनएच से जोड़ती है यही सड़क

श्रमदान कर अस्थाई मार्ग निर्माण करने वाले सरपंच पति हीरालाल नाग, उप सरपंच पति तुलाराम कश्यप, पंच कोयाराम नाग, फूलो, ग्रामसभा अध्यक्ष लखमूराम नाग, गंगाराम, सीताराम, चैतन नाग आदि ने बताया कि चितापुर आवाजाही के लिए यही सड़क राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 को राजूर से जोडती है। इसके अलावा धुरवारास और राजूर तक पहुंचने के लिए कई किमी दूर घूमकर आना-जाना पड़ता था।

जरूरतमंद हो रहे परेशान

सरपंच दुर्गा नाग ने बताया कि चितापुर पंचायत में प्रायमरी, मिडिल, हाईस्कूल से लेकर आश्रम शाला भी संचालित है जहां तीन सौ से अधिक बच्चे अध्ययनरत हैं। इसके अलावा अस्पताल, जिला सहकारी बैंक, एटीएम च्वाइस सेंटर आदि की सुविधा के लिए जरूरतमंदो को कई किलोमीटर चक्कर लगाकर आना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया टूटने के कारण बीमारों को अस्पताल ले जाने में भी दिक्कत हो रही है उनको कई किमी घूमकर दूसरे रास्ते से आना-जाना पड़ रहा है।

गुजरात-असम में कहर, छत्तीसगढ़...

में बाढ़ पीड़ित लोगों के प्रति संवेदना जताई है। इधर, मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के मुताबिक 26 जुलाई को उत्तर भारत से लेकर पूर्वी और मध्य भारत तक कई राज्यों में मौसम बेहद खराब रह सकता है। कई इलाकों में 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है, जबकि कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि और अत्यधिक बारिश भी हो सकती है। पहाड़ी राज्यों में भूस्खलन और अचानक बाढ़ का खतरा बना हुआ है। वहीं मैदानी इलाकों में जलभराव, पेड़ गिरने और बिजली आपूर्ति प्रभावित होने जैसी समस्याएं सामने आ सकती हैं। अगर आप कहीं यात्रा करने की योजना बना रहे हैं तो घर से निकलने से पहले मौसम विभाग का ताजा अपडेट जरूर देख लें। मछुआरों, किसानों और नदी किनारे रहने वाले लोगों को विशेष सतर्क रहने की सलाह दी गई है। आइए जानते हैं 26 जुलाई को किस राज्य और किन जिलों में मौसम कैसा रहने वाला है।

जन्मदिन मनाने गए दो बच्चे ...

बाद घटनास्थल से एक किलोमीटर दूर रेहान खान का शव मिला, जिसे पुलिस को सौंपा गया। आरव की तलाश अब भी जारी है। खबर लिखे जाने तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। बताया गया कि 19 अप्रैल को भी दो युवकों की डूबने से यहां मौत हुई थी। लगातार हो रहे हादसों के बाद लोगों ने नदी के खतरनाक हिस्से में सुरक्षा व्यवस्था, चेतावनी बोर्ड और निगरानी बढ़ाने की मांग की है।

सीबीआई के बाद अब ईडी ने ...

सोनवानी से सीजीपीएससी भर्ती घोटाले की राशि को किस तरह से मैनेज करने के साथ किन किन लोगों तक पहुंचाया गया, इसकी जांच करेगी। इसके साथ ही घोटाले की रकम में से उन्हें कितनी राशि प्राप्त हुई, ईडी के अधिकारी इस एंगल से उनसे पूछताछ करेंगे।

अब तक की जांच में यह तथ्य सामने...

डिप्टी कलेक्टर बन गए। प्रश्नपत्र छापने का काम कोलकाता की एक प्रिंटिंग कंपनी को दिया गया था। जनवरी 2021 में कंपनी का कर्मचारी महेश दास 7 सेट प्रश्नपत्र लेकर रायपुर आया। उसने ये सभी पर्चे आरती वासनिक को सौंपे। आरती पर्चे घर ले गई, जहां टामन और ललित के साथ मिलकर उनकी कॉपी की गई। इसके बाद पर्चों को दोबारा सील कर प्रिंटिंग के लिए वापस भेज दिया गया।

बच्चों को प्यार दें, उनके सवालों का...

असल में 'इमोशनल कोशेंट' (ईक्यू या भावनात्मक समझ) ही मायने रखता है। सिर्फ 'इंटेलिजेंस कोशेंट' (आईक्यू या बौद्धिक क्षमता) काफी नहीं है। हमने ऐसे बहुत से होनहार लोगों को देखा है, जो जिंदगी में नाकाम हो जाते हैं, क्योंकि वे मुश्किलों या असफलताओं का सामना नहीं कर पाते। उन्होंने माता-पिता से आग्रह किया कि वे सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव से निपटने के मामले में खुद मिसाल बनें, क्योंकि बच्चे घर पर जो देखते हैं, उसी को अपनाते हैं। भागवत ने विश्वमांगल्य सभा की ओर से शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में 'युगानुकूल मातृत्व' विषय पर अपने भाषण के बाद सवाल-जवाब सत्र में कहा कि माता-पिता को शुरुआती वर्षों में बच्चों के चरित्र-निर्माण पर ध्यान देना चाहिए और जैसे-जैसे वे बड़े हों, उन्हें धीरे-धीरे ज्यादा आजादी देनी चाहिए। संघ प्रमुख ने कहा, मूल्य थोपे नहीं जा सकते। ये बड़ों के आचरण को देखकर स्वाभाविक रूप से अपनाए जाते हैं। इन्हें सिर्फ इसलिए नहीं अपनाया जाता कि कोई कहे, 'यह अच्छा है, इसलिए इसे करो।' ये देखने और अपनाने से ही किसी के चरित्र का हिस्सा बनते हैं।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छ.ग.)

मुख्य कार्यालय-साकेत भवन, आई.टी.आई. चौक, कोरबा (छ.ग.)
विद्युत शाखा

फा.क्र./1538, 1539, 1540, 1541/ विद्युत शाखा/2026/
कोरबा, दिनांक 20.07.2026

निविदा आमंत्रण की सूचना

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा लोक निर्माण विभाग (विद्युत कार्य) से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी वर्ग-डी एवं प्रवर श्रेणी में एवं छ.ग. अनुज्ञापन मंडल (विद्युत) में उचित श्रेणी में विद्युतीकरण कार्य हेतु पंजीकृत ए क्लास लाईसेंसी ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों के भाग-अ हेतु प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग (विद्युत) रायपुर द्वारा दिनांक 10.04.2024 से प्रभावशील दर अनुसूची पर (निविदा खुलने के दिनांक तक समस्त संशोधनों के साथ) कम अधिक या समान दरों एवं कार्य के भाग-ब हेतु शेड्यूल अनुसार आइटम दर पर मैन्युअल निविदा वेबसाईट से डाउनलोड कर त्रि-लिफाफा पद्धति माध्यम से आमंत्रित की जाती है :-

निर्धारित प्रारूप में निविदा प्रपत्र प्राप्त होने की अंतिम- 14.08.2026 सायंकाल 3:00 बजे तक।
निविदा खुलने की अंतिम तिथि- 14.08.2026 सायंकाल 4:00 बजे तक

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि रू. में
1	दर्री बाजार में 16 मीटर हाईमास्ट लाईट प्रदाय एवं स्थापना कार्य। (जिला खनिज संस्थान न्यास मद) (प्रथम निविदा)	4,17,615/-	4,200/-
2	बरमपुर चौक में 16 मीटर हाईमास्ट लाईट प्रदाय एवं स्थापना कार्य। (जिला खनिज संस्थान न्यास. मद) (प्रथम निविदा)	4,11,955/-	4,150/-
3	सर्वमंगला चौक में 30 मीटर हाईमास्ट लाईट प्रदाय एवं स्थापना कार्य। (जिला खनिज संस्थान न्यास मद) (प्रथम निविदा)	7,55,837/-	5,700/-
4	ईमलीछापर चौक में 30 मीटर हाईमास्ट लाईट प्रदाय एवं स्थापना कार्य। (जिला खनिज संस्थान न्यास मद) (प्रथम निविदा)	7,55,837/-	5,700/-

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाइट Website : www.korbamunicipal.in एवं www.uad.cg.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है। ।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें।।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम, कोरबा (छ.ग.)

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग
» बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड
» बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें।
रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें

सीला मलहम®
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देखें
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- घर हेतु अनुभवी रसोइया चाहिए केवल शाकाहारी भोजन बनाने में दक्ष, साफ सफाई का विशेष ध्यान रखने वाला तथा ईमानदार हो, आकर्षक वेतन कार्यस्थल- न्यू सरकंडा, बिलासपुर सम्पर्क करें- 7000549730 (41496)

आवश्यकता है- शहर के प्रतिष्ठित गर्ल्स हॉस्टल में अनुभवी वार्डन, अकाउंटेंट, ड्राइवर एवं महिला सफाई कर्मचारियों की तुरन्त आवश्यकता है। आकर्षक वेतन। इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- 7000390346, 7987562430, 97559 96699 (41501)

आवश्यकता है- टायर एण्ड सर्विस दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी एलाइनमेन्ट टेक्नीशियन, कार वाशिंग हेतु मेहनती लड़के चाहिए वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- गुरुकृपा टायर्स एण्ड सर्विसेज गाँधी चौक बिलासपुर 9827168468 (41497)

आवश्यकता है- मशरूम स्पान (बीज) बनाने हेतु 8वीं पास 18वर्ष से 25वर्ष के लड़के एवं लड़कियां चाहिए। सम्पर्क करें- श्याम मशरूम एण्ड एग्रो, अशोक नगर चौक, सीपत रोड, सरकंडा बिलासपुर 8085730725 (41489)

आवश्यकता है- डिस्ट्रीब्यूटर के यहां सेल्स/मार्केटिंग डिलीवरी ब्वॉय एवं एकाउण्टेंट की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करे- 9981137187 (41500)

आवश्यकता है- कार चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर (वेतन- 11000 से 12000 सुबह 9बजे से शाम 7बजे) आफिस रिसेप्शनिष्ट लड़की/युवती (वेतन 9000 से 10000) सम्पर्क- JBS Infra Property jp Residency तोरवा 9300000195 (41498)

आवश्यकता है- सुरक्षा एजेन्सी के अन्तर्गत कार शोरुम में इच्छुक गार्ड (आयु 30 वर्ष से 45वर्ष एवं ऊंचाई 5'-5" हो तथा योग्यता 12वीं पास होना चाहिए। वेतनमान 11500 से शुरु इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- सुबह 10बजे से शाम 6बजे तक उमा सिक्युरिटी सर्विसेज बहतराई स्टेडियम चौक 9981630084 99816 30042 (41495)

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में दवाइयाँ निकालने, पैकिंग कार्य के लिए सिर्फ ब्वॉयज की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- मेलाराम हेमन्त कुमार, शॉप नं.-54, मेडिकल कॉम्प्लेक्स, तेलीपारा, बिलासपुर 7999934599 (2753)

आवश्यकता है- कम्प्यूटर ऑपरेटर चाहिए (कम्प्यूटर एवं ऑफिस कार्य एवं ई-मेल चेक कर जवाब देने का अनुभव रखने वालों को प्राथमिकता) कार्य स्थल- सिरगिट्टी, बिलासपुर। अपना रिज्यूम व्हाट्सएप्प नंबर 9111035252 पर भेजे। (41486)

आवश्यकता है- कार्टून पैकिंग एवं दुकान में कार्य करने हेतु मेहनती युवक/युवती एवं बिलिंग कार्य हेतु अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर की आवश्यकता है संपर्क करें मालिकराम मेडिकल एजेंसी तेलीपारा बिलासपुर (41478)

आवश्यकता है- मेडिकल सर्जिकल ऑफिस में कार्य हेतु लड़कियों (योग्यता 12वीं से ग्रेजुएट) एवं साफ सफाई हेतु लड़कियों की आवश्यकता है (कार्य समय- 10घंटे) सम्पर्क- श्रीविनायक सेल्स ए/158, अज्ञेय नगर बिलासपुर 9893367787 (41493)

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड- 17000 सुपरवाइजर- 18000 फील्ड अधिकारी- 16000 कंप्यूटर ऑपरेटर- 15000 वेतन योग्यतानुसार मेस सुविधा आवास भोजन फ्री संपर्क- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय 06 जे.शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 77470 00016, 7747000019, 7746000019 (891)

आवश्यकता है- कास्मेटिक दुकान मे कार्य करने हेतु सेल्समेन एवं जनरल कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है। संपर्क करें सुनील प्लास्टिक, तेलीपारा अजीत होटल के सामने बिलासपुर (41474)

आवश्यकता है- घर में रहकर झाड़ू पोछा एवं साफ सफाई कार्य करने हेतु पुरुष कर्मचारी या लड़के की आवश्यकता है। दोपहर 12बजे के बाद सम्पर्क करें- 9827195555 (41485)

आवश्यकता है- घर में खाना बनाने के लिए अनुभवी लेडीज कुक की आवश्कता है जो नॉनवेज भी बनाती हो। पुराना बस स्टैंड, इमलीपारा संपर्क करें 9425535359 (41488)

आवश्यकता है- अनुभवी, जिम्मेदार ड्राइवर की आवश्यकता है SUV एवं Sedan (ऑटोमैटिक) वाहन चलाने का अनुभव आवश्यक। योग्यता- वैध ड्राइविंग लाइसेंस एवं अच्छा ड्राइविंग रिकॉर्ड। वाहन की साफ, सफाई, नियमित देखभाल का ज्ञान। घरेलू एवं कार्यालय संबंधी कार्य, जैसे बाजार से सामान लाना, घर के कार्य तथा अन्य आवश्यक जिम्मेदारियाँ निभाने में सक्षम, ईमानदार, जिम्मेदार, विनम्र, समय का पाबंद। आकर्षक वेतन एवं अन्य सुविधाएँ। सम्पर्क करें- 9131312593 (41481)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए सेल्समैन लड़का एवं सेल्स गर्ल लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- अमित थ्रेड गोल बाजार बिलासपुर 982792350 (41494)

आवश्यकता है- यूपीवीसी एवं सिस्टम विंडो की बिक्री हेतु सेल्स एग्जीक्यूटिव चाहिए। वेतन अनुभव अनुसार+ इंसेंटिव। यूपीवीसी मॉड्यूलर किचन, प्लाईवुड, फर्नीचर, हार्डवेयर, बिल्डिंग मटेरियल क्षेत्र के अनुभवी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 6260435141 (41482)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता काम का समय सुबह 9.30 से रात 8.30 तक सम्पर्क करें- 7869797088, 87709 39973 (41460)

RAIPUR GREEN ENERGY PVT. LTD. (TATA MOTORS) RE-WI-RE
WE ARE HIRING!
FIELD PURCHASE EXECUTIVES (SCRAP VEHICLES)
KEY RESPONSIBILITIES
▪ Field visit to find scrap, accidental & old vehicles.
REQUIREMENTS
▪ Graduate ▪ Experience in Secondhand Sales of Automobiles or related field preferred.
EARN MORE WITH PERFORMANCE
Send your Resume on WhatsApp
CALL: 9109952355 OR 9399230747

आवश्यकता है- बिलासपुर में नेहरु नगर स्थित घर में खाना बनाने एवं गृह कार्य करने हेतु सुबह से शाम तक के लिए बाई की आवश्यकता है सम्पर्क करें 70003 70264 (41461)

बेचना है

बेचना है- मकान बिक्री हेतु सर्वसुविधायुक्त तीन मंजिला मकान 1860 वर्गफीट में निर्मित निकलेश्वरम कॉलोनी मार्क हॉस्पीटल के पास, बिलासपुर में स्थित को बेचना है। सम्पर्क करें- उत्तमकुमार दास 99931 54482, 9826182703 (41484)

बेचना है- बिलासपुर नगर निगम सीमा से मात्र 8KM दूर पर गनियारी में डायवर्टेड प्लॉट– 600/- प्रति वर्गफुट, बिना डायवर्टेड प्लॉट- 500/-, 450/-, 400/- 350/- प्रति वर्गफुट (उपलब्धता अनुसार) पहले आएँ, पहले पाएँ। केवल वास्तविक इच्छुक खरीदार ही सम्पर्क करें- 789833 3307 (41499)

बेचना है- बाबजी नगर, तिफरा स्थित 2BHK 713 वर्गफुट में निर्मित फ्लेट नम्बर A-6 तत्काल बेचना है। सम्पर्क करें- 932956 0365, 9993771201 (41487)

किराया

किराया - रामालाइफ में C-156 डुप्लेक्स 3BHK मुंगेली रोड जैन इन्टरनेशनल स्कूल के सामने। संपर्क करें मो. 9993025228, 93003 98385 (41490)

किराया - बिलासपुर नेहरू नगर में सर्वसुविधायुक्त 2BHK फर्स्ट फ्लोर में किराए से देना है गाड़ी रखने के लिये पोर्च उपलब्ध है। शासकीय कर्मचारी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9827153281 (41491)

प्रवेश प्रारंभ

प्रवेश प्रारम्भ-फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करे B.Ed, B.A, B.Com B.Sc,Bca,Mca Bba, Llb, M.A, M.Com M.Sc, Mba, Msw, B.Lib, M.Lib, Dca, Pgdca, Polyte-chnic, B.tech M.tech अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा सम्पर्क करें- Bharti Education Academy Sec.-6, Bhilai 98261 96515, 9826896515 (4157)

Advertisement Booking Time 10.30 AM To 4.00 PM

वैवाहिकी
वधु चाहिए

वैवाहिकी

उम्र-55 की, दिल बचपन का खैरागढ़ या अन्यत्र किन्तु 36गढ़ स्थित प्रशासनिक सेवारत वाले संयुक्त परिवार की पढ़ी-लिखी सम्भ्रान्त कुलीन वधु चाहिए। अपेक्षक; नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी, हरियाणा के प्रथम सुपर एडमिन, डी.डी.यू. गोरखपुर युनिवर्सिटी के कन्फाइडिंग सुपर एडमिनिस्ट्रेटर, टाइम्स ऑफ इंडिया और पुस्तक महल के रेपिडेक्स इंग्लिश लर्नर तथा भिलाई-दुर्ग रायपुर में संचालित माइंड पॉवर के संचालक होने के साथ ही साथ राज्य शैक्षिक अनुसंधान परिषद, शंकर नगर रायपुर के कन्सल्टेंट भी रहे।
व्यक्तिगत आमंत्रण
कोहका, पिन- 490023

Medicare Specialists
गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
▪ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
▪ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
▪ लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
▪ लिंग में टेढ़ापन
▪ वीर्य में शुक्राणु की कमी
▪ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
▪ पेशाब में धातु जाना
▪ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि
समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

कॉमनवेल्थ गेम्स : बाउल्स में भारत की लगातार तीसरी जीत, रूपा-पिंकी का शानदार प्रदर्शन जारी

एजेंसी ▶▶ ग्लासगो

भारतीय महिला पेयर्स लॉन बाउल्स टीम ने कॉमनवेल्थ गेम्स सेक्शनल प्ले मैच में टोंगा की पेरिस बेकर और मिलिका नाथन की कड़ी चुनौती को पार करते हुए टाईब्रेक में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस शानदार जीत में रूपा रानी टिर्की और पिंकी की अहम भूमिका निभाई। यह जीत महिलाओं के पेयर्स कॉम्पिटिशन में भारत की लगातार तीसरी जीत थी। इससे रूपा रानी टिर्की और पिंकी की सेक्शनल स्टैंडिंग में स्थिति और मजबूत हो गई। उन्होंने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा।

भारतीय जोड़ी ने गंवाया पहला सेट

भारतीय जोड़ी ने पहला सेट गंवा दिया था। टोंगा ने पहला सेट जीत 1-0 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, भारतीय जोड़ी ने दूसरे सेट में शानदार खेल के जरिए जवाब दिया। पिंकी ने रूपा रानी को गाइड किया और एक सटीक बाउल डाला जो जैक के करीब खत्म हुआ, जिससे भारत ने स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसी मोमेंटम को बनाए रखते हुए, भारतीय जोड़ी बाकी सेट पर नियंत्रण रखा और इसे 5-2 से अपने नाम कर लिया और एक और जीत के करीब पहुंच गए। जब मैच बराबरी पर था, उस समय भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया। रूपा रानी ने तीन पक्की बॉल फेंकी, जिसने भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। फिर पिंकी ने बहुत ही सटीकता से काम पूरा किया, जिससे भारत ने 2-0 से टाईब्रेक जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। रूपा और पिंकी का अगला मैच रविवार को भारतीय समयानुसार दोपहर 1 बजे नामीबिया के खिलाफ होगा।

चाड ले क्लॉस ने बनाया रिकॉर्ड, जीता 19वां पदक

एजेंसी ▶▶ ग्लासगो

दक्षिण अफ्रीका के तैराक चाड ले क्लॉस पुरुषों की चार गुणा 100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में कांस्य पदक जीतकर राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में सबसे अधिक पदक जीतने वाले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। ले क्लॉस ने राष्ट्रमंडल खेलों में 19वां पदक जीतकर ऑस्ट्रेलिया के निशानेबाज फिल एडम्स और इंग्लैंड के मिक गाल्ट को पीछे छोड़कर नया रिकॉर्ड बनाया।

इस 34 वर्षीय खिलाड़ी ने रिकॉर्ड बनाने के बाद कहा, 'भले ही मैंने कांस्य पदक जीता लेकिन यह मेरे लिए, बहुत मायने रखता है।' ले क्लॉस ने राष्ट्रमंडल खेलों में अभी तक सात स्वर्ण, चार रजत और आठ कांस्य पदक जीते हैं। वह अपनी इस संख्या को बढ़ा सकते हैं क्योंकि वह 50 और 100 मीटर बटरफ्लाई में भी अपनी चुनौती पेश करेंगे।

भारतीय तैराकों ने किया निराश

भारतीय तैराकों का राष्ट्रमंडल खेलों में प्रदर्शन निराशाजनक रहा, जिसमें धक्षन शशिकुमार और आर्यन नेहरा दोनों ही पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके। शशिकुमार ने 'टोलक्रॉस स्विमिंग सेंटर' में आयोजित 400 मीटर फ्रीस्टाइल की हीट में 27 तैराकों के बीच 3:58.09 मिनट का समय लेकर 15वां जबकि आर्यन नेहरा ने 4:00.26 मिनट के साथ 16वां स्थान हासिल किया। तीसरी हीट में उतरे शशिकुमार ने प्रतियोगिता के मध्य तक सातवें स्थान पर पहुंचकर उम्मीद जगाई, लेकिन अंतिम चरण में अपनी बढ़त बरकरार नहीं रख सके और फाइनल में प्रवेश से वंचित रह गए। चौथी हीट में प्रतिस्पर्धा कर रहे आर्यन शुरुआत से ही पिछड़ गए। मध्य चरण में वह अंतिम स्थान पर थे और अंत तक उसी स्थान पर रहे, जिसके कारण वह भी फाइनल में जगह नहीं बना सके।

खबर संक्षेप

कट हासिल करने वाली एकमात्र भारतीय बनीं दीक्षा

डंडोनल्ड लिंक्स। दीक्षा डागर दूसरे दौर में वन ओवर 73 का कार्ड खेलकर महिला स्कॉटिश ओपन में कट हासिल करने वाली एकमात्र भारतीय रहीं। अब वह 74-73 के कार्ड के साथ तीन ओवर पर हैं और संयुक्त रूप से 35वें स्थान पर हैं। प्रणवी उर्स (84-71) 11-ओवर पर रहीं और कट से चूक गईं। अवनि प्रशांत (80-77) भी कट हासिल नहीं कर सकी। दीक्षा ने दूसरे, सातवें और 14वें होल पर बर्डी लगाई लेकिन तीसरे, छठे, 13वें और 15वें होल पर शॉट ड्रॉप भी किए। फिलहाल एलईटी 'ऑर्डर ऑफ मेरिट' में शीर्ष-10 में शामिल दीक्षा को अगले हफ्ते होने वाले एआईजी वुमेंस ओपन में जगह बनाने के लिए अच्छे नतीजे की जरूरत है।

सिंगापुर चैलेंजर स्क्वाश में भारतीय चुनौती समाप्त

सिंगापुर। ओम सेमवाल, संदेश रविकुमार और रतिका सीलान क्वार्टर फाइनल में हार के साथ पीएसए सिंगापुर चैलेंजर स्क्वाश टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पुरुष एकल में चौथी वरीयता प्राप्त सेमवाल आठवें वरीय जेम्स पीच से हार गए। ब्रिटिश खिलाड़ी ने 7-11, 11-6, 7-11, 11-9, 11-7 से जीत हासिल की। पुरुष एकल के एक अन्य क्वार्टर फाइनल में रविकुमार को दक्षिण कोरिया के तीसरी वरीयता प्राप्त जियोंगमिन रियू से 9-11, 11-5, 7-11, 9-11 से हार का सामना करना पड़ा। महिला एकल में तीसरी वरीयता प्राप्त रतिका छठी वरीयता प्राप्त यू जी चेन से हार गईं। मलेशियाई खिलाड़ी ने 11-7, 12-10, 9-11, 11-0 से जीत दर्ज की।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेंगे शकील

लाहौर। अनुभवी खिलाड़ी सऊद शकील को वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट और उसके बाद इंग्लैंड में होने वाली तीन टेस्ट मैचों श्रृंखला के लिए चोटिल अब्दुल्ला फजल की जगह पाकिस्तान की टीम में शामिल किया जा सकता है। मई में बांग्लादेश में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले फजल शनिवार से तारौबा में वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच से पूर्व अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गए थे। उनके पीठ के निचले हिस्से में चोट लगी है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा कि फजल को चोट से उबरने के लिए कुछ समय की जरूरत पड़ेगी। शकील को उनकी फिटनेस और फॉर्म को देखते हुए वेस्टइंडीज के दौरे के लिए टीम में नहीं चुना गया था।

15 अगस्त से गॉल में श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच की सीरीज

अगले सप्ताह टीम इंडिया का ऐलान बुमराह की फिटनेस पर टीकी नजरें

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

श्रीलंका के खिलाफ 2 टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम की घोषणा अगले सप्ताह की जाएगी और चयन समिति की बैठक में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की फिटनेस पर गहन चर्चा होने की संभावना है। भारत 15 अगस्त को गॉल में होने वाले पहले टेस्ट मैच से दौरे की शुरुआत करेगा। दूसरा टेस्ट मैच 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। बुमराह हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे और निर्णायक मैच से बाहर रहे थे, क्योंकि उनके बाएं घुटने में चोट लग गई थी और उसमें सूजन आ गई थी।

बुमराह के फिटनेस पर नजर

इस घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने बताया, 'हम उनके ठीक होने की प्रक्रिया पर नजर रख रहे हैं। टेस्ट श्रृंखला शुरू होने में अभी तीन सप्ताह का समय है, इसलिए, उनके पास ठीक होने और श्रीलंका में टीम से जुड़ने के लिए पर्याप्त समय है।' भारतीय टीम 4 अगस्त तक श्रीलंका पहुंच जाएगी और वहां की परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने के लिए कोलंबो के नॉनडिस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब में चार दिवसीय मैच खेलेगी। लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या बुमराह अगस्त के पहले सप्ताह में टीम के साथ यात्रा कर पाएंगे या नहीं।

वापसी करने के लिए तैयार जडेजा

अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक वनडे मैच खेलने के बाद शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम में वापसी करने के लिए तैयार हैं। श्रीलंका में उनकी भूमिका काफी महत्वपूर्ण होगी। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए जडेजा को टीम में शामिल नहीं किया गया था, जिसमें भारत को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। जहां तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी बुमराह, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा संभालेंगे, वहीं अनुभवी कुलदीप यादव और बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार के साथ स्पिन विभाग की अगुवाई करेंगे।

मानव ने डेब्यू में छोड़ा प्रभाव

मानव ने हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करते हुए अपना प्रभाव छोड़ा था। तीसरे स्पिनर वाशिंगटन सुंदर हो सकते हैं, जिन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरी पारी में चार विकेट लिए थे, जबकि बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे स्पिन विभाग में विकल्प के तौर पर टीम में बने रहेंगे।

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप के बाद पहली सीरीज जीती:जिम्बाब्वे को 90 रन से हराया

एजेंसी ▶▶ हरारे

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के बाद भारत ने पहली टी-20 सीरीज जीत ली है। हरारे में खेले गए दूसरे मुकाबले में टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे को 90 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली।

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 219 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 17.5 ओवर में 129 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। ईशान किशन ने 44 गेंदों में 81 रन की पारी खेली। तिलक वर्मा ने नाबाद 60 रन बनाए। गेंदबाजी में अभिषेक शर्मा ने 3 विकेट लिए। प्रिंस यादव और यश ठाकुर को 2-2 विकेट मिले। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक शर्मा 8 और वैभव सूर्यवंशी 20 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर (25) ने तीसरे विकेट के लिए 66 रन जोड़े। श्रेयस के आउट होने के बाद ईशान और तिलक वर्मा ने चौथे विकेट के लिए 94 रन की साझेदारी कर भारत को 219 रन तक पहुंचाया। 220 का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे से कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। यश ठाकुर ने ब्रायन बेनेट (32) को आउट कर टी-20 इंटरनेशनल में अपना पहला विकेट लिया। प्रिंस यादव ने बेन करन और कप्तान सिकंदर रजा को पवेलियन भेजा।

ईशान-तिलक की फिफ्टी अभिषेक को 3 विकेट

विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियनशिप

अनाहत ने किया 21 साल का सूखा खत्म, फाइनल में एंट्री

एजेंसी ▶▶ औटारियो

अनाहत सिंह पिछले 21 वर्ष में विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। अनाहत से पहले भारतीय स्क्वाश की दिग्गज जोशना चिनप्पा ने 2005 में यह उपलब्धि हासिल की थी। दिल्ली की रहने वाली इस शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में मिस्र की तीसरी-चौथी वरीयता प्राप्त बार्ब समेह को 11-3, 8-11, 11-4, 11-6 से हराया। पिछले साल सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद कांस्य पदक जीतने वाली और विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज अनाहत भारत की पहली जूनियर विश्व स्क्वाश चैंपियन बनने से अब सिर्फ एक कदम दूर हैं। अनाहत ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं। मैं कुछ महीने पहले ब्रिटिश जूनियर ओपन में बार्ब के खिलाफ खेली थी और वह बेहद करीबी मैच था, इसलिए मुझे पता था कि मुझे वास्तव में अच्छा खेलना होगा।' उन्होंने कहा, 'मैंने कल अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया था और मुझे पता था कि मुझे आज यह दिखाना होगा कि मैं क्या कर सकती हूं।'

फाइनल में मुकाबला रुकय्या सलेम से

अनाहत ने कहा, 'मैंने चार विश्व जूनियर टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है लेकिन क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में हार गई थी, इसलिए फाइनल में पहुंचने से मेरे माता-पिता और कोच बहुत खुश हैं, लेकिन टूर्नामेंट अभी खत्म नहीं हुआ है।' फाइनल में अनाहत का मुकाबला मिस्र की दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी रुकय्या सलेम से होगा।

फुल्टन का दावा, विश्व कप में 51 साल का सूखा तोड़ने को तैयार भारत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन विश्व कप में 51 साल से चले आ रहे पदक के सूखे को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उन्होंने कहा कि हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम इस टूर्नामेंट में इतिहास रचने के लिए तैयार है। पेरिस ओलंपिक में भारत को लगातार दूसरा कांस्य पदक दिलाने वाले फुल्टन अच्छी तरह जानते हैं कि अगर भारत को 15 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप में पदक का सूखा खत्म करना है तो टीम को अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखनी होगी।

प्रत्येक विभाग का अच्छा प्रदर्शन करना अहम

फुल्टन ने कहा, 'हम बेहद खुश हैं कि हमें यह अवसर मिला है। इस तरह के टूर्नामेंट में महत्वपूर्ण मौकों पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना, सही समय पर अपने चरम पर पहुंचना और प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना अहम होता है। हमने पेरिस में यह साबित कर दिया है कि हम कुछ युवा खिलाड़ियों को शामिल करने के बावजूद अनुभवी टीम उतार सकते हैं।

भारत ने विश्व कप में जीते मात्र तीन पदक

8 बार का ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भारत विश्व कप में अभी तक केवल तीन पदक जीत पाया है। उसने अपना आखिरी पदक स्वर्ण पदक के रूप में 1975 में अजीत पाल सिंह की कप्तानी में कुआलालंपुर में जीता था। फुल्टन ने कहा, 'भारत ने आखिरी बार 1975 में यह खिताब जीता था। हमारे लिए अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखना और उसे एशियाई खेलों तक बरकरार रखना महत्वपूर्ण है। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना भी हमारी प्राथमिकता है।'

काउंटी क्रिकेट डेब्यू में चमके कुलदीप, चटकाए दो विकेट

लंदन । कुलदीप यादव ने इंग्लैंड में घरेलू लिस्ट ए टूर्नामेंट वन-डे कप में यॉर्कशायर के लिए ग्लेमोर्गन के खिलाफ शानदार डेब्यू किया। उन्होंने 39 रन देकर 2 विकेट लिए। बाएं हाथ के इस चाइना मैन गेंदबाज को पहले नौ ओवर में कोई विकेट नहीं मिला था, लेकिन उन्होंने आखिरी ओवर में तीन गेंदों में दो विकेट झटक लिए। कुलदीप ने 44वां ओवर फेंकते हुए पहली गेंद पर एलेक्स हॉर्टन को आउट किया। दो गेंद बाद जेमी मैक्लरॉय को आउट किया। यॉर्कशायर ने दाएं हाथ के मीडियम पेसर बेंजामिन क्लिफ के 29 रन देकर चार विकेट की मदद से ग्लेमोर्गन को सिर्फ 186 रन पर रोक दिया। कुलदीप ने बल्ले से भी 12 रन बनाए और उनकी टीम ने दो विकेट से मैच जीत लिया।

निशानेबाजी में शुभी ने जीत स्वर्ण

फगवाड़ा । लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (लपीयू), फगवाड़ा में आयोजित 55वीं केवीएस राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता-2026 में जबलपुर की प्रतिभाशाली निशानेबाज़ शुभी शर्मा ने अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए 10 मीटर एयर राइफल (महिला वर्ग) में स्वर्ण पदक जीतकर जबलपुर शहर एवं अपने विद्यालय का गौरव बढ़ाया है।

देशभर के विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों से चयनित शीर्ष 75 महिला खिलाड़ियों के बीच हुए कड़े मुकाबले में शुभी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता के स्वर्ण पदक विजेताओं को अब स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जो उनके खेल करियर की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। शुभी शर्मा पिछले चार वर्षों से जबलपुर स्थित 'गन फॉर ग्लोरी' शूटिंग अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम, बीरगांव जिला - रायपुर (छ.ग.)
Email Id: birgaonmcp@gmail.com http://www.nagarnigambirgaon.com

क्रं./ 2184/न.पा.नि./ लो. नि. शाखा / 2026 बीरगांव, दिनांक 24/07/2026

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना
e-Procurement Tender Notice (1st Call)

नगर पालिक निगम बीरगांव द्वारा मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजनान्तर्गत बंजारी मंदिर चौक से बस स्टैण्ड होते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रावांभाठा तक सड़क चौड़कीकरण कार्य (निविदा राशि रू. 530.23) लाख के लिए System Tender No 196142 अनुसार लोक निर्माण विभाग में [Following work as per schedule of rates for Road works issued by Engineer-In-Chief PWD Raipur in force from 15.06.2026, Building S.OR. in force from 10.06.2026, ELECTRICAL S.O.R 10.06.2026, and amendments applicable upto date of issue of NIT.] से प्रचलित एस.ओ.आर. में प्रतिशत दर पर (System Tender 196142 Bid Start Date 25.07.2026, Bid Due date. 17.08.2026, Physical Submission Last Date 24.08.2026, Open Date 25.08.2026) तक ई - निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक सक्षम पात्र निविदाकार, निविदा प्रपत्र, अनुमानित लागत राशि, नियम एवं शर्तें, धरोहर राशि, Key Date एवं विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में निकाय कार्यालय से प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम बीरगांव की वेबसाईट www.nagarnigambirgaon.com व संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में भी उपलब्ध है। इसे https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड / प्राप्त कर ईटेण्डरिंग के माध्यम से निविदा भरने की कार्यवाही कर सकते है ।

"जय भारत जय छत्तीसगढ़"
"Say No To Plastic Bags, Save Earth"
"जल है तो कल है" "Use e-mail Save Tree"

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम बीरगांव
जिला - रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिका परिषद मुंगेली, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

क्र.544/न.पा./ लो.नि.वि./2026-27 मुंगेली, दिनांक 24/07/2026

- : प्रथम ई-प्रोक्युरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना :-

नगर पालिका परिषद मुंगेली द्वारा अधोसंरचना मद अंतर्गत निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु निम्नानुसार ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम निविदा क्र.	कार्य का नाम	अनु. लागत राशि लाख में	निविदा ऑनलाईन सब्मिट करने की अंतिम तिथि
196087	वार्ड क्र. 14 सामुदायिक भवन निर्माण कार्य	46.15	14.08.2026
196111	वार्ड क्र 18 दाऊपारा चौक से नवागांव घुठेरा मार्ग में बी.टी.रोड, आर.सी.सी. नाली कव्हर निर्माण/मरम्मत कार्य	30.76	

टीप :- 1. निविदा प्रपत्र चिप्स के वेबसाईट http:/eproc.cgstate.gov.in में अवलोकन किया जा सकता है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद मुंगेली

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, मल्हार जिला बिलासपुर (छ.ग.)

पत्र स:- Cont./जनवि/बिलास/2026-27/97 दिनांक- 25.07.2026

WALK-IN-INTERVIEW
ENGAGEMENT OF VARIOUS POSTS PURELY ON CONTRACT BASIS FOR THE SESSION 2026-27

PM SHRI School Jawahar Navodaya Vidyalya, Malhar, Bilaspur required the following teachers purely on Contract basis for the academic session 2026-27. Application are invited from eligible candidates for the following post & attend **WALK-IN-INTERVIEW** on dated **31.07.2026 from 10:00 AM to 01:30 PM at PM SHRI School Jawahar Navodaya Vidyalya, Malhar, Bilaspur C.G.** at their own cost with all supporting documents.

S. No.	Post/ Vacancy	Honorarium/ Remuneration
01	PGT Physics (01)	Rs. 35750/- Per Month
02	TGT Computer Science (01)	Rs. 34125/- Per Month
03	PET (Female) (01)	Rs. 34125/- Per Month

The candidates are requested to visit the Google drive link for qualification details and application form - https://drive.google.com/file/d/1QNjNOIbBmzFKW0oe-5x5yIlrv6athZHs/view?usp=sharing

Principal
PM SHRI School JNV, Malhar, Bilaspur (C.G.)

आस्था पर डीजल-पेट्रोल के दाम का असर, मूर्तियों की निर्माण सामग्री महंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

महंगाई की मार से आस्था भी अछूति नहीं रही। डीजल और पेट्रोल के दामों में आई तेजी ने मूर्तिकारों ही नहीं, बल्कि श्री गणेश, श्री दुर्गा और विश्वकर्मा भगवान की मूर्तियों को स्थापित करने वाले श्रद्धालुओ के बजट पर भी असर डाला वाला है।

आयोजकों की जेब पर डेढ़ से तीन गुना मटेरियल के बढ़े हुए दाम का असर पड़ने लगा है। माना सहित शहर के विभिन्न क्षेत्र में मूर्तियों का निर्माण करने वालों का मत है कि कई जरूरी सामग्री के दामों में 25 से 30 फीसदी इजाफा हुआ है। इस सीजन का परिवहन खर्च बढ़ने से मूर्तियों के दाम भी आर्डर देने वाली समिति के लोगों पर असर डालने वाले हैं। शहर से सटी माना बस्ती और कैम्प क्षेत्र में देवी-देवताओं की मूर्तियों का निर्माण करने वाले कलाकारों की पीड़ा यह भी है कि अब उन्हें बड़ी मूर्तियों के आर्डर संभव है कम मिलेंगे। मूर्तिकार मानिक ठाकुर, मिथुन विश्वास और जयंत ने बताया कि हाई प्रोफाइल कालोनियों का दायरा बढ़ने से मूर्ति निर्माण के लिए सबसे जरूरी सामग्री के रूप में उपयोग की जाने वाली मिट्टी, पैरा, भूषा और जूट रस्सी के दामों पर गहरा असर पड़ा है। मूर्तिकारों ने बताया कि जरूरी सामान का जहां डेढ से तीन गुना दाम बढ़ गया है, वहीं अन्य सामग्री के दामों में भी 15 से 20 फीसदी वृद्धि के बजाय इस बार 25 से 30 फीसदी तेजी देखने को मिल रही है। आयोजन समिति की आस्था पर इसका असर नहीं है। पहले मूर्तियों की भव्यता पर फोकस होता था, लेकिन अब दिव्यता और अलौकिक स्वरूप आर्डर किए जा रहे हैं।

मूर्तिकारों की पीड़ा : आर्डर देने के लिए आने वाली आयोजन समिति के सदस्यों पर भी गहरा असर

प्रतिमा निर्माण करने वाले कारीगरों का वेतन

वर्षों से भगवान गणेश, माता दुर्गा, भगवान कृष्ण, भोलेनाथ की झांकी सहित विविध मूर्तियों का निर्माण करने के लिए पश्चिम बंगाल और कोलकाता से कारीगरों को प्रतिमा निर्माण के लिए बुलाया जाता है। इनका प्रतिदिन का वेतन, खाने और रहने की सुविधा भी देनी होती है। इसके बाद भी पहले मूर्तियों की कीमत समितियों के बजट में होती थी, लेकिन इस बार आराध्य देवी-देवताओं की मूर्तियों का दाम आयोजकों को परेशान करने लगा है। इस संकट को देखते हुए लोगों ने मूर्तियों को बड़ा बनवाने की जगह आकर्षक बनाने पर जोर देना शुरु किया हैं।

माना क्षेत्र के किसानों से ही मिलती थी सामग्री

मूर्तिकारों ने बताया कि करीब 20 साल पहले माना बस्ती के आसपास ही मूर्तियों का निर्माण करने में उपयोग की जाने वाली ज्यादातर सामग्री माना और आसपास के किसानों से मिल जाती थी। लेकिन अब शहरी परिवेश में रहने की चाहत ने किसानों को व्यापारी बना दिया। कॉलोनी कल्चर का प्रभाव बढ़ने से मूर्तियों का निर्माण करने वाले कलाकारों के सामने सामग्री जुटाने की चुनौती है।

जुलाई अंत तक बोनी का लक्ष्य पूरा होने का अनुमान

खरीफ फसलों की बोनी मैदानी जिलों में बेहतर, बस्तर-सरगुजा में पिछड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि जुलाई के अंत तक बोनी पूरी नहीं होने पर माना जाता है कि धान की फसल लेट हो गई है। किसानों के पास अभी एक सप्ताह का समय है। ऐसे में उन्हें रोपा पद्धति से बोनी पूरा करने का प्रयास करना चाहिए। प्रदेश के सभी क्षेत्रों में बारिश अच्छी होने के बाद भी कुछ क्षेत्रों में खेतों की तैयारी पूरी नहीं होने के कारण बोनी पिछड़ गई थी। अब नर्सरी तैयार कर रोपा पद्धति के जरिए खेतों में बोनी के प्रयास तेज हो गए हैं। ऐसे में आने वाले समय में लक्ष्य के करीब धान की बोनी पहुंचने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि जुलाई के शुरुआती सप्ताह में कमजोर मानसून के कारण धान की बोनी केवल 11-12 प्रतिशत तक पहुंची थी, लेकिन 10 जुलाई के बाद अच्छी वर्षा होने से बोनी में तेजी आई और अब तक धान की बोनी 31.6 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गई।

धान की बोनी में मैदानी जिलों ने सबसे बेहतर प्रगति दर्ज की, जबकि सरगुजा-बस्तर संभाग के कुछ जिलों में बारिश की कमी के कारण बोनी अपेक्षाकृत धीमी रही। खरीफ सीजन में 48.69 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अब तक राज्य में कुल 31.60 लाख हेक्टेयर में धान की बोनी हो चुकी थी, जो लक्ष्य का लगभग 82 प्रतिशत है। कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि 31 जुलाई तक बोनी का अधिकतम लक्ष्य की प्राप्ति हो सकती है। किसानों द्वारा रोपा के माध्यम से बोनी तेजी से की जा रही है।

खरीफ फसलों की बोनी

छत्तीसगढ़ में खरीफ फसलों की कुल बोनी लगभग 38.60 लाख हेक्टेयर हो चुकी है, जो लक्ष्य का 84 प्रतिशत है। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में मानसून के साथ शुरू हुए खेती-किसानी में बोनी का रकबा भी निरंतर बढ़ते जा रहा है। राज्य में विभिन्न फसलों जैसे धान, मक्का, कोदो, कुटकी, अरहर, मूंग, मूंगफली, रामतिल आदि की बोनी हो चुकी है। प्रदेश में इस खरीफ सीजन में 15.55 लाख मीट्रिक टन उर्वरक वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उक्त लक्ष्य के विरुद्ध 14.57 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का सहकारी एवं निजी क्षेत्रों में भंडारण किया गया है।

जिलों की स्थिति

अब तक विभिन्न जिलों में बोनी के हालात काफी अच्छा रहा है। बलौदाबाजार-भाटापारा में 95 से अधिक, महासमुंद में लगभग 95 प्रतिशत, धमतरी, राजनांदगांव, दुर्ग, कबीरधाम में 90 प्रतिशत बोनी हो चुकी है। वहीं रायपुर जिले में 85-90 प्रतिशत तक बोनी हो चुकी है। ऐसे जिले जहां पर बोनी अपेक्षाकृत कम रही उनमें जशपुर, बलरामपुर, सरगुजा, कोरिया, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, बीजापुर, सुकमा इन जिलों में जुलाई के पहले पखवाड़े तक कम वर्षा होने से धान की रोपाई और बोनी प्रभावित हुई थी, हालांकि बाद में वर्षा बढ़ने से तेजी आई।

केन्द्रीय जेल से रिहा कैदी की दो घंटे बाद हुई मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अम्बिकापुर

केंद्रीय जेल में हत्या के मामले में सात साल की सजा काट रहे कैदी की उस समय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई, जब रिहा हुए महज दो घंटे ही हुआ था। इधर, पिता के जेल से रिहा होने की सूचना पर बेटी खुशी के साथ पिता को लेने आई थी लेकिन बेटी को कहां मालूम था कि पिता को सकुशल ले जाने के बजाए शव को लेकर घर जाएगी। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

दस्त होने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा था इलाज

जानकारी के अनुसार शहर से लगे ग्राम खलिबा निवासी श्याम जतन साय आ. स्व. सोन साय कोरवा (66 वर्ष) 7 साल पूर्व पत्नी की हत्या के मामले में उसे सात साल की सजा सुनाई गई। न्यायालय से सजा सुनाने के बाद श्याम जतन केन्द्रीय जेल में पत्नी की हत्या में मामले में सजा काट रहा था। केन्द्रीय जेल में सात साल की सजा पूरा होने पर जेल प्रशासन द्वारा कैदी की सजा पूरी हो जाने तथा 24 जुलाई को दिन 12.30 बजे जेल से छूटने की सूचना कैदी के परिजन को दी। इसी बीच 23 जुलाई को अचानक कैदी श्याम जतन को दस्त होना शुरू हुआ तो जेल प्रहरियों ने उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। इधर जेल से पिता के छूटने पर बेटी सानिया पिता को लेने जेल पहुंची जहां पता चला कि श्याम जतन मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती है। दिन लगभग 12 बजे बेटी सानिया मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंची। जेल के कर्मचारियों ने कैदी की सजा पूरा होने तथा 12.30 रिहाई का समय निर्धारित होने पर बेटी सानिया को उसके पिता को उसके सुपुर्द करने तथा उपचार के बाद घर ले जाने की बात कहकर चले गए। जेल के कर्मचारियों के जाने के लगभग दो घंटे बाद ही श्याम जतन की उपचार के दौरान मौत हो गई।

26 वें वसुंधरा सम्मान के लिए निर्णायक समिति गठित

रायपुर। लोकजागरण के लिए प्रदत्त वसुंधरा सम्मान का यह निरंतर 26वां वर्ष है। इस वर्ष के सम्मान का चयन करने के लिए निर्णायक समिति का गठन किया गया है। समिति के अध्यक्ष पत्रकार विश्वेश ठाकरे होंगे। प्रसार भारती के पूर्व निदेशक लीलाधर मंडलोई (दिल्ली), कथाकार सतीश जायसवाल (बिलासपुर), आलोचक डॉ वीरेंद्र मोहन (सागर), पत्रकार संपादक ईवी मुरली (रायपुर), कथाकार श्रद्धा थवाईत (रायपुर), विनोद मिश्र (संयोजक वसुंधरा सम्मान), डा अरुण कुमार श्रीवास्तव (अध्यक्ष आयोजन समिति) एवं सुश्री श्वेता उपाध्याय (संपादक कृति वसुंधरा) निर्णायक समिति के सदस्य होंगे।

ओवरटाइम शराब स्कैम, 4 आरोपियों को हाईकोर्ट से नियमित जमानत

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले से जुड़े ओवरटाइम स्कैम में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने 4 आरोपियों को नियमित जमानत दे दी है। कोर्ट ने आरोपी संजीव जैन और राजीव द्विवेदी समेत चार आरोपियों को 10-10 लाख रुपए के निजी मुचलके और इतनी ही राशि के दो सक्षम जमानतदार प्रस्तुत करने की शर्त पर रिहा करने का आदेश दिया है। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष की ओर से कहा गया कि संबंधित कंपनी के मैनपावर कॉन्ट्रैक्ट का संचालन सिद्धार्थ सिंघानिया कर रहे थे, लेकिन उन्हें आरोपी बनाने के बजाय गवाह बनाया गया। वहीं, कंपनी के निदेशकों को आरोपी बना दिया गया, जबकि उनकी भूमिका अलग थी। बचाव पक्ष ने कहा कि जांच पूरी हो चुकी है और 18 मई 2026 को चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है। आरोपी ईओडब्ल्यू के नोटिस पर लगातार उपस्थित होते रहे और जांच में पूरा सहयोग करते रहे। इसके बावजूद एफआईआर दर्ज होने के करीब 18 महीने बाद, 4 मई 2026 को उनकी गिरफ्तारी की गई। सुनवाई के दौरान यह भी बताया गया कि इसी मामले के एक अन्य सह-आरोपी को पहले ही हाईकोर्ट से नियमित जमानत मिल चुकी है। इसलिए समानता के सिद्धांत के आधार पर भी आरोपियों को राहत दिए जाने की मांग की गई।

एक्सटेंशन पर दौड़ रहे निशुल्क शव वाहन 'मुक्तांजलि' का होगा विस्तार, 242 गाड़ियों के साथ होगा नया ठेका

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

- वर्ष 2018 से सरकारी अस्पतालों से पार्थिव शरीर को घर पहुंचाने का जिम्मा कैंप के पास

सरकारी अस्पतालों में मृत्यु के बाद पार्थिव शरीर को घर अथवा मुक्तिधाम तक पहुंचाने वाले शव वाहन मुक्तांजलि योजना का विस्तार किया जाएगा। अभी 164 वाहनों के साथ संचालित इस योजना में 242 गाड़ियों को शामिल किया जाएगा। वर्तमान में डायल 1099 के टोल फ्री नंबर पर उपलब्ध इस सुविधा का संचालन वर्ष 2018 से 'कम्यूनिटी एक्शन थ्रू मोटीवेशन प्रोग्राम' (सीएएमपी-कैंप) के पास है। वर्तमान में कंपनी दो साल के एक्सटेंशन पर इसे चला रही है।

नए टेंडर में शव वाहनों की संख्या और उसकी विशेष डिजाइन और आकार का विस्तार किया जाएगा। इस योजना को मूर्त रूप देने और आम लोगों को यह सुविधा देने के लिए हर साल करीब 18 करोड़ से अधिक राशि खर्च किया जाएगा। इस योजना का नया टेंडर करने की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कार्पोरेशन (सीजीएमएससी) के पास है। उसने नया टेंडर का प्रस्ताव बनाकर स्वीकृति के लिए शासन को भेजा है। अफसरों का दावा है कि पुरानी कमियों को ध्यान में रखते हुए नई एजेंसी चयन की प्रक्रिया में सुधार किए जाने की तैयारी है। प्रदेश में जरूरतों के हिसाब से वाहनों की संख्या बढ़ाने और व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए नियमों में भी बदलाव करने की तैयारी की जा रही है। इसमें टेंडर की अवधि सात साल करने और नए शव वाहन लाने की शर्तों को शामिल किया गया है। राज्य में मुक्तांजलि सेवा का संचालन वर्ष 2012-13 से किया जा रहा और वर्ष 2018 से कैंप को इसकी जिम्मेदारी मिली थी, वर्ष 2023 को संबंधित एजेंसी को दो साल एक्सटेंशन मिला था जो पूरा हो गया है। स्वास्थ्य विभाग की इस संवेदनशील योजनाओं में पिछले सात सालों में सरकारी अस्पताल में अंतिम सांस लेने वाले करीब 3.64 लाख मरीजों को उनके अंतिम ठिकाने तक पहुंचाया गया है। विभागीय अफसरों का तर्क है कि कोरोना आपदाकाल में मुक्ताजंली सेवा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।इस अवधि में सरकारी के अलावा निजी अस्पतालों से कोविड संक्रमित 12 हजार से अधिक मृतकों को अंतिम संस्कार की खातिर मुक्तिधाम तक पहुंचाया गया है।

33 करोड़ के भुगतान पर उठा था सवाल

मुक्तांजलि सेवा के दौरान भुगतान को लेकर कुछ साल पहले विवाद की स्थिति बनी थी। इसमें करीब 33 करोड़ के भुगतान पर फर्जी बिलिंग जैसे आरोप लगे थे। मामले में स्वास्थ्य विभाग से जुड़े एक अधिकारी की इस योजना की जिम्मेदारी वापस ले ली गई थी। बाद में लगे आरोपों का जांच के बाद गलत पाया गया था। नए टेंडर के दौरान शव वाहन की मानिटरिंग के लिए भी नया सिस्टम बनाने की तैयारी की जा रही है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com